आज का मौसम
35.0⁰ अधिकतम तापमान
23.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.26
सूर्यास्त 06.52

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अष्टमी, 03:06 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2083

रविवार, 10 मई 2026, वर्ष 7, अंक 165, पृष्ठ 16+4 मूल्य 6 रुपये

हत्या या मदद के आरोपी को विरासत में नहीं मिल सकती पीड़ित की संपत्ति : सुप्रीम कोर्ट-9

श्रम सुधार : देश में लागू होगा चार नई संहिताओं वाला कानून-10

ईरानी टैंकरों पर अमेरिकी हमला, भारी तनाव के बीच युद्धविराम पर संशय-11

तीरंदाजी विश्व कप में साहिल जाधव ने लगाया कांस्य पदक पर निशाना-12

OUR TOPPER NEET - 2026
EXPECTED MARKS

661/720

BUSHRA ANSARI

OUR TOP SELECTIONS IN NEET 2025

NEET - 2027 RANKERS BATCH
(FOR STUDENTS SECURING 500+ MARKS IN NEET - 2026)
STARTING FROM 11 MAY 2026
(Class Size of 30 Students Only)

OUR TOP PERFORMERS IN JEE MAIN - 2026

OUR DEDICATED FACULTY PANEL

PHYSICS BY
VISHAL VARSHNEY SIR
(B.Tech. IIT Kanpur)

CHEMISTRY BY
VIPUL GOVIL SIR
(B.Tech. IIT Dhanbad)

MATHS BY
SUDHIR PANDEY SIR
(M.Sc. IIT Roorkee)

BIOLOGY BY
OMENDRA YADAV SIR
(M.Sc.)

ADMISSION OPEN

1 Year Target Course
For Students appeared in Class 12
: towards :
IIT-JEE & NEET

Pre-Foundation Course
For Students of Class 9 & 10
: towards :
IIT-JEE & NEET

Foundation Course
For Students of Class 11
4 Days Course JEE MAIN / NEET
5 Days Course JEE ADVANCED

MEDIIT
EDUCATIONAL INSTITUTE
149, Janakpuri, Bareilly Mob. 9639011515, 9639011516 www.mediitbareilly.com

न्यूज ब्रीफ

प्रदेश में बनेंगे 165 पांटून पुल

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में 165 नए पांटून पुल मंजूर किए गए हैं। ये पुल यातायात की सुविधा के लिए विभिन्न नदियों पर बनाए जाएंगे। इनके निर्माण पर 52.70 करोड़ रुपये लागत आएगी। पांटून पुल नदियों को पार करने की अपेक्षाकृत सुरक्षित अस्थाई व्यवस्था होती है, जो सिर्फ मानसून सीजन में हटा ली जाती है। ये पुल उन स्थानों पर बनाए जाते हैं, जहां पक्के पुलों का अभाव है। ये पांटून पुल आगरा, अलीगढ़, अमेठी, औरैया, बलिया, बांदा, बाराबंकी, बस्ती, भदोही, बिजनौर, बुलंदशहर, चंदौली, देवरिया, फर्रुखाबाद, इटावा, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हरदोई और कुशीनगर में बनाए जाएंगे। इसके अलावा लखीमपुर खीरी, मथुरा, मऊ, मिर्जापुर, पीलीभीत, प्रतापगढ़, प्रयागराज, शाहजहांपुर, सीतापुर, सुल्तानपुर, जालौन, जौनपुर, झांसी, कानपुर देहात, कौशाम्बी, वाराणसी जिलों में भी बनाए जाएंगे।

एक करोड़ कीमत की अवैध हेरोइन बरामद

अमृत विचार, लखनऊ : एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स हरियाणा के सहयोग से एएनटीएफ यूनिट सहारनपुर की टीम ने करनाल के सदर थाना क्षेत्र से एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के पास से 454 ग्राम अवैध हेरोइन व एक मोबाइल फोन मिला है। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड़ रुपये के करीब बताई जा रही है। एएनटीएफ सहारनपुर के उपनिरीक्षक नवीन कुमार के बताया कि पकड़े गए आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम सहारनपुर जिले के गागलहेडी थाना क्षेत्र स्थित बुढा खेड़ा गांव निवासी वंश यादव पुत्र सुनील यादव बताया।

दिनेशपुर में पुलिस टीम पर जानलेवा हमला

दिनेशपुर। क्षेत्र से कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक सनसनीखेज घटना शनिवार को सामने आई है। साइबर ठग गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची पुलिस टीम पर आरोपियों ने जानलेवा हमला कर दिया। इस दौरान हरियाणा पुलिस के एक दरोगा को आरोपियों ने अपनी गाड़ी के बोनट पर लिटाकर काफी दूर तक घसीटा और बाद में चलती गाड़ी से नीचे फेंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शनिवार को हरियाणा पुलिस की साइबर टीम स्थानीय पुलिस के सहयोग से दिनेशपुर क्षेत्र में उदयनगर गांव में संदिग्ध ठिकाने पर दबिश देने पहुंची।

राजस्व सरप्लस राज्य बना यूपी: आयुक्त

लखनऊ, **अमृत विचार :** इन्वेस्ट यूपी की ओर से शनिवार को राजधानी के एक होटल में आयोजित उच्चस्तरीय मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कॉन्क्लेव में देश के दिग्गज कंपनियों के 175 से अधिक सीएफओ और सीएक्सओ शामिल हुए। इनमें से कई शीर्ष अधिकारी पहली बार लखनऊ पहुंचे थे, जिन्होंने राज्य के अभूतपूर्व इंफ्रास्ट्रक्चर और नए औद्योगिक परिदृश्य को सराहा। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार ने "राजकोषीय अनुशासन, तीव्र विकास : राज्य की बैलेंस शीट से कॉर्पोरेट फाइनेंस क्या सीख सकता है विषय पर अपने विचार साझा किए।

फार्मर रजिस्ट्री में 2.23 करोड़ का पंजीकरण

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में किसानों का एकीकृत डिजिटल डाटाबेस तैयार करने के लिए चलाए जा रहे फार्मर रजिस्ट्री अभियान के तहत अब तक 2.23 करोड़ से अधिक किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है। यह केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य का 77.43 प्रतिशत है। राज्य सरकार ने शेष किसानों का पंजीकरण 6 जून तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजाना ढाई घंटे होने लगी बिजली कटौती

यूपीपीसीएल ने सभी तहसील मुख्यालयों और नगर पंचायतों के लिए जारी किया आदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में बिजली संकट को लेकर सरकार के दावों और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर सामने आया है। उप्र. पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने प्रदेश के सभी तहसील मुख्यालयों और नगर पंचायतों में प्रतिदिन 2. 30 घंटे की नियोजित बिजली कटौती का आदेश जारी किया है। यह व्यवस्था 31 मई 2026 तक लागू रहेगी। यूपीपीसीएल के आंतरिक आदेश ने राज्य सरकार के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अधीक्षण अभियंता (प्रणाली नियंत्रण), लखनऊ द्वारा जारी आदेश के अनुसार कटौती सुबह और दोपहर, दो चरणों में की जाएगी। प्रदेश के अलग-अलग एरिया लोड डिस्पैच सेंटर (एएलडीसी), लखनऊ, पनकी, सारनाथ और मोदीपुरम अंतर्गत आने वाले जिलों के लिए अलग-अलग समय-सारिणी जारी की गई है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों, व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर इस नियोजित कटौती को उपभोक्ताओं से लाइन फॉल्ट या तकनीकी खराबी बताकर छिपाया जा रहा है। आदेश से यह साफ हो गया है कि मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए कटौती का सहारा लिया जा रहा है।

ग्रिड सुरक्षा के तहत लिया गया फैसला

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सेंट्रल इलेक्ट्रिकसिटी रेगुलरट्री कमीशन) के दिशा-निर्देशों और ग्रिड सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। जरूरत पड़ने पर प्रणाली नियंत्रण को अतिरिक्त कटौती करने का अधिकार भी दिया गया है।

एएलडीसी लखनऊ : एएलडीसी लखनऊ अंतर्गत 19 जिलों में आंबेडकर नगर, बहराइच, बाराबंकी, बदांयू, गोंडा, लखीमपुरखीरी, पीलीभीत, शाहजहांपुर, सीतापुर, उन्नाव, अमेठी, बलरामपुर, बरेली, अयोध्या, हरदोई, लखनऊ, रायबरेली, श्रावस्ती और सुल्तानपुर की तहसीलों में सुबह 6.30 बजे से 8 बजे तक, दोपहर में 12.15 से 1.15 बजे तक और नगर पंचायतों में सुबह 6 बजे से 7 बजे तक व दोपहर में 2 बजे से 3.15 बजे तक तक कटौती जारी रहेगी।

एएलडीसी सारनाथ : एएलडीसी सारनाथ अंतर्गत 21 जिलों में प्रयागराज, बलिया, भदोही, देवरिया, गाजीपुर, वाराणसी, कुशीनगर, मऊ, संतकबीर नगर, सोनभद्र, आजमगढ़, बस्ती, चंदौली, फतेहपुर, गोरखपुर, कौशांबी, महाराजगंज, मिर्जापुर, सिद्धार्थनगर, जौनपुर और प्रतापगढ़ जिले शामिल हैं, इनकी तहसीलों में सुबह 5.30 बजे से 7 बजे तक और दोपहर में 12.15 से 1.15 बजे तक कटौती की जा रही है, साथ ही नगर पंचायतों में सुबह 5.45 से 6.45 बजे तक और दोपहर में 1.15 से 2.45 बजे तक कटौती जारी रहेगी।

एएलडीसी पनकी : आदेश में एएलडीसी पनकी अंतर्गत 21 जिलों में आगरा, अलीगंढ़, औरैया, चित्रकूट, इटावा, फिरोजाबाद, हाथरस, झांसी, कासगंज, महोबा, मथुरा, कानपुर, बांदा, एटा, फर्रुखाबाद, हमीरपरु, जालौन, कानपुर देहात, ललितपुर, मैनपुरी, कन्नौज में सुबह 6.15 से 7.45 बजे तक और दोपहर में 3.30 से 4.30 बजे तक कटौती रहेगी, नगर पंचायत में सुबह सात से आठ बजे तक और दोपहर 3 बजे से 4.30 बजे तक रोजाना कटौती की जाएगी।

एएलडीसी मोदीपुरम : इसके अलावा मोदीपुरम अंतर्गत 6 जिले, अमरोहा, बिजनौर, सहारनपुर, रामपुर, संभल और मुरादाबाद की तहसीलों में सुबह 7 बजे से 8.30 बजे तक, दोपहर में 3 बजे से 4 बजे तक और नगर पंचायतों में सुबह 6.45 से 7.45 तक, दोपहर में 2.45 से 4.15 बजे तक कटौती की जाएगी।

बैडमिंटन की तरह युवा अपने सपनों को भी टूटने न दें : योगी

अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन व टेबल टेनिस प्रतियोगिता का उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खिलाड़ियों से कहा कि जैसे बैडमिंटन में खिलाड़ी शटल को जमीन पर नहीं गिरने देते, उसी तरह जीवन में अपने सपनों और हौसलों को भी टूटने नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अनुशासन, एकाग्रता, संघर्ष और विपरीत परिस्थितियों से लड़ने की सीख देता है।

मुख्यमंत्री शनिवार को गोमतीनगर स्थित बाबू बनारसी दास यूपी बैडमिंटन अकादमी में द्वितीय अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन क्लस्टर प्रतियोगिता (बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस) 2025-26 का उद्घाटन कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात की, बैडमिंटन खेला और प्रतियोगिता की स्मारिका का विमोचन किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पांच दिवसीय इस प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 1,400 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

प्रतियोगित के उद्घाटन मौके पर बैडमिंटन में हाथ आजमाते मुख्यमंत्री योगी।

2017 से पहले उपेक्षित थे खिलाड़ी: योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में खेल सुविधाएं सीमित थीं और खिलाड़ी कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर रहते थे। अब राज्य सरकार ने खिलाड़ियों के लिए पारदर्शी व्यवस्था लागू की है। खेल कोटे के तहत नौकरियों में दो प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के 534 खिलाड़ियों को सीधी भर्ती के माध्यम से यूपी पुलिस और अन्य विभागों में नियुक्ति दी जा चुकी है, जबकि 546 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। वर्ष 2021 से अब तक 334 खिलाड़ियों को पदोन्नति दी गई है।

बालिका का अपहरण कर गैंगरेप

मसौधा, अयोध्या

अमृत विचार : शादी समारोह में गई 11 वर्षीय बालिका के साथ पड़ोसी गांव के दो युवकों ने चाकू दिखाकर अपहरण कर गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया है। पीड़िता गांव के निकट एक विद्यालय की कक्षा छह की छात्रा है। परिवारीजनों की शिकायत पर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट, अपहरण व दुष्कर्म की धाराओं में केस दर्ज किया है। जांच के दौरान दोनों आरोपियों की पहचान होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

घटना थाना पूराकलंदर क्षेत्र स्थित एक गांव की है। गांव निवासी करीब 11 वर्षीय छात्रा गुरुवार को अपनी सहेलियों के साथ गांव में आयोजित एक वैवाहिक समारोह में गई थी। उसके पिता के अनुसार देर शाम करीब 8 बजे वह चाट खाने के बाद पंडाल के बाहर लगे स्टाल पर पानी पीने गई थी। इस दौरान स्कूटी सवार दो अज्ञात युवक आए वह उसे जबरन गाड़ी उठा ले गए। आरोप है कि दोनों उसे चाकू की नोंक पर गांव के बाहर खेत के पास ले गए। जहां दोनों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया। बालिका के शोर मचाने पर उसे चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद उसे छोड़कर भाग गए। रात करीब 9:30 बजे पीड़िता किसी तरह घर पहुंची तो वह बेहोशी की हालत में थी। थोड़ा होश आने पर उसने आपबीती बताई। पीड़िता के अनुसार वह दोनों को पहचान नहीं पाई, लेकिन उसने बताया कि इस दौरान एक युवक दूसरे को शेरू कहकर बुला रहा था। पड़ोसी गांव के होने की बात भी कर रहा था। शुक्रवार को थाने में इसकी लिखित शिकायत की गई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं में केस दर्ज कर विवेचना शुरू की। जांच के दौरान शेरू (24) नाम के युवक की तलाश शुरू की गई तो वह पीड़िता के पड़ोसी गांव का निकला। पुलिस ने उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों को लेकर गांव पहुंची पुलिस

शनिवार को एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी, प्रशिक्षु आईपीएस शुभम जैन, थाना प्रभारी पूराकलंदर मनोज कुमार शर्मा व फॉरेंसिक टीम दोनों आरोपियों को लेकर घटनास्थल पहुंची व जांच पड़ताल की। घटनास्थल की बारीकी से जांचकर साक्ष्य संकलन किया गया। वहीं, पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराया है। रिपोर्ट स्पष्ट न होने के कारण विधि विज्ञान प्रयोगशाला से राय मांगी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। सीओ अयोध्या ने बताया कि केस दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

- **अयोध्या का मामला, पुलिस ने दोनों आरोपियों को किया गिरफ्तार**

ईंट भट्ठे पर हादसा गड्ढे में डूबने से तीन बच्चों की मौत

कुशीनगर, एजेंसी : कुशीनगर जिले के कसया थाना क्षेत्र में शनिवार की सुबह ग्रामसभा मैनपुर के टोला दीनापट्टी स्थित एक ईंट भट्ठे पर मिट्टी निकाले से हुए गड्ढे में भरे पानी में तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक चार बच्चे खेलते हुए गड्ढे में गिर गए थे जिनमें से एक बच्ची किसी तरह बाहर निकलने में सफल रही और परिजनों को सूचना दी।

मौके पर पहुंचे परिजनों ने सभी बच्चों को बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक खेलते-खेलते ईट बनाने के लिए निकाले गए मिट्टी से बने गड्ढे के समीप पहुंच गए। जहां गड्ढे में बरसात का पानी भरा हुआ था। एक बच्चा गिरा तो बचाने के लिए चारों बच्चे उसे बचाने के लिए उसमें कूद गए।

विधायक पल्लवी पटेल पर आरपीएफ ने केस दर्ज किया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: डॉ. पल्लवी पटेल के खिलाफ चारबाग रेलवे स्टेशन पर अनाधिकृत रूप से प्रवेश कर प्रदर्शन करने के आरोप में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मुकदमा दर्ज किया है। आरपीएफ ने विधायक समेत करीब 350 अज्ञात समर्थकों पर रेलवे एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की है।

यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल के नेतृत्व में शनिवार को चारबाग रेलवे स्टेशन पर बड़ा प्रदर्शन हुआ। अपना दल कमेरावादी और विभिन्न सामाजिक, छात्र व युवा संगठनों के कार्यकर्ताओं ने रेलवे ट्रैक पर उतरकर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शन के चलते दिल्ली से अयोध्या जा रही वंदे भारत ट्रेन को आउटर पर रोकना पड़ा, जिससे ट्रेन करीब एक घंटे देरी से चली और रेलवे यातायात प्रभावित हुआ।

- **निरीक्षण यान पर चढ़कर नारेबाजी करने और समर्थकों संग अनधिकृत प्रवेश का आरोप**

जानकारी के मुताबिक विधायक पल्लवी पटेल अपने समर्थकों के साथ स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 के बीच खड़ी निरीक्षण यान पर चढ़ गईं और वहां नारेबाजी शुरू कर दी। अचानक हुए इस प्रदर्शन से स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और यात्रियों में भी हलचल मच गई। मामले की सूचना मिलते ही आरपीएफ निरीक्षक भूपेंद्र सिंह, जीआरपी और सिविल पुलिस मौके पर पहुंची। सुरक्षा बलों ने काफी मशक्कत के बाद दोपहर करीब 1:25 बजे विधायक और उनके समर्थकों को स्टेशन परिसर से बाहर किया।

89,766 ने दी प्रवक्ता परीक्षा

लखनऊ, अमृत विचार : उप्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित प्रवक्ता संवर्ग के अंतर्गत कुल 18 विषयों की लिखित परीक्षा के क्रम में शनिवार को प्रथम पाली एवं द्वितीय पाली में कुल 9 विषयों की परीक्षा प्रदेश के 17 जनपदों (मंडल मुख्यालयों) में निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर सफलतापूर्वक कराई गई।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रथम पाली में पूर्वान्ह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक 278 परीक्षा केंद्रों पर भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, इतिहास एवं शिक्षाशास्त्र विषयों की परीक्षा आयोजित की गई, जबकि द्वितीय पाली में 269 परीक्षा केंद्रों पर अंग्रेजी, कृषि, वाणिज्य एवं समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा हुई। परीक्षा की पारदर्शिता एवं सुचिता सुनिश्चित करने के लिए आयोग मुख्यालय में स्थापित एआई एकीकृत नियंत्रण कमांड कक्ष से सभी परीक्षा केंद्रों की सघन निगरानी की गई।

क्लैट-यूजी को योग्यता सूची संशोधित करने का आदेश रद्द

प्रयागराज, एजेंसी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की दो न्यायाधीशों की पीठ ने उस एकल पीठ के आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के संघ (कंसोर्टियम) को सामान्य विधि प्रवेश परीक्षा (क्लैट)-स्नातकोत्तर 2026 की योग्यता सूची संशोधित करने का निर्देश दिया गया था।

न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की पीठ ने विशेषज्ञ समितियों द्वारा आपत्तियों की समीक्षा के बाद कंसोर्टियम की ओर से 16 दिसंबर, 2025 को जारी अंतिम उत्तर कुंजी को बहाल कर दिया। पीठ ने कंसोर्टियम की अपील स्वीकार करते हुए कहा कि अदालतें अकादमिक मामलों में विषय विशेषज्ञों के निर्णयों पर अपीलीय प्राधिकरण के रूप में कार्य नहीं कर सकतीं। इससे पहले, क्लैट-पीजी के एक अभ्यर्थी ने रिट याचिका दायर कर सेट-सी के प्रश्न संख्या 6, 9 और 13 के अंतिम उत्तरों को चुनौती दी थी। एकल न्यायाधीश ने तीन फरवरी को याचिका आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए कंसोर्टियम को आगे की काउंसिलिंग के लिए संशोधित योग्यता सूची प्रकाशित करने का निर्देश दिया था। दो न्यायाधीशों की पीठ ने कंसोर्टियम की अपील मंजूर करते हुए कहा कि अंतिम उत्तर कुंजी एक सुव्यवस्थित और संरचित जांच प्रक्रिया के बाद जारी की गई थी, जिसमें निरीक्षण समिति और विषय विशेषज्ञ शामिल थे। अदालत ने कहा कि जब तक कोई स्पष्ट त्रुटि साबित नहीं हो जाती, संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा किया गया ऐसा अभ्यास, विशेष रूप से अकादमिक मामलों में, शुद्धता की प्रबल धारणा स्थापित करता है।

मदरसों के छात्र-छात्राओं को संविधान और कानून की शिक्षा देने की कवायद

लखनऊ, एजेंसी

मदरसों के पाठ्यक्रम संबंधी सुधार के लिए सरकार के प्रयासों के बीच इन संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को देश के संविधान और कानून के बारे में बाकायदा पढ़ाने की कवायद शुरू की गई है। इसके लिए शनिवार को एक किताब जारी की गई जिसे पूरे देश में मदरसों के पाठ्यक्रम में शामिल करने की कोशिश की जाएगी।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद उत्तर प्रदेश के विधिक सलाहकार मौलाना काब रशीदी द्वारा लिखित भारतीय संविधान, एक वैचारिक अध्ययन शीर्षक वाली इस किताब को मदरसों के सौम दर्जे से पढ़ाया जाएगा जो आमतौर पर इंटरमीडिएट के समकक्ष माना जाता है। यह किताब पांच खंडों में होगी और इसका 10 भारतीय भाषाओं में अनुवाद भी कराया जाएगा ताकि यह पूरे मुल्क में पहुंचे।

- **मनोवैज्ञानिक तरीके से तैयार किताब में कुल सात अध्याय हैं**

रशीदी ने लखनऊ में एक संवाददाता सम्मेलन में इस किताब का औपचारिक विमोचन करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि यह पुस्तक भारत के संविधान और विभिन्न कानूनों की मूलभूत जानकारी के साथ-साथ उच्चतम न्यायालय समेत विभिन्न अदालतों के ऐतिहासिक आदेशों को खुद में समेटे है। रशीदी ने कहा कि इस किताब से मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को अपने कानूनी तथा संवैधानिक अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के बारे में भी जानकारी मिलेगी जिससे वह और बेहतर नागरिक बनेंगे। उन्होंने बताया कि यह किताब मदरसों में सुधार की एक शुरुआत है और इस किताब का एक उद्देश्य मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को यह भी बताना है कि उनके पुरखों ने किस तरह से राष्ट्र सेवा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया और वे किस तरह उन पूर्वजों से प्रेरित होकर भारत को विश्व गुरु बनाने में अपना योगदान करें। रशीदी ने बताया कि भारतीय संविधान एक वैचारिक अध्ययन शीर्षक वाली इस किताब में कुल सात अध्याय हैं और इसे मनोवैज्ञानिक तरीके से तैयार किया गया है ताकि मदरसों के बच्चे इसमें शामिल सामग्री को बेहतर ढंग से समझ सकें और उसे अपने जीवन में उतार सकें। उन्होंने कहा कि इस किताब के चार और खंड प्रकाशित किए जाएंगे और देश की 10 अन्य भाषाओं में अनुवाद भी किया जाएगा।

इंजीनियर का अपहरण, पीटा फिर लूटा और पुल से फेंका

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: प्रेमनगर इलाके में दो बदमाशों ने आधी रात में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर का कथित तौर पर अपहरण कर लिया और लूटपाट के बाद जामुनवाला पुल से नदी में फेंक दिया। पत्थरों पर गिरकर रात भर तड़पे इंजीनियर की रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर आया है।

सुबह सैन्यकर्मियों की मदद से उसे रेस्क्यू कर पुलिस की मदद से दून अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार, शिवाजी मार्ग कांवली रोड निवासी नगर निगम में सफाई कर्मी विनोद कुमार ने थाना प्रेमनगर में शिकायत दर्ज करायी कि, उनका बेटा आकाश (23) आईटी पार्क स्थित एक कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। बीते गुरुवार रात्रि पाली की शिफ्ट पूरी कर वह घर जाने के लिए करीब 2:15 बजे सहस्त्रधारा क्रॉसिंग पर रैपिडो बाइक का इंतजार कर रहा था। आरोप है कि, इस दौरान वहां स्कूटी से आए दो युवक आकाश को डरा धमकाकर प्रेम नगर में हनुमान मंदिर के पास स्थित जामुनवाला पुल पर हनुमान मंदिर के पास ले गए। जहां इन युवकों ने आकाश की पीटकर उससे बैग, दो मोबाइल फोन और 700 रुपए लूट लिए।

पिता विनोद ने आरोप लगाया कि बदमाशों ने लूटपाट के बाद आकाश को पुल से नीचे नदी में फेंक दिया। आकाश कई घंटों तक दर्द से तड़पता हुआ वहीं पड़ा रहा। शुक्रवार अलसुबह वहां से गुजर रहे मंदिर के पुजारी की नजर उस पर पड़ी, जिन्होंने पास में रहने वाले कुछ सैन्यकर्मियों को बुलाया और उनकी मदद से उसे ऊपर लाया गया। घटना में आकाश की रीढ़ की हड्डी भी टूट गई है।

मल्टीलेयर चुनाव माफिया से है लड़ाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

प्रेस कांफ्रेंस करते अखिलेश यादव।

अमृत विचार : अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए समाजवादियों को मल्टीलेयर चुनाव माफियाओं से लड़ना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया में कई स्तरों पर चुनाव माफिया सक्रिय हैं और संवैधानिक संस्थाओं की साख बचाने के लिए सभी को मिलकर मुकाबला करना होगा।

सपा प्रमुख पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा नकारात्मक और समाज में दरार पैदा करने वाली पार्टी है। सपा की मांग है कि जब अमेरिका, इंग्लैंड और जर्मनी जैसे देशों में बैलेट पेपर से मतदान होता है तो भारत में भी बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए और वोटों में हेरफेर किया गया। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के बाद जारी मतदाता सूची में कई अनियमितताएं सामने आई हैं। पश्चिम बंगाल में बड़े पैमाने पर वोट काटे जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा वोट के साथ जनता के अधिकार भी छीन रही है।

अखिलेश बोले- मुख्यमंत्री की शक्ति का हो रहा 'कटाव'

अमृत विचार : सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में संभावित मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं पर तंज कसते हुए कहा कि 'दिल्ली से पर्ची आ गई क्या?' उनके इस बयान से प्रदेश की सियासत में हलचल तेज हो गई है। शनिवार शाम को सोशल मीडिया एक्स पर सपा प्रमुख ने कहा कि मुख्यमंत्री की शक्ति का 'कटाव-झटाव'' हो रहा है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि जिनका मंत्रिमंडल है, उनसे भी पूछ लो। साथ ही उन्होंने सत्ता पक्ष की अगल-बगल की जोड़ी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि रील बनाएंगे या कुछ भला-चंगा भी होगा?

वाहन चालक की झपकी ने ली सरकारी अधिकारी की जान

देहरादून, अमृत विचार: मॉर्निंग वॉक पर निकले सहायक उद्योग अधिकारी को मुर्गों से भरे तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सरकारी अधिकारी की मौके पर ही मौत हो गई।

यह हादसा उत्तरकाशी जिले के चिन्यालीसौड़ स्थित माता मंदिर के पास ऑल वेदर रोड पर शनिवार सुबह करीब 5:50 बजे हुआ। चिन्यालीसौड़ के टिपरी बिष्ट क्षेत्र निवासी सरकारी अधिकारी ममराज (31) उस समय सैर पर निकले थे। तभी पिकअप वाहन ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। ममराज वर्तमान में टिहरी गढ़वाल जिले के कंडीसौड़ में सहायक उद्योग अधिकारी के पद पर तैनात थे।

उपलब्धि | **प्रदेश में गर्भवती महिलाओं तक औसतन 7 मिनट में पहुंच रही मदद**

102 एंबुलेंस सेवा से मातृ मृत्यु दर में कमी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : गर्भवती महिलाओं को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में 102 एंबुलेंस सेवा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सेवा के सुदृढ़ होने से प्रदेश में मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे (एसआरएस) के मुताबिक, वर्ष 2015-17 में उत्तर प्रदेश का मातृ मृत्यु अनुपात 216 प्रति एक लाख जीवित जन्म था, जो वर्ष 2021-23 में घटकर 141 रह गया।

- **रोज 40 हजार से अधिक जच्चा बच्चा हो रहे लाभान्वित**

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित घोष के अनुसार, प्रदेश में वर्तमान में 102 सेवा के तहत 2,270 एंबुलेंस संचालित हैं। इनके माध्यम से औसतन प्रतिदिन 40,524 गर्भवती महिलाओं और नवजातों को अस्पताल पहुंचाने तथा अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि 102 एंबुलेंस का औसत रिस्पांस टाइम घटकर 7 मिनट 6 सेकंड रह गया है, जबकि वर्ष 2016 में यह 11 मिनट 28 सेकंड था। कोविड काल के दौरान 2020 और 2021 में यह समय बढ़ा, लेकिन बाद में इसमें तेजी से सुधार हुआ। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, पुराने वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाकर नई एंबुलेंस शामिल की गईं। वर्ष 2019 और 2023 में कुल 2,228 पुरानी एंबुलेंस बदली गईं, जबकि सेवा विस्तार के लिए 306 अतिरिक्त एंबुलेंस जोड़ी गईं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण तथा एंबुलेंस सेवा की बेहतर निगरानी के कारण गर्भवती महिलाओं को आपात स्थिति में त्वरित सहायता मिल रही है, जिससे सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा मिला है।

रिस्पांस टाइम सबसे कम

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि 102 सेवा के बेहतर संचालन से गर्भवती महिलाओं को समय पर उपचार मिल रहा है, जिससे मातृ मृत्यु दर में कमी आई है। उनका कहना है कि उत्तर प्रदेश का 7 मिनट 6 सेकंड का रिस्पांस टाइम देश में सबसे कम है। तुलना में राजस्थान का औसत समय 7 मिनट 57 सेकंड और केरल का 10 मिनट 45 सेकंड है।

आज का मौसम
35.0° अधिकतम तापमान
23.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.26
सूर्यास्त 06.52

अमृत विचार
बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अष्टमी, 03:06 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2083
रविवार, 10 मई 2026, वर्ष 7, अंक 165, पृष्ठ 16+4 मूल्य 6 रुपये

- हत्या या मदद के आरोपी को विरासत में नहीं मिल सकती पीड़ित की संपत्ति : सुप्रीम कोर्ट-9

- श्रम सुधार : देश में लागू होगा चार नई संहिताओं वाला कानून-10

- ईरानी टैंकरों पर अमेरिकी हमला, भारी तनाव के बीच युद्धविराम पर संशय-11

- तीरंदाजी विश्व कप में साहिल जाधव ने लगाया कांस्य पदक पर निशाना-12

न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल

डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन

डॉ. जयन्त वर्मा
बी.डी.एस., एम.डी.एस.
(ओरल एण्ड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)

डॉ. जतिन कुमार
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
जनरल मेडिसिन कन्सलटेंट फिजिशियन एवं क्रिटिकेयर स्पेशलिस्ट

डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ

डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन

डाक्टर्स पैनल
डा. ओमवती — एम.बी.बी.एस., डीजीओ — स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी — एम.बी.बी.एस., एम.एस. — जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन
डा. आशुतोष कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. — हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. अमन अग्रवाल — एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. — गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. कुन्दन कुमार — एम.बी.बी.एस., एमसीएच — न्यूरो सर्जन
डा. प्रिया सिंह — एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. — स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. संजय सिंह — एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. — नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. अमित कुमार — बी.ए.एम.एस. — जनरल फिजिशियन

उपलब्ध सुविधायें :
◆ सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज। ◆ दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा। ◆ दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा। ◆ दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा ◆ छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त ऑपरेशन एवं जोड़ प्रत्योरापण। ◆ घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध। ◆ नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव बच्चेदानी के समस्त प्रकार के ऑपरेशन। ◆ बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त आई.सी.यू., एन.आई.सी.यू. ◆ दन्त एवं जबड़े की सभी समस्याओं का विशेष उपचार ◆ आधुनिक उपकरण एवं दर्दरहित तकनीक ◆ मरीज की सुरक्षा एवं स्वच्छता हमारी प्राथमिकता।

डॉ. विवेक कुमार
मैनेजिंग डायरेक्टर

ठाकुर हरीश रावत
चेयरमैन

निःशुल्क शिविर
1 मई 2026 से 15 मई 2026 तक
निःशुल्क जाँच एवं परामर्श

समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा, 24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
24/7 EMERGENCY SERVICES

लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

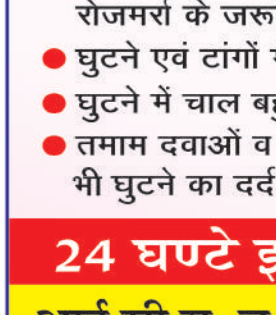

अब नहीं रहेगा – जोड़ों का दर्द
बदलवाएं
घुटना व कूल्हा
☑ हाई फ्लैक्स घुटना प्रत्यारोपण ☑ लार्ज हैड कूल्हा प्रत्यारोपण

डॉ. विनोद पागरानी
एम.एस. (हड्डी एवं जोड़ रोग)
आर्थोस्कोपी, ज्वाइंट रिप्लेसमेन्ट एवं स्पाइनल सर्जन

आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत
घुटने व कूल्हे का नि:शुल्क ऑपरेशन

अत्याधुनिक विधि से घुटने (परिया) के जोड़ का बदलना (प्रत्योरोपण)–TKR
- यदि आप घुटने के तेज दर्द के कारण रोजमर्रा के जरूरी कार्य करने में असमर्थ हैं।
- घुटने एवं टांगों में टेढ़ापन आ गया है।
- घुटने में चाल बहुत ही कम है।
- तमाम दवाओं व इन्जैक्शनों के बाद भी घुटने का दर्द नहीं जा रहा है।

कूल्हा प्रत्योरोपण THR
- खून का दौरान बन्द होने के कारण कूल्हे के जोड़ का सूखना (AVN)।
- चोट के कारण कूल्हे की कटोरी एवं बॉल के टूटने पर।
- टी.बी. के कारण कूल्हे के जोड़ के खराब होने पर।

24 घण्टे इमरजेन्सी
आई.सी.यू. व वेंटिलेटर की सुविधा उपलब्ध

आर्थोस्कोपी (दूरबीन विधि से जोड़ों की जाँच व इलाज)
चोट के कारण घुटने के अन्दर का माँस फटना व नस टूटना
(ACL, PCL, MENISCUS INJURY)
का दूरबीन विधि से जाँच व ऑपरेशन
पुरानी गलत जुड़ी हड्डी का इलाज

नंबर लगवायें: +91-7088105001, +91-9720600111, +91-7302302222

खुशलोक हॉस्पिटल
Leading you to Blossoming health
ट्रामा एवं मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
सिन्धी मार्केट, निकट पुलिस चौकी, मॉडल टाउन स्टेडियम रोड, बरेली।
PHONE No. 0581-250800/700 HELPLINE No. 7500875003

ADMISSIONS OPEN · SESSION 2026–27

India s Most Advanced Photography and Film Making Degrees. Now in Bareilly.

Diploma · BFA · MFA · UGC-Recognised · NEP 2020 Aligned

33000+ STUDENTS TRAINED | 40+ COUNTRIES WORLDWIDE | 16 YEARS OF EXCELLENCE | 100% PLACEMENT RECORD | 60 ACRES MODERN CAMPUS - BIU

ABOUT THE FACULTY

The Faculty of Fine Arts (FFA) is the result of a landmark academic collaboration between IIP Academy, India's most respected photography institution, and Bareilly International University, a UGC-recognised university on a 60-acre modern campus in Bareilly, Uttar Pradesh. For the first time in North India, students can pursue structured, industry-facing degree programmes in Photography and Film Making within a full university ecosystem, combining creative practice with academic progression.

All programmes are full-time, credit-based, and NEP 2020 compliant. BFA Honours (4-year) pathway available. MFA entry open to BFA graduates and working professionals.

Photography & Visual Arts
DIPLOMA · 2 YRS | BFA · 3–4 YRS | MFA · 1–2 YRS
Studio photography, documentary, commercial, fashion, product, photojournalism, and visual research.

Film Making & Moving Image
DIPLOMA · 2 YRS | BFA · 3–4 YRS
Cinematography, direction, screenwriting, editing, sound design, documentary filmmaking, production management.

TEACHING METHODOLOGY
- Studio-First. Industry-Integrated.
- Every semester is structured around real projects, 80% practical. Students work alongside mentors on media & advertising campaigns, cultural documentation, participation in government events
- Guru–Shishya mentor-ship model
- Credit-based project assessments
- Mandatory internship semesters
- Portfolio-led evaluation
- Interdisciplinary learning: art, tech, culture, entrepreneurship

CAMPUS & INFRASTRUCTURE
- A University Built for Creative Practice
- 60-acre modern BIU campus, Bareilly
- Professional photography studios
- Analog darkroom facility, Digital editing & post-production labs, Film set and production spaces, Art studios and critique galleries, Library & visual research center
- On-campus hostels and student facilities,
- Noida campus: Advanced/ industrial training

PLACEMENTS & CAREERS
- 100% Placement. Every Batch
- IIP Academy maintains an unbroken placement record across all graduating batches. The dedicated industry connect cell works with media houses, production studios, advertising agencies, and cultural organisations
- Career counselling from Year 1, Live brief industry assignments
- National & international exhibitions

www.sepiaadvertising.com/05/26

ADMISSIONS NOW OPEN
Pre-Register Today | Limited Seats per Batch
Entrance test and academic counselling for all programmes.
UGC-recognised degrees · Education loan facility · Hostel available
CAMPUS: PILIBHIT BYPASS ROAD BAREILLY–243006
9015 422 322
ADMISSIONS HELPLINE

manasiivf
Dreams come true here

बरेली
FREE पहला परामर्श नि शुल्क
1st वर्षगांठ कैंप
अब सभी इलाज पर भारी छूट
अब अपने बच्चे का इंतजार खत्म

जर्मनी के K-System Bench Incubator से सुसज्जित

दिनाक 14-17 मई 2026
समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक

पता
35-A 7A, रामपुर गार्डन, प्रभा थिएटर के सामने, सिविल लाइन्स, बरेली

संपर्क करें
7455002852
8755552292

अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर
आधुनिक तकनीक से सुसज्जित लैब
व्यक्तिगत देखभाल और परामर्श
उच्च सफलता दर हमारी पहचान

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE

200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में

कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे

बरेली का एकमात्र PET CT

पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए

हमारी सेवाएं

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी

डे केयर थेरेपी

इम्यूनोथेरेपी

कैंसर आईसीयू

फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री

मैमोग्राफी

कैंसर के रोकथाम की ओपीडी

इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी

Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY

प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त

Call to find out more 9582831744, 9258116087 8679315050, 8679415050

www.rohilkhandcancerinstitute.com

रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस

सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

एंबुलेंस नहीं आई, ऑटो में ले जाना पड़ा शव

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- बेटे की मौत के बाद जिला अस्पताल में बेबस पिता का वीडियो हुआ वायरल

अमृत विचार: सिस्टम की संवेदनहीन तस्वीर फिर सामने आई है। जिला अस्पताल में बेटे की मौत के बाद बेबस पिता एंबुलेंस बुलाता रहा मगनर कोई मदद नहीं मिली। मजबूरी में उसे शव ऑटो में रखकर पोस्टमार्टम हाउस तक ले जाना पड़ा। इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कई तरह के सवाल खड़े हो गए हैं। कई तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

जिला अस्पताल से ऑटो में बेटे शव का ले जाता पिता। ● अमृत विचार

बताया जा रहा है कि परिजन लंबे समय तक एंबुलेंस का इंतजार करते रहे, लेकिन कोई व्यवस्था नहीं हो सकी। मजबूरी में पिता ने निजी ऑटो का सहारा लिया और भारी मन से शव को पोस्टमार्टम हाउस तक पहुंचाया। वायरल वीडियो में पिता का दर्द और लाचारी साफ दिखाई दे रही है। शव के पास बैठा पिता बार-बार व्यवस्था को कोसता नजर आया, जबकि आसपास मौजूद लोग भी इस दृश्य को देखकर भावुक हो उठे। स्पताल में मौजूद लोगों ने आरोप लगाया कि एंबुलेंस व्यवस्था काफी समय से बदहाल है। एंबुलेंस चालक गरीब परिवारों से मनमानी रकम की मांग करते हैं। पैसे न देने पर घंटों इंतजार कराया जाता है। अस्पताल में भर्ती मरीजों के साथ इस तरह की कहानी अक्सर दोहराई जाती है।

चालान कटने पर एसआई को धमकाया कथित इंजीनियर सहित तीन पर केस

संवाददाता, सीबीगंज

- खुद को मानवाधिकार आयोग से जुड़ा बताकर दी गई धमकी
- ट्रैफिक एसआई से फोन पर की गई थी बदसलूकी

अमृत विचार : यातायात पुलिस के दरोगा को बाइक का चालान करने पर धमकी का मामला सामने आया है। खुद को मानवाधिकार आयोग लखनऊ में इंजीनियर बताने वाले व्यक्ति ने दरोगा को फोन कर वर्दी उतरवाने की धमकी दे डाली। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

ट्रैफिक पुलिस के एसआई गजेंद्र शर्मा ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि चार मई की सुबह वह हमराही गार्ड अजीत कुमार के साथ झुमका तिराहे से टूटे बैरियर एकत्र कर पुलिस लाइन भेजने का काम कर रहे थे। तभी मीरगंज की ओर से बाइक पर तीन लोग सवार होकर पहुंचे। गार्ड अजीत कुमार ने उन्हें रोककर तीन सवारी बैठाने पर टोका तो बाइक चालक मानसिंह और उसके साथियों ने अभद्रता शुरू कर दी। आरोप है कि उन्होंने शाम तक वर्दी उतरवाने की धमकी भी दी। दरोगा गजेंद्र शर्मा के मौके पर पहुंचने के बाद भी आरोपियों ने बदसलूकी की। इसके बाद पुलिस ने बाइक का एक हजार रुपये का चालान कर दिया।

आरोप है कि उसी दिन शाम करीब पौने छह बजे दरोगा के मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को मानवाधिकार आयोग लखनऊ से इंजीनियर योगेंद्र कुमार बताया। धमकाया कि 'तेरी हिम्मत कैसे हुई मेरे भाई का चालान करने की। पुलिस को तो पीटता हूं। कल शाम तक तेरी वर्दी उतरवा दूंगा।' आरोपी ने दरोगा से चालान की रकम भरने की बात भी कही।

बातचीत दरोगा के मोबाइल में रिकॉर्ड हो गई। दरोगा की तहरीर पर पुलिस ने बाइक चालक मानसिंह, इंजीनियर योगेंद्र सिंह और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बेग बंधु तो पेशेवर क्रिमिनल निकले

जिम कांड में जेल गए अकरम और आलम पर पहले से दर्ज पाए गए कई मुकदमे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- गैंगस्टर की कार्रवाई के साथ हिस्ट्रीशीट खोलने की भी तैयारी
- जिम में यौन शोषण कांड की जांच में रोज हो रहे नए-नए खुलासे

अमृत विचार: डॉक्टर की पत्नी के साथ दुष्कर्म कर उसका अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाले बेग बंधु अकरम और आलम पर थानों में कई अपराधिक केस दर्ज पाए गए हैं। जिम की आड़ में जहां दोनों महिलाओं को टार्गेट करते थे, वहीं दूसरी गलत गतिविधियों में भी लिप्त चल रहे थे। पुलिस ने जब उनका आपराधिक इतिहास निकाला तो उनके पेशेवर क्रिमिनल होने के रहस्य से परदा उठ गया है। आरोपी भाइयों की राजनैतिक करीबियां होने की बात भी चर्चाओं में है।

जिम कांड की जांच में रोज नए खुलासे हो रहे।

महिला डॉक्टर के यौन शोषण का सनसनीखेज मामला सामने आने के बाद कोतवाली पुलिस आरोपी जिम संचालक अकरम और आलम बेग को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। जैसे-जैसे पुलिस की तफ्तीश आगे बढ़ रही है, बेग बंधुओं के बारे में नई जानकारियां सामने आ रही हैं। जांच-पड़ताल में जुटी पुलिस ने उनके अतीत के बारे में पता लगाया तो नया राज सामने आ गया। अकरम बेग के खिलाफ कोतवाली में दो मामले दर्ज है। वहीं उसके भाई आलम बेग पर बारादरी और कोतवाली में पांच मामले दर्ज पा गए है। इसमें मारपीट और छेड़खानी के केस भी शामिल हैं। पुलिस जल्द ही दोनों भाईयों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की तैयारी में है। पुलिस जांच के बीच कई ऐसे फोटो भी वायरल हो रहे हैं, जिसमें एक आरोपी की करीबियां सपा के एक नेता से होने की बात भी कथित रूप से सामने आ रही है। इसके साथ ही कई समाजिक लोगों के साथ भी दोनों की नजदीकियां बताई जाती हैं। पुलिस अकरम और आलम के सबूतों का पुलिंदा तैयार करने में लगी है।

> पुलिस की जांच में दोनों भाईयों के खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे मामले दर्ज निकले है। जिम में यौन शोषण मामले के आरोपी आलम बेग पर ही बारादरी व कोतवाली में पांच केस पंजीकृत पाए गए हैं। दोनों के बारे में और ज्यादा जानकारी जुटाई जा रही है।
>
> मानुष पारीक, एसपी सिटी

सुभाषनगर में टेंपो ने ई-रिक्शा को रोंदा, चार छात्राएं घायल

बरेली, अमृत विचार: सुभाष नगर क्षेत्र में सुबह टेंपो की टक्कर से ई-रिक्शा पलट गया। हादसे में चार छात्राएं घायल हो गईं। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

विश्वनाथपुरम कॉलोनी निवासी अंशिका सैनी ने बताया कि बहन प्रियांशी सैनी, खुशबू सैनी और पलक सैनी के साथ ई-रिक्शा से आर्य पुत्री इंटर कॉलेज, सुभाष नगर पढ़ने जा रही थीं। शनिवार सुबह करीब सात बजे जब उनका ई-रिक्शा सुभाष नगर नाले के पास पहुंचा, तभी सामने से तेज रफ्तार में आए एक टेंपो चालक ने अचानक कट मार दिया। अचानक सामने आए वाहन से बचने के प्रयास में ई-रिक्शा चालक नियंत्रण खो बैठा और वाहन सड़क पर पलट गया। हादसे में चारों घायल हो गईं।

रिश्वत मामले में गिरफ्तार ट्रेनी दरोगा विमल सस्पेंड

बरेली, अमृत विचार: एंटी करप्शन की कार्रवाई में रिश्वत लेते पकड़े गए इज्जतनगर थाने के दरोगा विमल चौहान को विभाग से सस्पेंड कर दिया गया है।उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज होने के बाद यह कार्रवाई की गई।

एक दिन पहले को एंटी करप्शन टीम को उपनिरीक्षक विमल कुमार चौहान के खिलाफ भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए टीम ने थाना इज्जतनगर क्षेत्र स्थित बैरियर-02 चौकी कार्यालय में ट्रैप की कार्रवाई की। मामले में थाना सीबीगंज में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है।

पकडा गया दरोगा।

- एसएसपी ने आरोपी दरोगा पर की कार्रवाई, मामले में विभागीय जांच भी शुरू कराई

उपनिरीक्षक के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। एसएसपी ने दरोगा को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर विभागीय जांच शुरू करा दी है।

Lifelines OF BAREILLY MEDICAL अमृत विचार

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

नि : शुल्क परामर्श

महीने के प्रत्येक रविवार को

समय : सुबह 10 से 5 बजे तक

कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।

रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-

डॉ. दीपक माहेश्वरी MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist

ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ

प्रेमलोक हॉस्पिटल नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।

9084307201, 9412244430

डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी

एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)

Consultant Urologist & Andrologist

गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन

● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज

कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल

डॉ. एम. खान हॉस्पिटल

मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली

हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

फोकस नेत्रालय

राजेन्द्र नगर, बरेली ✆ 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ... नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. ज़हीर उल हसन

एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)

कन्सलटेंट फिजीशियन

हृदय, शुगर, बी.पी., पेट एवं श्वांस रोग विशेषज्ञ

विभाग : जनरल सर्जरी, आर्थो, यूरोलॉजी, ईएनटी, स्त्री एवं प्रसूति रोग एवं अन्य विभाग

आयुष्मान कार्ड द्वारा ऑपरेशन व इलाज की सुविधा

हेल्पलाइन नम्बर : 7037029092

उम्मीद हॉस्पिटल एवं क्रिटिकल केयर

आईसीआईसीआई बैंक के पास, मिनी बाईपास, कर्मचारी नगर, बरेली

जीवनी बोन & हैल्थ क्लीनिक

डा. विनय गंगवार

एम.बी.बी.एस. (एएमयू), डी. आर्थो (एएमयू), डीएनबी आर्थो (दिल्ली) डीआईपी, फीका (स्पोर्टस मेडिसिन)

हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा. ऑचल अग्रवाल

एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन) सीसीईबीडीएम, सीसीओपीएम (पीएचएफआई)

कंसल्टेंट फिजिशियन

स्वास्थ्य शिविर

दिनांक : 14 मई, 2026,

समय : 10 बजे से 2 बजे तक

रजिस्ट्रेशन अनिवार्य, शुल्क मात्र रु. 100/-

शिविर मे फ्री जाँचे

● HB ● TLC ● DLC ● Platelets ● S. Urea ● S.Creatinine ● PCV ● MCV ● MCHC ● S.Uric Acid ● S.ca ● S.Bilirubin ● S. Protein ● SGOT ● SGPT ● S.ALP ● RBS ● BMD ● PEFT

बाकी सभी जाँचों पर 30% की छूट

सभी प्रकार की दवाओं पर 20% की छूट

शिविर में नाम लिखाने के लिए रजिस्ट्रेशन कराएं ✆ 6396640323

पता : मॉडल टाउन पुलिस चौकी के पास, स्टेडियम रोड, बरेली।

मीरगंज विधायक के भतीजे अंकित सैटेलाइट पर मिले

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अंकुर वर्मा। ● अमृत विचार

- अधूरी रिसर्च की उलझन में हरिद्वार चला गया था अंकित वर्मा, खुद बरेली लौट आया
- तीसरे दिन सैटेलाइट बस अड्डे के पास अचानक मिल गया एम फार्म का छात्र
- तलाश में दौड़ रही थी पुलिस परिवार में लौट आई खुशी फिलहाल गांव भेजा गया

अमृत विचार : मीरगंज सीट से भाजपा विधायक डॉ. डी.सी. वर्मा के लापता भतीजे अंकित वर्मा दूसरे दिन बरेली में सैटेलाइट बस अड्डे के पास सकुशल मिल गए। पूछताछ में पता लगा कि अधूरी रिसर्च की वजह से वह टेंशन में थे और इसी परेशानी में हॉस्टल से निकलकर हरिद्वार की ओर चले गए थे। बाद में खुद ही लौट भी आए। अंकित की सुरक्षित वापसी से वर्मा फैमिली ने राहत की सांस ली है। पुलिस की भी नो टेंशन हो गई है।

विधायक डॉ. डीसी वर्मा के छोटे भाई रामप्रकाश वर्मा के पुत्र अंकित वर्मा एसआरएमएस कॉलेज भोजीपुरा में एम फॉर्मा के छात्र हैं। पुलिस की जांच में पता लगा है कि अंकित रिसर्च पूरी नहीं होने की वजह से टेंशन में थे। इसी परेशानी के चलते वह मानसिक शांति के लिए हॉस्टल से निकलकर हरिद्वार रवाना हो गए थे। मोबाइल हॉस्टल में ही छोड़ गए थे।

अंकित के गायब होने से परिवार परेशान हो गया था। भोजीपुरा थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। पुलिस खोजबीन में जुटी थी। सभी जगह तलाश की जा रही थी। दो दिन बाद शनिवार सुबह लापता अंकित वर्मा किसी जानकार को सैटेलाइट बस अड्डे पर नजर आए तो परिजन पहुंच गए। विधायक ने प्रेस को बताया है कि अंकित को अभी माता-पिता के पास गांव भेज दिया है। अंकित ने बताया है कि वह हरिद्वार गए थे। स्पष्ट बात नहीं बताई है।

फर्जी आईएएस विप्रा गैंग पांच नए मुकदमे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- अब तक बारादरी थाने में दर्ज हो चुके है 19 मामले
- पुलिस सोमवार को लेगी बहनों का मुकदमों में लेगी रिमांड

अमृत विचार : खुद को आईएएस अधिकारी बताकर लोगों से ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार विप्रा और उसकी बहनों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। बारादरी थाने में शनिवार को पांच नए मुकदमे दर्ज किए गए। इसके साथ ही आरोपियों के खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने नौकरी लगवाने, सरकारी विभागों में नियुक्ति दिलाने और प्रभावशाली पदों पर पहुंचाने का झांसा देकर कई लोगों से लाखों रुपये की ठगी की। जांच में सामने आया है कि एक विधवा महिला से भी नौकरी दिलाने के नाम पर करीब चार लाख रुपये ठग लिए गए थे। पीड़िता ने आरोप लगाया कि रुपये लेने के बाद आरोपी लगातार टालमटोल करते रहे और बाद में संपर्क बंद कर दिया।

शनिवार को फरीदापुर रामचरन फतेहगंज पश्चिमी निवासी अभिषेक मौर्या ने बारादरी पुलिस को बताया कि ग्रीन पार्क निवासी विप्रा ने उनकी सरकारी नौकरी लगाने के बहाने दो लाख रुपये ले लिए। वहीं पीलीभीत की रहने वाली हिना परवीन से 1.5 लाख रुपये नौकरी के नाम पर ठगे। स्टेडियम रोड स्थित सिटी हार्ट कॉलोनी निवासी दिलप्रीत सिंह को ठग बहनों ने नौकरी के नाम पर 3.50 लाख रुपले ले लिए। परवाना नगर निवासी परहत जहां से चार लाख रुपये ले लिए। उन्होंने बताया कि विधवा है और अकेले कमाने वाली है। भमोरा के सिंघा निवासी अजय सिंह से नौकरी के नाम पर तीन लाख रुपये ले लिए। इंस्पेक्टर बारादरी बिजेंद्र सिंह ने बताया कि ठग बहनों के नाम पर अब तक 19 मुकदमे हो गए। सोमवार को उनका मुकदमों में रिमांड लिया जाएगा।

साइबर ठगों ने युवक के खाते से 1.67 लाख उड़ाए

बरेली, अमृत विचार: इज्जतनगर क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक व्यक्ति को झांसे में लेकर उसके बैंक खाते से 1 लाख 67 हजार रुपये निकाल लिए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कर्मचारी नगर के अरुणेश शर्मा ने पुलिस को बताया कि उनका खाता एसबीआई की सिविल लाइंस शाखा में है। 2 मई को उनके मोबाइल पर एक कॉल आई, जिसे उन्होंने रिसीव कर लिया। कॉल करने वाले ने बातचीत के दौरान उन्हें अपने झांसे में ले लिया। अगले दिन कॉल आई। बातचीत में खाते से 68 हजार रुपये कटने का मेसेज आया। फिर 59 हजार और फिर 40 हजार रुपये और निकल गए।

लोक अदालत... रिकार्ड दो लाख से ज्यादा वादों का निस्तारण

कार्यालय संवाददाता, बरेली

जनपद न्यायालय में आयोजित लोक अदालत। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जनपद न्यायालय में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ, जिसमें रिकार्ड 2,45,366 वादों का समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया। 18 करोड़ 14 लाख 32 हजार 199 रुपये की धनराशि से संबंधित आदेश पारित किए गए।

लोक अदालत का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह द्वितीय ने दीप प्रज्वलित कर किया। न्यायिक अधिकारियों, बैंक, बीमा कंपनियों, अधिवक्ताओं और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। नोडल अधिकारी एवं अपर जनपद न्यायाधीश उमा शंकर कहार ने बताया कि सत्र न्यायालयों, दीवानी न्यायालयों, फौजदारी न्यायालयों, पारिवारिक न्यायालयों में वादों का निस्तारण हुआ। पारिवारिक न्यायालयों में 99 दंपतियों के बीच आपसी समझौता कराकर परिवारों को टूटने से बचाया गया। लोक अदालत में पुलिस विभाग के 59,572 मामलों और कुल 1,08,309 ई-चालानों का निस्तारण किया गया।

वहीं, बैंक ऋण संबंधी मामलों के लिए गठित 25 विशेष पीठों के समक्ष 893 मामलों का निपटारा करते हुए करीब 11 करोड़ 59 लाख रुपये की वसूली कराई गई। केंद्रीय कारागार के बंदियों की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव जया प्रियदर्शिनी ने लोक अदालत की सफलता को महत्वपूर्ण बताया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हुआ।

साइकिल चोर कैमरे में कैद

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र में वैष्णोपुरम कॉलोनी स्थित कार एजेंसी के पीछे साइकिल चोरी कर ली गई। पीड़ित श्रमिक ने चोर की फुटेज मिलने की बात कहते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। बिथरी चैनपुर निवासी भूपराम ने पुलिस को बताया कि वह एक दिन पहले वह वैष्णोपुरम कॉलोनी में मजदूरी कर रहे थे, लगभग शाम 4 बजे एक अज्ञात व्यक्ति घर के अंदर से उसकी साइकिल लेकर फरार हो गया। पुलिस चोर की तलाश में जुटी है।

कैमरे मं कैद तस्वीर। ● अमृत विचार

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

आवश्यकता है

प्राचार्य -01 पद बीएड, प्रवक्ता बीएससी जूलॉजी- 01, एमएससी जूलॉजी - 01, बीएससी बॉटनी -01, एमएससी बॉटनी 01, बीएससी केमिस्ट्री - 01, एमएससी केमेस्ट्री - 01, बीएससी फिजिक्स - 01, एमएससी फिजिक्स - 01, बीएससी मैथ्स -01, एमएससी मैथ्स - 01, बीबीए -01, बीसीए -01, बीएससी होम साइंस - 01, इच्छुक अभ्यर्थी 21 दिनों के अंदर अपने समस्त शैक्षणिक सर्टिफिकेट की फोटोकॉपी (दो सेट में) निम्न पते पर डाक द्वारा प्रेषित करें या ईमेल करें योग्यता- यूजीसी एवं MJPRU, बरेली के मानकानुसार सिरसा (पी.जी) कॉलेज आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, बहेड़ी 8679447027, 8679430519

Email - vikas9621@gmail.com

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे प्लाट के चैन का मूल बैनामा कचहरी शाहजहांपुर में कहीं खो गया है जो सब रजिस्ट्रार कार्यालय पुवायां में दिनांक 13.1.2009 पुस्तक संख्या 1 खण्ड संख्या 3722 पेज संख्या 265-300 क्रमांक संख्या 369 पर दर्ज है जो प्लाट ग्राम चककन्हू परगना बड़ागांव तहसील सदर जिला शाहजहांपुर में स्थित है जिस किसी व्यक्ति को उपरोक्त बैनामा प्राप्त हो वह 15 दिवस के अन्दर मुझे (तपेश कुमार पुत्र मुनीश्वर दयाल गुप्ता) को मो.न. 9415489358 पर सूचित करें।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड सं. 440331127057 में नाम भूलवश बन्टी पुत्र झंडू लाल जन्मतिथि 08.07.1992 दर्ज हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम राजेश कुमार पुत्र झन्डू सिंह तथा जन्मतिथि 08.04.1999 है। भविष्य में मुझे इसी नाम व जन्मतिथि से जाना व पहचाना जाये। राजेश कुमार पुत्र झन्डू सिंह निवासी ग्राम खैलम देहजागीर, तहसील आवंला जिला बरेली।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

आज का मौसम
35.0° अधिकतम तापमान
23.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.26
सूर्यास्त 06.52

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अष्टमी, 03:06 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2083

रविवार, 10 मई 2026, वर्ष 7, अंक 165, पृष्ठ 16+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ हत्या या मदद के आरोपी को विरासत में नहीं मिल सकती पीड़ित की संपत्ति : सुप्रीम कोर्ट-9

■ श्रम सुधार : देश में लागू होगा चार नई संहिताओं वाला कानून-10

■ ईरानी टैंकरों पर अमेरिकी हमला, भारी तनाव के बीच युद्धविराम पर संशय-11

जनता को नमन

कोलकाता में समारोह के दौरान जनादेश के सम्मान में मंच पर नत मस्तक हुए प्रधानमंत्री।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, बांहें फैलाए आपका इंतजार कर रहा है रूमी गेट व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞www.amritvichar.com

बंगाल में अब शुभेंदु सरकार

मुख्यमंत्री पद की ली शपथ, 5 विधायक बने मंत्री सफल कार्यकाल के लिए मोदी ने दी शुभकामनाएं

जनादेश के सम्मान में प्रधानमंत्री मंच पर हुए नत मस्तक, 98 साल के कार्यकर्ता के पैर छुए

पहली बार सत्ता में भाजपा

कोलकाता, एजेंसी

शुभेंदु अधिकारी के शनिवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही पश्चिम बंगाल की राजनीति ने एक ऐतिहासिक करवट ली और राज्य में पहली बार भाजपा ने सत्ता संभाली। स्वतंत्रता के बाद पहली बार ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड भाजपा सरकार के शपथग्रहण का गवाह बना। शपथ समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व और राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्री विशाल मंच पर मौजूद थे।

जय श्री राम के उद्घोष, ढोल की थाप और लहराते भगवा झंडों के बीच राज्यपाल आरएन रवि ने अधिकारी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर पहुंचने के बाद जनादेश के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए लोगों की ओर मुख करके घुटनों के बल झुककर जैसे ही हाथ जोड़े और मंच पर नत मस्तक हुए, ऐतिहासिक स्थल पर एकत्र भाजपा के हजारों समर्थकों ने जोरदार नारों और तालियों से उनका स्वागत किया। भवानीपुर और नंदीग्राम, दोनों विधानसभा क्षेत्रों से जीत हासिल करने वाले तथा भाजपा के आक्रामक चुनाव अभियान का चेहरा बनकर उभरे अधिकारी ने सबसे पहले शपथ ली। उनके बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता और पार्टी की प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष ने मंत्री के रूप में शपथ ली।

भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदिराम टुडू और निशीथ प्रामाणिक को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। यह छह सदस्यीय मंत्रिमंडल सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने की भाजपा की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि सरकार के बाकी मंत्रियों को सोमवार को राजभवन में शपथ दिलाए जाने की संभावना है। नए मंत्रिमंडल की पहली बैठक भी उसी दिन हो सकती है। मंत्रियों के विभागों की घोषणा अभी नहीं की गई है। ब्रिगेड परेड ग्राउंड को कभी वाम दलों का वैचारिक गढ़ माना जाता था और बाद में तृणमूल कांग्रेस ने भी इसे अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने के प्रमुख मंच के रूप में इस्तेमाल किया। भाजपा खेमे ने इसे 'डबल इंजन' सरकार के तहत 'सोनार बांग्ला' की शुरुआत के रूप में पेश किया। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के साथ ही मैदान क्षेत्र में भारत माता की जय' के नारे गूंज उठे। राज्य में टीएमसी के 15 साल के शासन का अंत हुआ और पूर्वी भारत में भाजपा ने अपनी सबसे बड़ी चुनावी सफलता हासिसल की। (संबंधित पेज 9 पर)

शुभेंदु के शपथ लेने के बाद मां गायत्री अधिकारी बोलीं-आरजी की पीड़िता को न्याय दिलाएं नए मुख्यमंत्री

कांठी। नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की मां गायत्री अधिकारी ने शनिवार को कहा कि वह चाहती हैं कि उनका बेटा आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुई घटना की पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए काम करे। शुभेंदु की मां गायत्री और पिता शिशिर अधिकारी ने कहा कि बंगाल के लोग राज्य में पहली भाजपा सरकार की उनके बेटे के बागडोर संभालने से उनसे भी ज्यादा खुश हैं। अपने बेटे के मुख्यमंत्री बनने पर गर्व व्यक्त करते हुए गायत्री ने कहा, मैं उनसे कहूंगी कि वह अत्याचारों का सामना करने वाले सभी लोगों को न्याय दिलाने के लिए काम करें। पीड़िता, जो स्नातकोत्तर प्रशिक्षु थी, के साथ 9 अगस्त 2024 को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ड्यूटी के दौरान बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई, जिससे पूरे देश में आक्रोश फैल गया। उसकी मां रत्ना देबनाथ ने पनिहाटी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीता है।

न्यूज ब्रीफ

नड्डा, सैनी विधायक दल की बैठक की निगरानी के लिए गुवाहाटी पहुंचे

गुवाहाटी। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को होने वाली भाजपा विधायक दल की बैठक की निगरानी के लिए शनिवार शाम को असम की राजधानी गुवाहाटी पहुंचे। इस बैठक में असम के अगले मुख्यमंत्री का चयन किया जाएगा। भाजपा के एक प्रवक्ता ने कहा कि नवनिर्वाचित विधायक रविवार सुबह पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में बैठक कर नए नेता का चुनाव करेंगे। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने राज्य में लगातार तीसरी बार दो-तिहाई बहुमत के साथ जीत हासिल की है।

होर्मुज के पास नौका में आग लगने से एक भारतीय नाविक की मौत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया स्थित होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक लकड़ी की नाव में आग लगने से भारतीय नाविक की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को हुई इस घटना के बाद भारतीय चालक दल के अन्य 17 सदस्यों को बचा लिया गया। आग लगने के सही कारण का अभी पता लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चालक दल के सदस्यों को उस क्षेत्र से गुजर रहे एक जहाज ने बचाया। यह घटना ऐसे समय हुई है जब होर्मुज में ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ रहा है।

क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े धनशोधन मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

बेंगलुरु। ईडी ने क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े धनशोधन मामले में क्रिप्टो हैकर श्रीकृष्ण रमेश उर्फ श्रीकि समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें बेंगलुरु की एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 10 दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। केंद्रीय एजेंसी ने इस मामले में 20 अप्रैल को छापेमारी की थी। इसके तहत कर्नाटक कांग्रेस विधायक एनए हारिस के पुत्रों मोहम्मद हारिस नलापड़ व उमर फारूक नलापड़ और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री के. रहमान खान के पोते आकिब खान समेत अन्य आरोपियों के विभिन्न परिसर पर छापेमारी की गई।

'सोनार बांग्ला' का संकल्प अब होगा सिद्ध : योगी

- कहा- बंगाल के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और आर्थिक उत्थान का अमृतकाल शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ /कोलकाता

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी को उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी। साथ ही विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में बंगाल सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और आर्थिक उत्थान के अमृतकाल में प्रवेश करेगा।

मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और शुभेंदु अधिकारी के ऊर्जावान नेतृत्व में 'सोनार बांग्ला' का संकल्प अवश्य सिद्ध होगा। उन्होंने कामना की कि नया कार्यकाल बंगाल की जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना का स्वर्णिम अध्याय बने। योगी ने बंगाल सरकार के नवनिर्वाचित मंत्रियों को भी बधाई दी और कहा कि वे जन-सेवा को सर्वोपरि रखकर 'सोनार बांग्ला' के गौरव को पुनर्स्थापित करेंगे।

शुभेंदु को पहनाया भगवा अंगवस्त्र

समारोह के दौरान योगी ने नवनिर्वाचित सीएम शुभेंदु को भगवा अंगवस्त्र पहनाकर उनका अभिनंदन किया। साथ ही, मंत्री की शपथ लेने वाले दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक किर्तनिया, क्षुदीराम टुडू, निशीथ प्रमाणिक को भी बधाई दी। गौरतलब है कि चुनाव प्रचार के दौरान शुभेंदु ने भी एक जनसभा में योगी आदित्यनाथ को भगवा अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया था।

पिता ने 9 साल के दिव्यांग बेटे की हत्या कर शव दफनाया

संवाददाता, बरेली/सिरौली

अमृत विचार : बेटे की दिव्यांगता से परेशान व्यक्ति ने बरेली में उसकी जान ही ले ली। कस्बा सिरौली में पिता ने 9 साल के मासूम की हत्या कर दी और शव जमीन में दबा दिया। मारे गए कन्हैया से छोटे भाई-बहनों ने छह दिन बाद पिता का पाप सबके सामने ला दिया। बच्चे की मां की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने शव खराब हालत में बरामद कर लिया है। आरोपी ने पूछताछ में बच्चे की बीमारी से मौत का दावा किया है। पूछताछ जारी है।

समाज को दहला देने वाली घटना बरेली में थाना सिरौली के मोहल्ला गढ़ी में सामने आई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अनिल का बेटा कन्हैया दिव्यांग था। काफी इलाज के बाद भी लाभ नहीं हुआ था। इससे पिता परेशान रहता था। इसी परेशान में उसने जघन्य घटना कर डाली। बच्चे की मां संध्या ने पुलिस को बताया कि पति अनिल ने बेटे कन्हैया की गला दबाकर हत्या कर दी और शव तालाब किनारे जमीन खोदकर दबा दिया। कन्हैया से छोटे 4 वर्षीय अनमोल और 6 वर्षीय वंदना ने पुलिस के सामने कहा कि उन्होंने पिता को बड़े भाई का गला दबाते देखा था। शनिवार शाम नायब तहसीलदार दीपक कुमार, थाना प्रभारी विनोद सिंह ने फॉरेंसिक टीम की मौजूदगी में बताए गए स्थान पर खुदाई कर शव बरामद कर पोस्टमार्टम को भेज दिया। हिरासत में आरोपी अनिल ने कहा कि बेटे की मौत बीमारी से हो गई थी। उसने दफना दिया। हालांकि, मां के आरोप और बच्चों के बयान हत्या ने पुलिस को हिला दिया है। थाना प्रभारी का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कस्बा सिरौली में तालाब किनारे जमीन खोदती जेसीबी।

- छोटे भाई-बहनों ने खोला मासूम कन्हैया की हत्या का राज
- छह दिन बाद पुलिस ने जमीन से निकाला शव, पिता हिरासत में

सीबीआई ने अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ 17 परिसरों की तलाशी ली

नई दिल्ली। सीबीआई ने शनिवार को रिलायंस एडीए समूह की कंपनियों-रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड, रिलायंस कामर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड - तथा उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज तीन मामलों के संबंध में मुंबई में 17 परिसरों की तलाशी ली। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने कहा, ये तलाशी उपरोक्त कंपनियों के निदेशकों के आवासीय परिसरों के साथ-साथ उन मध्यस्थ कंपनियों के कार्यालय परिसरों में की जा रही है जिनके खातों का उपयोग बैंक कोषों के हेरफेर के लिए किया गया था। कंपनियों की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

सीबीआई ने शुक्रवार को मुंबई की एक विशेष अदालत से तलाशी का वारंट जारी करवाया था। अधिकारियों ने दावा किया कि तलाशी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन मामलों में बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को हुए कथित नुकसान की कुल राशि 27,337 करोड़ रुपये है। बयान में कहा गया, तलाशी से यह भी पता चला कि कई मध्यस्थ कंपनियां एक ही पते से संचालित हो रही थीं।

राज्यपाल ने विजय को मुख्यमंत्री नियुक्त किया, आज लेंगे शपथ

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु में टीवीके की सरकार

तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शनिवार को टीवीके प्रमुख विजय को राज्य का नया मुख्यमंत्री नियुक्त किया, जो रविवार को शपथ लेंगे। लोकभवन ने यह जानकारी दी। लोकभवन से प्राप्त जानकारी के अनुसार शपथ ग्रहण रविवार को सुबह 10 बजे चेन्नई के नेहरू स्टेडियम में होगा। राज्यपाल आर्लेकर ने विजय को 13 मई या उससे पहले तक विश्वास मत हासिल करने का समय दिया।

विजय ने राज्यपाल आर्लेकर से मुलाकात कर उन्हें वीसीके (विदुथलाई चिरूथईगल काची) और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) से मिला समर्थन पत्र सौंपा जिसके बाद राज्यपाल ने उन्हें मुख्यमंत्री नियुक्त किया। वीसीके और आईयूएमएल के पास दो-दो सीट हैं। राज्यपाल ने आवश्यक समर्थन को लेकर विजय से करीब एक घंटे तक बातचीत की। दोनों पार्टियों के समर्थन को मिलाकर तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की सीट की संख्या अब 234 सदस्यीय विधानसभा में 120 हो गई है। लोकभवन की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संविधान के प्रावधानों के तहत राज्यपाल आर्लेकर ने विजय को मुख्यमंत्री नियुक्त किया है। राज्यपाल ने विजय को मंत्रिमंडल के गठन के लिए भी आमंत्रित किया है। विजय चौथी बार लोकभवन में राज्यपाल से मिलने पहुंचे थे। इस बीच, टीवीके कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।

चेन्नई में राज्यपाल के साथ टीवीके प्रमुख विजय।

- वीसीके आईयूएमएल ने दिया समर्थन, टीवीके के पास संख्या बल बढ़कर 120 हुआ

पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा धनशोधन के मामले में गिरफ्तार

नई दिल्ली/चंडीगढ़, एजेंसी

ईडी ने शनिवार को पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई मंत्री और उनसे जुड़ी कुछ संस्थाओं के खिलाफ दर्ज धनशोधन के नए मामले में की गई। अधिकारियों ने बताया कि संजीव अरोड़ा को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया।

इससे पहले शनिवार सुबह से अरोड़ा के सरकारी आवास समेत उनसे जुड़े 17 परिसरों पर छापेमारी की गई थी। अरोड़ा को शनिवार को स्थानीय अदालत में पेश किए जाने की संभावना है, जहां ईडी विस्तृत पूछताछ के लिए उनकी हिरासत की मांग करेगा। ईडी ने इस कार्रवाई के तहत उत्तर भारत में पांच परिसर पर छापेमारी की। छापेमारी में दिल्ली के दो परिसर और गुरुग्राम के उद्योग विहार में स्थित हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड नामक कंपनी का परिसर भी शामिल था। अधिकारियों के अनुसार, केंद्रीय एजेंसी ने पीएमएलए की आपराधिक धाराओं के तहत नया मामला दर्ज करने के बाद ये छापेमारी शुरू की। ईडी ने 17 अप्रैल को विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम (फेमा) के दीवानी प्रावधानों के तहत अरोड़ा और उनसे जुड़ी इकाइयों के परिसरों पर छापे मारे थे। अरोड़ा (62) लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट से विधायक हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने संगरूर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए इस छापेमारी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा नीत केंद्र सरकार पर अपने राजनीतिक मकसद पूरे करने के लिए ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

- ईडी ने की कार्रवाई, अरोड़ा व उनसे जुड़े लोगों के परिसरों पर छापे मारे

तैयारी मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से की मुलाकात, दोपहर 3 :30 बजे राजभवन में होगा समारोह, कई मंत्रियों के विभागों में भी फेरबदल संभव

यूपी मंत्रिमंडल विस्तार आज, छह नए चेहरे ले सकते हैं शपथ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश की राजनीति में लंबे समय से चल रही अटकलों पर रविवार को विराम लग जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल का बहुप्रतीक्षित विस्तार रविवार 10 मई को किया जाएगा।

राजभवन में दोपहर 3:30 बजे आयोजित समारोह में छह नए नेताओं को मंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। साथ ही कुछ मौजूदा मंत्रियों के विभागों में भी बदलाव की संभावना है। मंत्रिमंडल विस्तार से एक दिन पहले शनिवार शाम मुख्यमंत्री योगी ने राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मंत्रियों की सूची राज्यपाल को सौंपी। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल आनन्दीबेन को लालचंद राम द्वारा लिखित पुस्तक भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा भी भेंट की। जन भवन में शपथ ग्रहण समारोह के बाद कल राज्यपाल और सीएम लोकभवन में देखेंगे फिल्म कृष्णावतारम।पूरे मंत्रिमंडल के साथ देखेंगे फ़िल्म । सभी मंत्रियों को भेजी गई सूचना।

लखनऊ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

छह पद रिक्त, इन नामों पर चर्चा

छह मंत्रियों के शपथ लेने के साथ ही उप्र मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री सहित कुल 60 सदस्य हो जाएंगे। वर्तमान में 54 मंत्री कार्यरत हैं। योगी सरकार में जिन नए चेहरों को जगह मिल सकती है उनमें पूर्व बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी (एमएलसी), मनोज पांडे (रायबरेली), कृष्णा पासवान (फतेहपुर), हंसराज विश्वकर्मा (वाराणसी), और कैलाश लोधी (कन्नौज) के अलावा पूजा पाल को मंत्री बनाए जाने की चर्चाएं हैं। हालांकि अभी तक सरकार या पार्टी की तरफ से नामों की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। वहीं कई मंत्रियों के विभाग बदलने की भी चर्चा है।

जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश

मंत्रिमंडल विस्तार के जरिए भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। पिछड़ा, दलित, महिला और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए नए चेहरों का चयन किया गया है। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार मंत्रिमंडल विस्तार के साथ-साथ संगठन स्तर पर भी कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए जा सकते हैं। भाजपा आगामी चुनावी रणनीति को ध्यान में रखते हुए सरकार और संगठन दोनों में संतुलन साधने की तैयारी में है।

न्यूज ब्रीफ

अधिवक्ता को थप्पड़ मारने वाले सिपाही ने मांगी माफी

फरीदपुर,अमृत विचार : शुक्रवार को ट्रेनी सिपाही द्वारा अधिवक्ता को थप्पड़ मारने की गूंज दूर तक गई। शनिवार को अधिवक्ता संघ के सदस्य कोतवाली पहुंचे तो अधिवक्ता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया। शुक्रवार को इसी मामले में रिपोर्ट दर्ज करने के लिए अधिवक्ता मांग कर रहे थे लेकिन वह दर्ज नहीं की गई और इंस्पेक्टर अधिवक्ताओं को समझाने में लगे थे। शनिवार को फरीदपुर बार के अध्यक्ष प्रवीण भदोरिया अपने साथियों के साथ कोतवाली पहुंचे। अधिवक्ता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कराया गया। मामले में थप्पड़ मारने वाले सिपाही ने अधिवक्ता से माफी मांगने पर मामले को निपटा दिया गया। चर्चा यह भी थी कि आरोपी सिपाही को थाने से हटा दिया गया है।

नशे में पत्नी को पीटकर घर से निकाला

क्योलड़िया, अमृत विचार : नशेड़ी पति ने ससुर ने दामाद के खिलाफ तहरीर दी है। भुता के राम चरन ने बेटी गोदावती की शादी 8 वर्ष पूर्व गांव बबूरा के अजय से की थी। पति मजदूरी करके पूरे पैसे शराब में उड़ा देता है। राशन भी नहीं लाता।

15 दिन में कैंसर से दूसरी आंगनबाड़ी की भी मौत

फतेहगंज पश्चिमी के कुरतरा गांव में बीमारी से ग्रस्त है कई लोग

- आंगनबाड़ी सहायिका हीराकली की भी कैंसर से जा चुकी है जान
- गांव में दो और लोगों के हो चुकी है कैंसर की पुष्टि
- दो साल के अंदर गांव के एक दर्जन लोगों की हो चुकी है मौत
- ग्रामीणों में कैंसर से पीडित लोगों की मौत से है दहशत
- सीएचसी प्रभारी ने एएनएम को गांव का सर्वे करने के दिये निर्देश

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : गांव कुरतरा में 15 दिन के अंदर कैंसर से पीड़ित चल रही दूसरी आंगनबाड़ी सहायिका गुलशन की शनिवार को मौत हो गई। इससे पहले आंगनबाड़ी सहायिका हीराकाली समेत कई ग्रामीणों की मौत कैंसर से हो चुकी है।जिससे गांव में दहशत है।

मृतका गुलशन

जानकारी के मुताबिक गांव कुरतरा निवासी गुलशन (55) गांव के ही आंगनबाड़ी केन्द्र पर सहायिका के पद पर तैनात थी। उनके भतीजे आमिर ने बताया वह कई महीने से पेट की बीमारी से पीड़ित थी। डॉक्टर की सलाह पर रिषिकेश ले जाने पर जांच के बाद कैंसर की पुष्टि हुई थी। इलाज के दौरान शनिवार सुबह 4 बजे उनका निधन हो गया। 15 दिन पहले गांव में ही आंगनबाड़ी दूसरे केंद्र की सहायिका हीराकली की कैंसर से मौत हो गई थी। इसके अलावा गांव के सफीक सैफी,पुष्पा भारद्वाज भी कैंसर से पीड़ित है। गांव के हरिशंकर गंगवार का 12 वर्षीय बच्चा भास्कर गंगवार,बुजुर्ग निसार अहमद, शब्बीर अहमद इनके बेटे रहीस अहमद और उनकी पत्नी,हाजी असगर अली,बिल कीसन, रहीसन अंसारी,अबरार हुसैन इनकी पत्नी, बेनीराम सागर शकुंतला आदि की दो साल के अंदर मौत हो गई है। कैंसर से पीड़ित इतनी मौतों से गांव में दहशत है।

खिरका सीएचसी चिकित्सा अधिकारी संचित शर्मा ने बताया गांव एएनएम रबीना गंगवार को सभी चारों आशा वर्कर के साथ सर्वे करने के निर्देश दिए है। कैंसर के कारणों को पता चलने पर रोकथाम के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

सड़क हादसे में ट्राली में बैठे युवक की जान गई

संवाददाता भमोरा

अमृत विचार :बरेली-बदायूं हाईवे पर शनिवार को हुए सड़क हादसे में एक मजदूर युवक की मौत हो गई। हादसा थाना बिनावर क्षेत्र में इकराम नगर गोंटिया गांव के पास उस समय हुआ, जब ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से तेज रफ्तार बोलेरो ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रॉली पर बैठा युवक सड़क पर जा गिरा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक राजवीर

सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद बिलखते परिजन • अमृत विचार

- बरेली बदायूं हाईवे पर ट्रैक्टर ट्राली को पीछे से तेज रफ्तार बोलेरों ने मारी टक्कर
- बरेली-नैनीताल हाईवे पर सड़क पार करते समय बाइक सवार ने मारी टक्कर

मृतक की पहचान राजवीर (26) पुत्र विष्णु दयाल निवासी ग्राम सिरोही थाना भमोरा के रूप में हुई है। हादसे के दौरान ट्रॉली पर बैठा एक अन्य मजदूर सानू पुत्र कडडे खां निवासी सिरोही बाल-बाल बच गया।ट्रैक्टर चालक चांद खां ने बताया कि वह थाना बिनावर क्षेत्र के गांव बिलहत स्थित ईंट भट्ठे से छोटे ट्रैक्टर-ट्रॉली में ईंट भरकर बदायूं की ओर जा रहे थे। मलगांव फाटक पार करने के बाद इकराम नगर गोंटिया के समीप पीछे से तेज गति से आ रही बोलेरो पिकअप ने ट्रॉली में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पीआरबी 112 और थाना बिनावर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायल युवक को देखा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। परिजन और गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बदायूं भेज दिया।

टक्कर मारने वाली बोलेरो पिकअप और उसके चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।बताया जा रहा है कि राजवीर के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है। वह तीन भाइयों में सबसे छोटा था और भाईयों के साथ रहकर मजदूरी करता था।

हाईवे पर बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

देवरनियां, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र में बरेली-नैनीताल हाईवे पर हुए एक हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गाई,जबकि बाइक सवार दो युवक भी घायल हो गए हैं।

बरेली-नैनीताल हाईवे पर देवरनियां कोतवाली से दो किलोमीटर दूर सेमीखेडा के पास शुक्रवार की रात्रि सेमीखेडा निवासी कैलाश चन्द्र गुप्ता (72) हाइवे क्रास कर घूरा डालने जा रहे थे,तभी बहेडी की तरफ से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी जिससे कैलाश चन्द्र की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार देवरनियां के गांव कठर्रा निवासी इकरार अली, इरशाद अली भी गंभीर रुप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए भेजवाया, जबकि मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्ट के लिए भेज दिया है। परिजन को हादसे की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। रोते हुए लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक अभी तहरीर नहीं मिली है।

बड़े भाई की जान गई, छोटे बच्चों ने पुलिस के सामने खोला पिता का राज

संवाददाता, सिरौली

- सिरौली कस्बे की घटना ने समाज को झकझोर डाला
- कई दिन बाद जमीन से निकला खराब हालत में शव

अमृत विचार : दिव्यांग कोई भी हो, परिवार और समाज से प्यार-दुलार की जरूरत होती है। सिरौली में एक पिता ने अपने दिव्यांग बेटे के साथ जो कुछ किया, उसे सुनकर पूरे समाज का कलेजा मुंह में आ गया है। 9 साल के कन्हैया का खराब हालत में शव पुलिस ने कई दिन बाद जेसीबी से जमीन खुदवाकर बाहर निकाला तो देखने वाले भी कांप उठे।

पुलिस के अनुसार, सिरौली के मोहल्ला गढ़ी की रहने वाली महिला संध्या ने पति अनिल के खिलाफ 9 साल के बेटे कन्हैया की हत्या कर शव जमीन में दबाने की शिकायत दर्ज कराई है। मामला सामने आते ही पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए नायब तहसीलदार की मौजूदगी में तालाब किनारे दबाए गए शव को बाहर निकाल लिया। मामले की जानकारी कस्बे में फैली तो काफी संख्या में लोग जमा गए। हर कोई आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करता देखा गया।

मां ने पुलिस को बताया कि बेटा कन्हैया जन्म से ही पूरी तरह दिव्यांग था। बहुत इलाज कराया था उसका मगर ठीक नहीं हुआ था। पति अनिल अक्सर बच्चे की दिव्यांगता से परेशान रहता था। आरोपी है कि दिव्यांगता से आजिज आकर कन्हैया को मार डाला।

सनसनीखेज मामले में अहम मोड़ तब आया, जब कन्हैया के छोटे भाई-बहनों ने पुलिस को जानकारी दी। 4 वर्षीय अनमोल और 6 वर्षीय वंदना ने बयान दिया कि उन्होंने अपने पिता को कन्हैया का गला दबाते हुए देखा था। चश्मदीद बच्चों के बयानों के आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई और शव बरामद किया। थाना प्रभारी विनोद सिंह ने बताया कि मां संध्या की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

कब्र से शव को निकालते पुलिस कर्मी । • अमृत विचार

आरोपी पिता अनिल से हिरासत में पूछताछ जारी है। वह बच्चे की मौत बीमारी की बात कह रहा है। बच्चों की गवाही और अभी तक मिले साक्ष्य हत्या के आरोपों को बल दे रहे हैं।

छात्रा से अभद्रता, तीन युवकों को पकड़ा

नवाबगंज, अमृत विचार: थाना क्षेत्र में कोचिंग पढ़ने जा रही कक्षा सात की छात्रा के साथ रास्ते में अभद्रता किए जाने पर हंगामा खड़ा हो गया। छात्रा के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और तीन युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया, जबकि दो आरोपी भागने में सफल रहे।

जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली छात्रा साइकिल से कस्बे में कोचिंग के लिए जा रही थी। आरोप है कि रास्ते में धर्म कांटे के पास पहले से खड़े कुछ युवकों ने उसे रोक लिया और छेड़छाड़ शुरू कर दी। छात्रा के विरोध करने और शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोग मौके की ओर दौड़ पड़े।

ग्रामीणों को आता देख कुछ आरोपी भाग निकले, जबकि तीन युवकों को पकड़ लिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और पकड़े गए युवकों को हिरासत में लेकर थाने ले आई।

पुलिस के मुताबिक मामले में अफजल निवासी कुंडरा कोठी गांव, फैजान और अली हसन निवासी कस्बा नवाबगंज समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इनमें दो आरोपी अभी फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

ग्रामीणों को समझाती पुलिस ।

घटना के बाद मौके पर पहुंचे अरुण कुमार श्रीवास्तव ने ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया और निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिलाया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक दिन की प्रधानाचार्य बनी टॉपर मुस्कान

मीरगंज, अमृत विचार : शनिवार को संत मंगलपुरी इंटर कॉलेज में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाई स्कूल की मीरगंज टॉपर मुस्कान को एक दिन का प्रधानाचार्य नियुक्त किया गया, साथ ही कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले दक्ष गंगवार को उप प्रधानाचार्य बनाया गया। यूपी बोर्ड परीक्षाफल में मीरगंज के संत मंगलपुरी इंटर कॉलेज की छात्रा मुस्कान पुत्री बाबू अली ने 91.16% अंक प्राप्त कर मीरगंज टॉप किया था। शनिवार को महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाई स्कूल मीरगंज की टॉपर मुस्कान को उप प्रबंधक बाबा अरविंद गिरी द्वारा एक दिन का प्रधानाचार्य नियुक्त किया गया, कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र दक्ष गंगवार को उप प्रधानाचार्य नियुक्त किया गया।

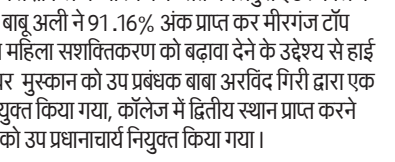

एसडीएम ने गांव में महिला वालंटियर बनाए

मीरगंज, अमृत विचार : गांव नंदगांव में शनिवार को ग्राम चौपाल में ग्रामीणों को जनगणना के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। ग्रामीण महिलाओं को वालिंटियर भी बनाया गया। एसडीएम मीरगंज निधि शुक्ला के द्वारा ग्राम नन्दगाँव में ग्राम प्रधान वीरेन्द्र गंगवार व पंचायत सहायक सौरभ, वालिन्टियर विनीता एवं ग्राम वासियों को अभियान में अधिक से अधिक संख्या में स्वगणना के लिए भाग लेने की अपील की गई ।तहसीलदार आशीष कुमार सिंह ने बताया कि गांव में कुछ महिला वालंटियर को नियुक्त किया गया है, जिनकी जिम्मेदारी जनगणना संबंधी प्रक्रियाओं में ग्रामीणों की सहायता करना है।

भक्ति से हुई खाटू श्याम बाबा की मूर्ति स्थापना

सिरौली, अमृत विचार : साहूकारा मोहल्ला स्थित प्राचीन रामलीला नौदेवी धाम में खाटू श्याम बाबा की मूर्ति स्थापना का कार्यक्रम धूमधाम और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। स्थापना महोत्सव का शुभारंभ विशाल कलश यात्रा के साथ हुआ। यात्रा में सबसे आगे ढोल-नगाड़े और बैंड-बाजे भक्ति धुनें बिखेर रहे थे। यात्रा का मुख्य आकर्षण सुंदर रथ पर सवार खाटू श्याम बाबा की मनोहारी झांकी रही। जिसके दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर परिसर में आयोजित मुख्य समारोह में कथावाचक पंडित विवेक शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच बाबा की दिव्य मूर्ति की स्थापना कराई। अशोक गुप्ता ने मुख्य यजमान के रूप में धर्मपत्नी के साथ सभी धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण किए। मूर्ति स्थापना के बाद मंदिर में दिनभर भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान रामप्रकाश रस्तोगी, यशु गुप्ता, आदि रहे।

ग्रामीणों ने धरना देकर कार्य रुकवाया

भमोरा,अमृत विचार : बदायूं-बरेली मार्ग के चौड़ीकरण कार्य के दौरान अंडरपास निर्माण की मांग को लेकर शनिवार को कोहनी प्रतापपुर गांव के ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। किसान एकता संघ के नेतृत्व में ग्रामीणों ने करीब 100 मीटर तक सड़क निर्माण कार्य रुकवाकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि अंडरपास नहीं बनने से गांव के लोगों को सड़क पार करने के लिए करीब दो-दो किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ेगा, जिससे रोजमर्रा की आवाजाही प्रभावित होगी। ।शनिवार को किसान नेता के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीण सड़क निर्माण स्थल पर पहुंच गए और करीब 100 मीटर तक चल रहे कार्य को रुकवा दिया। धरने पर बैठे ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक अंडरपास निर्माण की घोषणा नहीं होती, तब तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य नहीं होने दिया जाएगा।

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 10 मई 2026 www.amritvichar.com

बांहें फैलाए आपका इंतजार कर रहा है रूमी गेट

लखनऊ की शान और पहचान रूमी गेट तुर्की शैली में निर्मित है। इसे डिजाइन करने वाले किफायतउल्ला वही आर्किटेक्ट हैं, जिन्होंने आसिफी इमामबाड़ा डिजाइन किया था। इसका नाम रूमी गेट रखा गया, क्योंकि यह रोमन इंपायर से प्रेरित है। रूमी रोम से निकला नाम है। तुर्की शैली की वजह से एक समय इसे तुर्किश गेटवे भी कहा जाता था। 1784 से 86 के बीच 60 फीट ऊंचा यह गेट तैयार किया गया। समय के साथ हर तकनीक विकसित होती गई। बनाई जाने वाली हर चीज आधुनिक होती गई और इसके आकर्षण में चार चांद लगते गए, लेकिन 240 साल पहले बीच रास्ते पर बनाए गए रूमी गेट के आकर्षण में कभी कमी नहीं आ पाई।

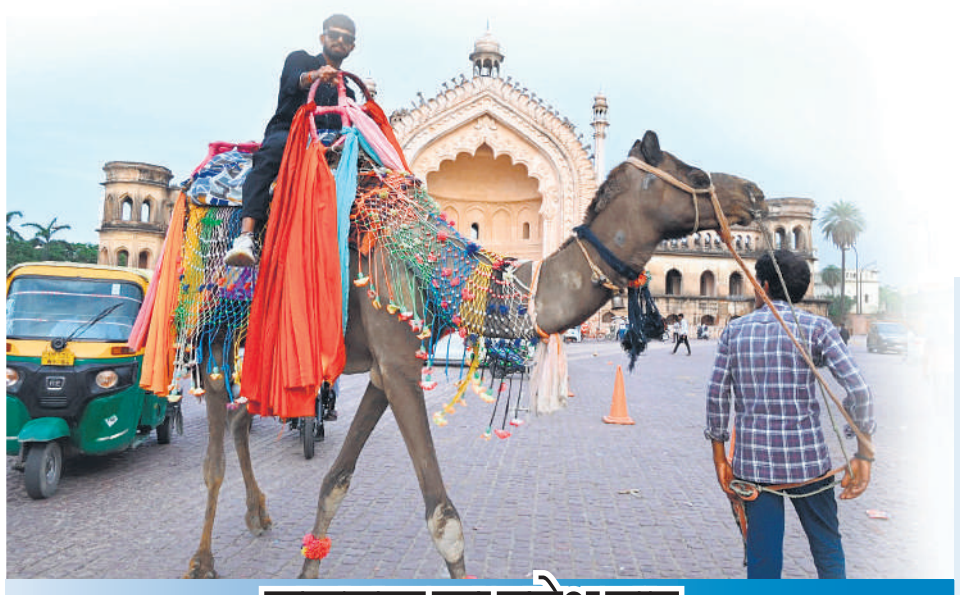

लखनऊ का प्रवेश द्वार

आगरा जाने वाला ताजमहल जरूर देखता है। सफेद संगमरमर की आसमान छूती इमारत देखते ही दिल में उतर जाती है। इसे बनवाने वाला शाहजहां भी इसे निहारता ही रह गया था। उसने जमीन पर अजूबा रचने वालों के हाथ कलम करवा दिये थे ताकि दूसरा ताजमहल न बन पाए। शाहजहां का वो गुरूर ताजमहल में साफ झलकता है। देखने वाले की निगाहें उसके कलश पर जाकर टिक जाती हैं, उसकी ऊंचाई पर हर कोई मुग्ध हो जाता है। यह मुग्धता बादशाह की मोहब्बत से है। यह मुग्धता बादशाह के उस गुरूर से है, जिसने दूसरे ताजमहल पनपने के रास्ते बंद कर दिए और शायर को लिखना पड़ा कि एक शहंशाह ने बनवा के हसीं ताजमहल, हम गरीबों की मोहब्बत का उड़ाया है मजाक।

जमुना तट से गोमती तट पर आइए और लखनऊ का रूमी गेट निहारिए तो माहौल बिल्कुल उलटा मिलेगा। हालांकि बादशाह ने इसे भी बनाया, लेकिन बनाने वाले ने इसमें अपना गुरूर नहीं करुणा डाली। बनाने वालों के हाथ नहीं कटवाए, बल्कि इसे तो बनवाया ही उन हाथों से जो अकाल में काम को तरस रहे थे। शायद यही वजह है कि रूमी गेट की तरफ बढ़िए तो वो बाहें फैलाए इंतजार करता नजर आता है।

रूमी गेट की खूबसूरती पर नजरें ठहर जाती हैं। 1784 में ऐतिहासिक आसिफी इमामबाड़े के बाहर नवाब आसिफुद्दौला ने इसे तामीर कराया था। वक्त के थपेड़ों ने इसे बदरंग कर दिया। इसमें दरार पड़ गईं, लेकिन इसके भीतर की तीन सड़कों से हजारों गाड़ियां रोज गुजरती रहीं। लोग इसके सामने तस्वीरें खिंचाते रहे। इसे लखनऊ का प्रवेशद्वार कहा गया। इसे लखनऊ के सिग्नेचर के रूप में पहचाना गया।

इसकी महत्ता में कभी कमी नहीं आई, लेकिन इस विरासत को बचाए रखने पर कभी नहीं सोचा गया सरकारें बदलती रहीं और रूमी गेट दरकता रहा। अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बने और लंदन यात्रा से लौटे तो उन्होंने लंदन की तर्ज पर रूमी गेट की सड़क बनवाई। चौकोर छोटे पत्थरों की इस नई सड़क से रूमी गेट और खिल उठा। रूमी गेट के साइड में पार्क की जगह सड़क बनाई गई और देखने वालों को लगा कि रूमी गेट की बाहें आजाद कर दी गई हैं।

काम चल रहा था कि सरकार बदल गई। योगी आदित्यनाथ की सरकार ने रूमी गेट का काम जारी रखा। कई साल लगे, लेकिन रूमी गेट का लालित्य लौट आया। गेट पुनर्जीवित हो गया तो सरकार ने इसे यातायात के लिए फिर से खोलने से इनकार कर दिया। रूमी गेट एक, सात और 8 मोहर्रम को जुलूसों के लिए खुलता है। पहली मोहर्रम को शाही जरीह, 7 मोहर्रम की हजरत कासिम की मेहंदी और 8 मोहर्रम को दरिया वाली मस्जिद से अलम फातहे फुरात का जुलूस रूमी गेट से गुजरते हैं।

रूमी गेट के सामने से रोजाना हजारों लोग गुजरते हैं। पिछले कई साल से रूमी गेट के सामने शादी से पहले नौजवान फोटो सेशन कराने आते हैं। तमाम फिल्मकार यहां अपनी फिल्मों की शूटिंग करते हैं। नवाब आसिफुद्दौला के बारे में कहा जाता था कि जिसको न दे मौला उसे दे आसिफुद्दौला। जब अवध अकाल से जूझ रहा था, तब उन इज्जतदार गरीबों को काम देने के लिए इमामबाड़े का निर्माण शुरू किया गया था कि हर हाथ को काम मिल जाए।

आसिफुद्दौला ने रूमी गेट अपनी शान में कसीदे पढ़वाने के लिए नहीं अपनी अवाम के हाथ मजबूत करने के लिए बनवाया था तभी तो 242 साल की उम्र में भी रूमी गेट बांहें पसारे नजर आता है। इसे देखकर पद्मश्री योगेश प्रवीन के मुंह से बेसाख्ता निकल पड़ता है :- लखनऊ है तो महज गुंबद-ओ-मीनार नहीं, सिर्फ एक शहर नहीं कूचा-ओ-बाजार नहीं, इसके दामन में मोहब्बत के फूल खिलते हैं, इसकी गलियों में फरिश्तों के पते मिलते हैं।

शबाहत हुसैन विजेता
लखनऊ

पीढ़ियों से तांगों की सैर कराने वाले शब्बीर की जुबानी

बड़े इमामबाड़े से छोटे इमामबाड़े और पिक्चर गैलरी तक पर्यटकों को तांगे पर सैर कराने वाले शब्बीर अली पीढ़ियों से इस काम में लगे हैं और अपने काम से बहुत खुश हैं। शब्बीर बताते हैं कि उनके वालिद शकील अली ने करीब 50 साल तक पर्यटकों को घुमाया। उनसे पहले उनके दादा मदारू यही काम करते थे। तांगे पर घूमने वाले पर्यटक तो दिनभर मिलते हैं, लेकिन कभी-कभी ऐसे पर्यटक भी मिल जाते हैं कि तांगे के साथ सिर्फ तस्वीरें खिंचाने वाले दर्शक भी आ जाते हैं। तस्वीरें खिंचाने वाले पर्यटक कई बार घूमने वालों से ज्यादा पैसा दे जाते हैं। एक कंपनी के निदेशक अरुण सिंह अपनी शादी की 25 वीं सालगिरह मनाने रूमी गेट पर आए। शब्बीर अली के घोड़े के साथ उन्होंने कई तस्वीरें खिंचाईं।

टूरिस्ट गाइड ने दशकों से होते बदलाव को देखा

रूमी गेट और बड़े इमामबाड़े में आने वाले पर्यटकों को इतिहास की बातें बताने वाले टूरिस्ट गाइड दिलबर ने रूमी गेट में पिछले कुछ दशकों में आए बदलावों को करीब से देखा है। वो बताते हैं कि पहले के दौर में आने वाले पर्यटकों में बड़ी जिज्ञासाएं होती थीं, वो तरह-तरह के सवाल पूछा करते थे, लेकिन अब आने वाले पर्यटक इन इमारतों के साथ अपनी तस्वीरें खिंचाकर ही खुश हो जाते हैं। वो कहते हैं कि सरकार का नजर-ए-करम हुआ, तो रूमी गेट चमक गया। ऐसे ही इमामबाड़े पर भी हो जाए, तो यह भी चमक जाए।

सब सो जाते हैं, लेकिन यह जागता रहता है

रात होती है, तो इंसानों के साथ पार्क, इमारतें, पर्यटन स्थल सब सो जाते हैं। कहीं कोई घूमता नजर नहीं आता, लेकिन रूमी गेट कभी सोता नहीं। रात में तांगे नहीं होते, ऊंट की सवारी नहीं होती, नारियल पानी और गन्ने का जूस बेचने वाले नहीं होते, लेकिन रूमी गेट के आसपास लोगों का जमावड़ा कभी खत्म नहीं होता। रात को 3 बजे भी पर्यटक तस्वीरें खिंचाते नजर आते हैं।

सुबह आ धमकते हैं प्री वेडिंग शूट वाले कैमरों के साथ

सुबह के 5 बजते-बजते प्री वेडिंग शूट कराने वाले जोड़े फोटोग्राफर के साथ रूमी गेट पहुंच जाते हैं। पिछले कुछ सालों से प्री वेडिंग शूट के लिए रूमी गेट सबसे अच्छे स्थानों में से हो गया है। कभी-कभी तो 8-10 जोड़े थोड़ी-थोड़ी दूर पर फोटो शूट कराते दिखाई दे जाते हैं। 9 बजते-बजते यह जोड़े रवाना हो जाते हैं। मार्निंग वाक करने वालों के लिए रूमी गेट के आसपास तरह-तरह का जूस बेचने वालों की दुकानें सज जाती हैं। जूस की एक दुकान मारुती वैन में बनाई गई है। यह वैन मार्निंग वाक करने वालों को दो घंटे में अपना सारा जूस बेचकर गायब हो जाती है।

इतिहास पर भी नजर

बादशाह आसिफुद्दौला ने बड़े इमामबाड़े का निर्माण मोहर्रम की अजादारी के लिए कराया था। अलम-ताजिए के जुलूस रूमी गेट से निकलते ही हैं, लेकिन इसके सामने से गणपति बप्पा भी बड़ी शान से निकलते हैं। मोटर साइकिल सवार बड़े-बड़े भगवा झंडे लेकर रूमी गेट के पास से नारे लगाते हुए गुजर जाते हैं।

लखनवी पकवानों से सजेगी लजीज गली

रूमी गेट के सामने सरकार ने लजीज गली बनवाई है। यह अभी शुरू नहीं हुई है। इसके शुरू होने के बाद यहां लखनवी खानों की खुशबू भी रूमी गेट के आसपास तैरने लगेगी। लजीज गली को शुरू न कर पाने के पीछे दो बड़ी वजहें हैं, पहली तो यह कि इसमें आने वालों की गाड़ियों की पार्किंग की यहां कोई व्यवस्था नहीं है, दूसरे इसके निर्माण से पहले शिया धर्मगुरुओं को विश्वास में नहीं लिया गया। हालांकि नींबू पार्क के पिछले हिस्से में पार्किंग बनाने का काम बड़ी तेजी से चल रहा है। रूमी गेट के जीर्णोद्धार के बाद जब सरकार ने इसे यातायात के लिए बंद किया, तो रूमी गेट के दोनों ओर कारों के पार्किंग स्टैंड बन गए। ऐतिहासिक रूमी गेट के पास वाहन पार्किंग किसने बनवाई है कोई नहीं जानता। हुसैनाबाद ट्रस्ट ने यहां कोई स्टैंड नहीं बनवाया है, लेकिन फिर भी सैकड़ों वाहन यहां पार्क किए जाते हैं। रूमी गेट के दोनों ओर बने फुटपाथ पर आइसक्रीम, नारियल पानी, चाय इत्यादि की दुकानें सुबह से रात तक सजी रहती हैं। आइसक्रीम वाले तो रात दो-ढाई बजे तक मिल जाते हैं। जाड़ों की रात में भी यहां आइसक्रीम का मजा लेने के लिए पर्यटक आते रहते हैं।

शुगर दिवस पर जब नीला हो गया था रूमी गेट

विश्व मधुमेह दिवस पर लाइटों के प्रभाव से रूमी गेट को नीला किया जाता है। बाकी दिन दूधिया प्रकाश में नहाया रूमी गेट हर किसी के आकर्षण का केंद्र बना रहता है। मोहर्रम के जुलूसों में रूमी गेट से हाथियों और ऊंटों की कतार गुजरती हैं, तो उसके आकर्षण में हर कोई बंधा रह जाता है। इसी जुलूस में शामिल शहनाई वादक करबला के वाक्ये और हजरत इमाम हुसैन की शहादत का मंजर बयान करता हुआ निकलता है, तो लोग दहाड़ें मारकर रोते हैं और यह संदेश पूरी दुनिया में चला जाता है कि हक, इंसाफ और इंसानियत को बचाए रखने के लिए दी गई शहादत का असर कभी खत्म नहीं होता है। बादशाहत खत्म हो जाती है, हुकूमतें मिट जाती हैं, लेकिन बादशाही के जिन शेष निशानों में करुणा बसी होती है वह अशेष होती हैं। उसे मिटाने का नहीं बचाने का जतन हुकूमत भी करती है और अवाम भी। इस रूमी गेट के निर्माण में भी उसी करुणा का प्लास्टर किया गया है। जब लोग अकाल की वजह से दम तोड़ रहे थे तब इमामबाड़ा और रूमी गेट का निर्माण लोगों को काम भी दे रहा था और दो वक्त की रोटी भी। तभी तो ढाई सौ साल से यह गेट आंखों में सुरक्षित हो रहा है और कैमरों में भी।

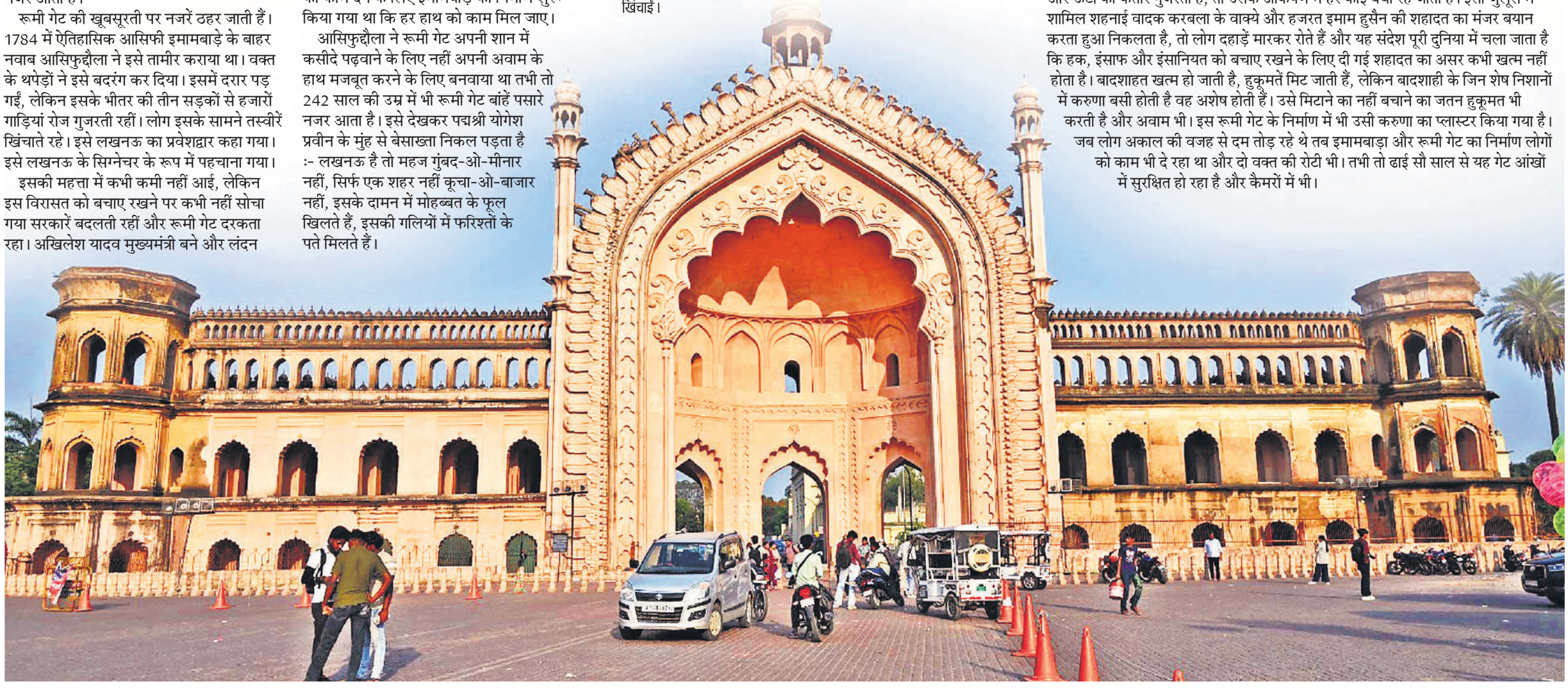

मौसम बदलते ही हमारे कपड़ों के साथ-साथ फुटवियर की जरूरतें भी बदल जाती हैं। खासतौर पर गर्मियों के मौसम में सही फुटवियर का चयन बेहद जरूरी हो जाता है, क्योंकि इस दौरान पैरों को सबसे ज्यादा आराम, हवा और हल्केपन की जरूरत होती है। गलत फुटवियर न केवल असहजता पैदा करते हैं, बल्कि पैरों में पसीना, बदबू और त्वचा संबंधी समस्याएं भी बढ़ा सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम ऐसे फुटवियर चुनें, जो स्टाइलिश होने के साथ-साथ कंफर्टेबल भी हों। आजकल बाजार में कई तरह के विकल्प मौजूद हैं, जो न केवल ट्रेंड में हैं, बल्कि स्वास्थ्य के लिहाज से भी बेहतर हैं। सही फुटवियर न सिर्फ आपके लुक को आकर्षक बनाता है, बल्कि आपके आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। आइए जानते हैं कि इस गर्मी में कौन-कौन से फुटवियर आपके लिए बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं।

स्टाइल और कंफर्ट का मेल समर के बेस्ट फुटवियर ट्रेंड्स

मोजड़ी

मोजड़ी पारंपरिक भारतीय फुटवियर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो अब आधुनिक फैशन का भी हिस्सा बन चुकी है। पहले जहां इसे केवल पारंपरिक पोशाकों के साथ पहना जाता था, वहीं अब यह इंडो-वेस्टर्न आउटफिट के साथ भी खूब जंचती है। मोजड़ी की खासियत इसका हल्का वजन और सॉफ्ट डिजाइन है, जिससे इसे लंबे समय तक पहनने में कोई परेशानी नहीं होती। आजकल मोजड़ी में कढ़ाई, मिरर वर्क, प्रिंट्स और मिनिमल डिजाइन के कई विकल्प मिलते हैं। गर्मियों में लेदर या सिंथेटिक की बजाय फैब्रिक बेस्ड मोजड़ी चुनना बेहतर होता है, जिससे पैरों को हवा मिलती रहे। यह कॉलेज, ऑफिस या छोटे फंक्शन के लिए एक परफेक्ट चॉइस हैं।

सैंडल

गर्मियों के मौसम में सैंडल सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले फुटवियर में से एक हैं। इनका ओपन डिजाइन पैरों को हवा देता है, जिससे पसीना कम होता है और फ्रेशनेस बनी रहती है। फ्लैट सैंडल, स्ट्रैपी सैंडल, स्लाइड्स और ग्लैडिएटर सैंडल इस सीजन में खास ट्रेंड में रहते हैं। यदि आप पूरे दिन बाहर रहती हैं, तो कुशन सोल वाले सैंडल चुनना बेहतर रहेगा। इसके अलावा, एंटी-स्लिप सोल और सॉफ्ट स्ट्रैप्स वाले सैंडल पैरों को सुरक्षित और आरामदायक रखते हैं। आप इन्हें ड्रेस, जींस, स्कर्ट या सूट किसी भी आउटफिट के साथ आसानी से मैच कर सकती हैं।

स्नीकर्स

स्नीकर्स अब केवल स्पोर्ट्स तक सीमित नहीं रहे, बल्कि ये रोजमर्रा के फैशन का हिस्सा बन चुके हैं। खासकर युवाओं के बीच स्नीकर्स का क्रेज तेजी से बढ़ा है। गर्मियों में ब्रीदेबल और लाइटवेट स्नीकर्स का चुनाव करना चाहिए, ताकि पैरों में गर्मी और पसीना कम हो। व्हाइट स्नीकर्स इस सीजन में सबसे ज्यादा ट्रेंड में रहते हैं, क्योंकि ये लगभग हर आउटफिट के साथ मैच कर जाते हैं। इसके अलावा, मेष फैब्रिक वाले स्नीकर्स बेहतर एयर सर्कुलेशन देते हैं। इन्हें कैजुअल आउटिंग, ट्रैवलिंग या डे-टू-डे यूज के लिए पहना जा सकता है।

स्पोर्ट्स शूज- अगर आप फिटनेस को प्राथमिकता देती हैं, तो स्पोर्ट्स शूज जरूरी हैं। वॉकिंग, रनिंग या जिम के लिए सही स्पोर्ट्स शूज चुनना बेहद जरूरी है। गर्मियों में ऐसे शूज चुनें, जिनमें वेंटिलेशन अच्छा हो और जो पसीने को सोख सकें। आजकल कई ब्रांड्स ऐसे स्पोर्ट्स शूज बना रहे हैं, जो हल्के होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी होते हैं, जिससे आप इन्हें कैजुअल लुक में भी पहन सकती हैं।

ध्यान रखने योग्य बातें

- गर्मियों में हमेशा हल्के और सॉफ्ट मटेरियल के फुटवियर चुनें।
- ऐसे फुटवियर पहनें, जिनमें हवा का संचार बना रहे, ताकि पसीना कम हो।
- बहुत टाइट या भारी फुटवियर से बचें, क्योंकि ये पैरों में दर्द और छाले पैदा कर सकते हैं।
- पैरों की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें और नियमित रूप से धोकर सुखाएं।
- लंबे समय तक बंद जूते पहनने से बचें और जरूरत पड़ने पर फुट पाउडर का इस्तेमाल करें।
- सही साइज का फुटवियर चुनना बेहद जरूरी है, न ज्यादा ढीला और न ज्यादा टाइट।

सही फुटवियर का चुनाव

गर्मी के मौसम में फुटवियर का सही चुनाव आपके पूरे दिन के आराम और आत्मविश्वास को प्रभावित करता है। स्टाइल के साथ-साथ कंफर्ट को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी है। हल्के, ब्रीदेबल और ट्रेंडी फुटवियर न केवल आपके लुक को बेहतर बनाते हैं, बल्कि आपके पैरों को भी स्वस्थ रखते हैं। इसलिए इस समर सीजन अपने फुटवियर कलेक्शन को अपडेट करें और ऐसे विकल्प चुनें, जो आपको हर कदम पर आराम और स्टाइल दोनों का एहसास कराएं।

फ्लिप-फ्लॉप और स्लाइड्स

घर या कैजुअल यूज के लिए फ्लिप-फ्लॉप और स्लाइड्स भी एक अच्छा विकल्प हैं। ये बेहद हल्के और आरामदायक होते हैं। खासकर बीच, ट्रैवल या घर के आसपास के कामों के लिए ये काफी उपयोगी रहते हैं। हालांकि इन्हें लंबे समय तक पहनने से बचना चाहिए, क्योंकि इनमें पैरों को पर्याप्त सपोर्ट नहीं मिलता, लेकिन छोटी दूरी या आराम के समय के लिए ये एक बेहतरीन चॉइस हैं।

हील्स

हील्स महिलाओं के फुटवियर कलेक्शन का अहम हिस्सा होती हैं। हालांकि गर्मियों में भारी और ऊंची हील्स से बचना चाहिए। इसके बजाय ब्लॉक हील्स, किटन हील्स या वेज हील्स बेहतर विकल्प होते हैं। ये न केवल स्टाइलिश लुक देती हैं, बल्कि पैरों को सपोर्ट भी प्रदान करती हैं। अगर आपको लंबे समय तक खड़े रहना होता है, तो लो-हील या मीडियम हील चुनें। साथ ही, कुशन बेस और सॉफ्ट सोल वाली हील्स पहनना ज्यादा आरामदायक रहता है। इन्हें ऑफिस, पार्टी या फॉर्मल इवेंट्स में कैरी किया जा सकता है।

बच्चों में डालें पुस्तक पढ़ने के संस्कार

डॉ. अनिल चौबे
शिक्षक

आज के डिजिटल दौर में, जहां मोबाइल, टीवी और सोशल मीडिया बच्चों का अधिकतर समय घेर लेते हैं, वहीं पढ़ने की आदत विकसित करना पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। पढ़ना केवल अच्छे अंक लाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह बच्चों की सोच, कल्पनाशक्ति और व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित करता है। एक अच्छी पढ़ने की आदत बच्चों को जीवनभर सीखते रहने की दिशा में प्रेरित करती है। पढ़ना शिक्षा की नींव माना जाता है। स्कूल के छात्रों के लिए इसके लाभ केवल अकादमिक प्रदर्शन तक सीमित नहीं हैं। नियमित पढ़ने से शब्दावली समृद्ध होती है, एकाग्रता बढ़ती है और सोचने-समझने की क्षमता विकसित होती है। यह बच्चों के अंदर नई कल्पनाओं को जन्म देता है और उन्हें दुनिया को अलग-अलग नजरिए से देखने का अवसर प्रदान करता है।

क्यों जरूरी है पढ़ने की आदत

नियमित पढ़ने से मानसिक तनाव कम होता है और मन को शांति मिलती है। इसके साथ ही यह बच्चों में सहानुभूति, विश्लेषणात्मक सोच और लेखन कौशल को विकसित करता है। यह उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करता है और जीवन में सफलता पाने की दिशा में आगे बढ़ाता है। पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए घर और स्कूल दोनों का सहयोग आवश्यक होता है।

ऐसे विकसित करें पढ़ने की आदत

नियमित दिनचर्या बनाएं : समय की मात्रा से अधिक महत्वपूर्ण है नियमितता। यदि रोज थोड़ा समय पढ़ने के लिए निकाला जाए, तो यह आदत धीरे-धीरे मजबूत हो जाती है। हर दिन एक निश्चित समय तय करें जैसे सोने से पहले, स्कूल के बाद या यात्रा के दौरान ताकि पढ़ना दिनचर्या का हिस्सा बन जाए। सुबह या रात में मोबाइल चलाने के बजाय किताब पढ़ने की आदत डालना ज्यादा फायदेमंद होता है।

- **सही सामग्री का चयन करें :** पढ़ना कभी बोझ नहीं लगना चाहिए। जब बच्चे अपनी पसंद की किताबें पढ़ते हैं, तो उनमें रुचि स्वत: बढ़ती है। उन्हें अपनी पसंद के विषय चुनने की स्वतंत्रता दें- जैसे कहानियां, कॉमिक्स, खेल, रहस्य या जीवनी। साथ ही, किताब का स्तर उनकी समझ के अनुसार होना चाहिए, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ पढ़ सकें।
- **अनुकूल वातावरण तैयार करें :** पढ़ने के लिए एक शांत, आरामदायक और अच्छी रोशनी वाली जगह होना जरूरी है। घर या कक्षा में एक छोटा सा "रीडिंग कॉर्नर" बनाया जा सकता है, जहां बच्चे आराम से बैठकर पढ़ सकें। यदि बच्चे अपने आसपास बड़ों को पढ़ते हुए देखते हैं, तो वे भी इस आदत को अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं।
- **सक्रिय पठन को बढ़ावा दें :** सिर्फ पढ़ना ही काफी नहीं है, बल्कि उसे समझना भी जरूरी है। बच्चों को पढ़ने के बाद कहानी का सार बताने, पात्रों की कल्पना करने और नए शब्दों को लिखने के लिए प्रेरित करें। इससे उनकी समझ और याद रखने की क्षमता बढ़ती है।
- **पढ़ाई को रोचक बनाएं :** पढ़ने को मजेदार बनाने के लिए इसमें गतिविधियां शामिल करें, जैसे- कहानी पर चर्चा, प्रश्नोत्तरी, रोल-प्ले या चित्र बनाना। इससे बच्चों की रुचि बनी रहती है और वे पढ़ने को एक आनंददायक अनुभव मानते हैं।
- **लक्ष्य तय करें और प्रोत्साहित करें :** छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करें, जैसे रोज एक अध्याय पढ़ना या हर सप्ताह एक किताब खत्म करना। बच्चों की उपलब्धियों की सराहना करें, ताकि उनका उत्साह बना रहे। इससे उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ता है।
- **रोजमर्रा की जिंदगी में पढ़ने को शामिल करें :** बच्चों को दैनिक जीवन में पढ़ने के अवसर दें- जैसे रेसिपी पढ़ना, गेम के नियम समझना या साइनबोर्ड पढ़ना। इससे वे समझते हैं कि पढ़ना केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन का जरूरी कौशल है।
- **पढ़ने के व्यापक लाभ :** पढ़ना बच्चों की कल्पनाशक्ति को बढ़ाता है और उन्हें रचनात्मक सोच के लिए प्रेरित करता है। यह भावनात्मक बुद्धिमत्ता को विकसित करता है, जिससे वे दूसरों की भावनाओं को समझ पाते हैं। पढ़ने से तनाव कम होता है और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है। साथ ही, यह भाषा कौशल को मजबूत करता है और कठिन विषयों को समझने में मदद करता है। पढ़ने की आदत बच्चों में जिज्ञासा पैदा करती है और उन्हें नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित करती है। यह अनुशासन और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को बढ़ाती है, जो जीवन के हर क्षेत्र में जरूरी है। नियमित अभ्यास से बच्चे धीरे-धीरे अपनी पढ़ने की क्षमता को विकसित करते हैं, बिना किसी दबाव के।

माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका

बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने में माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। यदि बच्चे अपने आसपास बड़ों को पढ़ते हुए देखते हैं, तो वे भी इस आदत को अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं। पढ़ने के बाद बच्चों से चर्चा करना, उनके विचार जानना और उन्हें प्रोत्साहित करना इस प्रक्रिया को और प्रभावी बनाता है। इसके अलावा, बच्चों को विभिन्न प्रकार की किताबें उपलब्ध कराना भी जरूरी है। पुस्तकालय, डिजिटल माध्यम और स्कूल संसाधन इस दिशा में मददगार साबित हो सकते हैं। छोटे-छोटे लक्ष्य तय करके बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

पढ़ने की आदत व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण में अहम भूमिका निभाती है। यह अवलोकन शक्ति को बढ़ाती है और विचारों को व्यवस्थित करने में मदद करती है। पढ़ने के माध्यम से बच्चे नई-नई जानकारी, विचार और अनुभव प्राप्त करते हैं, जो उनके जीवन को समृद्ध बनाते हैं। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जो धीरे-धीरे, लेकिन स्थायी रूप व्यक्ति को बेहतर बनाती है। छात्रों के लिए पढ़ने की अच्छी आदत विकसित करना उनके शैक्षणिक प्रदर्शन को सुधारने, ध्यान केंद्रित करने और भाषा कौशल को मजबूत करने का सबसे प्रभावी तरीका है। चाहे कोई छात्र स्वयं में सुधार करना चाहता हो या कोई अभिभावक या शिक्षक किसी बच्चे को मार्गदर्शन देना चाहता हो, कुछ सरल रणनीतियों के माध्यम से पढ़ने को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाया जा सकता है। वास्तविक जीवन के कई उदाहरण यह साबित करते हैं कि पढ़ने की एक छोटी सी आदत भी बड़े बदलाव ला सकती है। यह न केवल अच्छे अंक दिलाती है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाती है और जीवनभर सीखने की रुचि को बनाए रखती है। छोटे-छोटे पढ़ने के सत्र विशेष रूप से छोटे बच्चों के लिए प्रभावी होते हैं, क्योंकि उनका ध्यान लंबे समय तक केंद्रित नहीं रह पाता। ऐसे में थोड़े समय का नियमित अभ्यास भी बड़ा असर डाल सकता है।

मातृत्व : सृष्टि का शाश्वत आधार

मातृ दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि संवेदनाओं के उस विराट सागर को नमन करने का अवसर है, जिसकी गहराइयों में जीवन की प्रथम अनुभूति, प्रथम स्पंदन और प्रथम सीख संचित रहती है। 'मां' शब्द अपने आप में इतना व्यापक और अर्थगर्भित है कि उसके समक्ष समस्त भाषाएं स्वयं को सीमित अनुभव करती हैं। यह वह संबोधन है, जिसमें स्नेह की सरिता, त्याग का तप और करुणा का अक्षय स्रोत एक साथ प्रवाहित होते हैं।

मानव जीवन की यात्रा जब आरंभ होती है, तब वह पूर्णतः निर्भर, असहाय और अनजान होता है, किंतु मां अपने स्नेहिल स्पर्श, मधुर वाणी और अटूट विश्वास से उस नवजीवन को संबल प्रदान करती है। वह स्वयं कष्टों के पथ पर चलकर भी अपने शिशु के लिए सुख की राह प्रशस्त करती है। उसके त्याग का कोई लेखा-जोखा नहीं होता, न ही उसके प्रेम की कोई शर्त होती है। वह निःस्वार्थता की वह जीवंत प्रतिमा है, जो बिना किसी अपेक्षा के केवल देना जानती है।

डॉ. योगिता जोशी
शिक्षाविद् व साहित्यकार

समाज और संस्कृति के निर्माण में मां की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और आधारभूत है। वह केवल एक व्यक्ति का पालन-पोषण नहीं करती, बल्कि एक संस्कारवान नागरिक का निर्माण करती है। उसके द्वारा दिए गए मूल्य, नैतिकता और जीवन-दृष्टि ही आगे चलकर समाज की दिशा और दशा निर्धारित करते हैं। इस प्रकार, मां केवल परिवार की धुरी नहीं, अपितु राष्ट्र निर्माण की प्रथम आधारशिला भी है।

वर्तमान युग में, जब जीवन की गति अत्यंत तीव्र हो चुकी है और पारिवारिक संबंधों में औपचारिकता का पुट बढ़ता जा रहा है, ऐसे में मातृत्व का यह निष्कलुष स्वरूप और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। मां आज भी अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उसी समर्पण और धैर्य का परिचय देती है, चाहे वह गृहिणी हो या कार्यरत महिला। वह अपने दायित्वों के अनेक आयामों को संतुलित करते हुए परिवार और समाज के मध्य एक सशक्त सेतु का कार्य करती है।

मातृ दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि हम उस व्यक्तित्व के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करें, जिसकी उपस्थिति हमारे जीवन को सार्थक बनाती है। किंतु यह भी सत्य है कि मां के प्रति सम्मान और प्रेम किसी एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, यह तो जीवन के प्रत्येक क्षण में हमारे आचरण और विचारों में परिलक्षित होना चाहिए।

अंततः मां वह शाश्वत शक्ति है, जो सृष्टि के प्रत्येक रूप में विद्यमान है। वह सृजन की आधारशिला है, करुणा की पराकाष्ठा है और प्रेम की परिभाषा है। उसके चरणों में निहित आशीर्वाद ही जीवन को दिशा, उद्देश्य और पूर्णता प्रदान करता है। मातृ दिवस के इस पावन अवसर पर, प्रत्येक हृदय से यही स्वर प्रस्फुटित होना चाहिए कि मां के प्रति हमारा सम्मान केवल शब्दों में नहीं, बल्कि संपूर्ण हमारे जीवन में प्रतिबिंबित हो।

कच्चे आम का मीठा कैरी पाक

खाना खजाना

गर्मियों के मौसम में कच्चे आम का मीठा कैरी पाक (जैम) एक ऐसी पारंपरिक डिश है, जो स्वाद और सेहत दोनों का बेहतरीन संगम है। हल्की खटास और मिठास का यह संतुलन हर उम्र के लोगों को पसंद आता है। इसे बनाना बेहद आसान है और कम सामग्री में तैयार हो जाता है। ब्रेड, रोटी या पराठे के साथ इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। साथ ही, यह शरीर को ठंडक देने और लू से बचाने में भी सहायक माना जाता है।

सामग्री

- कच्चा आम-1 (पतला कटा या कद्दूकस किया हुआ)
- पानी-2 कप
- चीनी-स्वादानुसार
- इलायची पाउडर-आधा चम्मच
- वैकल्पिक : बादाम-पिस्ता की कतरन, भीगा हुआ केसर

हेल्थ मीटर

- कच्चा आम शरीर को ठंडक देता है।
- गर्मी में ऊर्जा बढ़ाने में मदद करता है।
- लू से बचाव में सहायक।
- पाचन के लिए लाभकारी।

नोट : इलायची और केसर की तासीर गर्मियों में शरीर को संतुलित रखती है और हल्की ठंडक भी प्रदान करती है।

बनाने की विधि

सबसे पहले कच्चे आम को पतला काट लें या कद्दूकस कर लें। एक पैन में 2 कप पानी उबालें और उसमें आम डालकर लगभग 2 मिनट तक चलाते हुए पकाएं। इसके बाद छलनी से आम को छान लें और पानी को अलग रख लें। अब उसी बचे हुए पानी को दोबारा उबालें, उसमें स्वादानुसार चीनी डालें और करीब 7 मिनट तक पकाएं। फिर इलायची पाउडर डालें। चाहें तो इसमें बादाम, पिस्ता और केसर भी मिला सकते हैं। अब उबला हुआ आम इस मिश्रण में डालकर 1 मिनट तक अच्छी तरह चलाएं। मिश्रण को लगभग आधे घंटे तक ठंडा होने दें। तैयार कैरी पाक को साफ जार में भर लें और ब्रेड या रोटी के साथ परोसें। इसे आप बाहर भी रख सकते हैं या फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं।

कहानी

बुआ

मां की याद उभरती-ख्वाबों की तरह। मैंने उसे कभी देखा नहीं, फिर भी उसकी याद को दिल में संजोए रहा हूं। बुआ के पास उसकी एक तस्वीर देखी है, जिसे देखने पर दिल में ख्वाब जाग उठते थे और मैं दुलार की कामना में खोने लगता था। मौसी जब बखेड़ा कर बैठती तब लगता कि मां होती तो यह होता ही क्यों, मौसी घर में आती ही क्यों? बापू दूसरी शादी करते ही क्यों। होनी को कौन टाल सकता है। मां मेरी तो मौसी आ गई। अपना भाग्य, दोष किसे दूं? मुझे तो अपना जीवन जीना ही था। मां के अभाव को बुआ ने महसूस नहीं होने दिया। फिर भी यह लगता ही था कि कहीं कुछ अधूरा है, वीरान है। कोई तड़प जगती और हम बुआ की गोद में मुंह घुसेड़कर रो दिया करते। मेरी मां बुआ को बहुत चाहती थी। उसकी मौत के समय मेरी उम्र एक माह की थी। भाभी के बच्चों को पालना ही बुआ ने अपना फर्ज समझा और ससुराल से अपना नाता सदा-सदा के लिए तोड़ लिया।

डॉ. सुरेश वशिष्ठ
साहित्यकार, नई दिल्ली

बड़ी दो बहनों की शादी मां के सामने हो गई थी। कौशल्या बची थी और एक मैं-जिसका बोझ बुआ के बेसहारा कंधों पर था। मौसी जब हमें लेकर कोहराम छेड़ती, तब बुआ अपनी गोद में हमें दुबका लेती और मौसी को भला-बुरा समझाती, परंतु वह थी कि समझती ही नहीं थी। बापू भी मौसी की ही तरफदारी करते थे। बुआ हमारे लिए उनसे कुछ लाने को कह देती तब मौसी बिफर उठती और हमें सौत का गोबर कहकर कोसा जाता था। बापू चुपचाप सब सुनते थे, लेकिन कहने को उनके पास कुछ नहीं होता था और न ही मौसी को उन्होंने कभी कुछ कहा। मौसी के दोनों बच्चे खूब उत्पात मचाते और खुलकर हंसते-खेलते, लेकिन हमारे कूदने और हंसने पर पाबंदी थी। पड़ोस के मनहर काका के घर हमें खुलकर हंसने और खेलने की आजादी थी। वह काकी भी हमें बहुत चाहती थी। यह काकी मेरी मां की सखी थी। बापू पहले ऐसे नहीं थे। मां को बहुत चाहते थे और हमें भी बेहद प्यार करते थे, लेकिन यह सब मां के सामने ही था। अब जाने क्यों वे हम सभी से दूर रहने लगे थे।

बुआ शादी के बीस वर्ष बाद भी मां नहीं बन पाई थी। शायद कुदरत को यही मंजूर था। यह भी उन्होंने सोच लिया था कि बीस वर्षों में जब औलाद पैदा नहीं हुई तो-अब कहां से होगी। फूफा दूसरी ब्याहता ले आए थे और उससे उन्हें चार बच्चे प्राप्त हुए। उनका घर-संसार बस गया। बुआ को यही बड़ी खुशी थी। अब शायद हमें ही पाल-पोसकर वह मां की जगह बैठना मुनासिब समझने लगी थीं।

हमें रुआंसी आती तो वह छाती में हमें दुबका लेती और कहती-"मैं मां ही तो हूं! पगला-बौरा गया क्या?" बुआ और हम सौतेली मां के मोहताज थे। हालांकि बुआ स्वयं भी कमाती थी और जुगाड़ नहीं हुआ, तो बड़ी बहनों की ससुराल खबर कर देती, परंतु हमें किसी चीज से निसारा नहीं रखती थी। लाली हमें लुभा-लुभा कर बाजार जाती थी। मौसी की इस लड़की को न जाने क्यों-हमें लुभाने में बड़ा मजा आता था। मौसी उसे प्यार करती दुलारती और हमें सुनाती हुई पैसे देकर बाजार भेजती। कहती-'कुछ लेकर खा लेना।' उस समय बुआ का मन-गमगीन होने लगता था। कुछ-कुछ बुनता-सा और सूरत रोनी-सी, कभी हमें लगता भी था कि वह रो रही है। कभी वह मौसी को समझाती- "परसी की बहू, बच्चों से यह भेद अच्छा नहीं। इन्हें भी कुछ ला दिया कर, खिला-पिला दिया कर! परसी का ही खून है, ऐसा दुराव ठीक नहीं।" तब मौसी होंठ बिचकाती और 'ऊहूं' कह कुढ़ पड़ती थी। हमें स्कूल पहुंचाकर बुआ निकट के ही गांव में, काम पर चली जाती थी। हमें कह कर जाती-"तुम्हारे लौटने तक आ जाऊंगी। स्कूल से सीधे घर आना, मौसी कुछ कहे तो जवाब नहीं देना। छींके पर रोटी रखी हैं-पूछकर खा लेना।"

बुआ काम से लौटकर पूछती- "खाना खाया?" तो हम झूठे ही हामी भर देते। कौशल्या कहने लगती- "देर से क्यों आती हो बुआ?" तब वह कहती-"किसी दिन काम देर तक होता है तो देर हो ही जाती है।" मौसी हंस पड़ती और आंखें नचाकर चिढ़ाती-"जनना तो रहा नहीं, पोसने चली है।...मालूम नहीं कहां-कहां मरती फिरती है।"

बुआ केवल घूरती-कुछ कहती नहीं। मां के मरने से ही बुआ को यह सब सुनना पड़ रहा था। काकी बताती है-" कभी तेरी मां ने बुआ को इतना नहीं कहा। इज्जत भी दी और सब्र भी।" और मेरी मौसी, उसे तो बुआ फूटी आंख भी नहीं सुहाती।

एक रोज मौसी और बुआ में जोरदार झगड़ा हुआ। मौसी ने हमारे गूदड़ फेंक दिए और बुआ को घर की कच्ची कोठरी में रहने को ढकेल दिया। बापू ने सब देखा पर अनजान बने रहे। तब के बाद हम वहीं रहने लगे। बुआ सुबह काम पर जाती और देर संध्या तक घर लौटती। जीजी घर का काम संभालती। स्कूल जाने तक और स्कूल से लौटने तक-सब काम निपटा लेती।

कच्ची कोठरी में हम पहले से सुखी थे। वहां आनंद ही आनंद था। अपना मन और अपनी खुशी थी। गरीब हुए तो क्या हुआ-खुलकर हंस तो सकते थे। रोने पर भी कोई पाबंदी नहीं थी। अब बुआ को भी हम पहले सी चुप-चुप और गमगीन नहीं देखते थे, लेकिन बुआ काम से थकी-थकी घर लौटती और नींद में कुहुलती थी। समय बीतता गया और जीजी ने दसवीं पास कर ली। तब, एक रोज-बड़ी जीजी व जीजाजी घर आए। उनके साथ दो औरतें भी थीं और एक पगड़बांध बुड्ढा भी। वह कौशल्या को देखने आए थे। बड़े जीजा के रिश्तेदार थे और उन्हीं के कहने से बुआ ने यह रिश्ता पक्का किया था। रिश्ता तय हुआ तो बुआ ने राहत की सांस ली। शादी की तारीख पक्की नहीं हुई थी, लेकिन बुआ बहुत प्रसन्न थी। मैं उस वक्त आठवीं में पढ़ रहा था। बुआ का स्वप्न जाग उठने को आतुर था। उसे राहत मिल रही थी कि अगले दो वर्ष में मुन्नू दसवीं पास कर लेगा। कहीं नौकर होगा तो राहत की सांस लूंगी। वह अब खामोश नहीं रहती थी, खूब चिहुंकती थी और खुश रहती थी। कहती थी- "साल-दो साल की मेहनत है, मुन्नू सब संभाल लेगा। सुख की नींद सोऊंगी और बहू से डटकर सेवा कराऊंगी। मेरा बेटा नौकर होगा तो घर भर को आराम देगा। बुढ़ापा आ गया है, अब आराम की सांस लूंगी। भाभी का कहा पूरा हुआ। मुझे सुख मिलेगा और उसकी आत्मा को शांति। परसी ने जो किया-वह भोगे। खैर! अब दिन ही कितने हैं?" जीजी आज दुल्हन बनी है। आंगन में मंगल-गीत गाए जा रहे हैं। औरतों ने जीजी को दुल्हन के रूप में इस कदर सजाया, मानो सुंदर चांद धरती पर उतर आया हो? ढोलक, थापी और नाच-आनंद! रस्म हुई और कौशल्या को डोली-सी सजी कार में लिए उसका दूल्हा अपने गांव उड़ गया। गांव भर ने जीजी को खूब कन्यादान दिया था। मौसी ब्याह में शामिल नहीं हुई और न ही उसने बापू को हम तक आने दिया। बापू की जगह मनहर काका ने पूरी की। विदाई के समय जीजी काका के गले लगकर जी-भर रोई थी। काका ने कहा था- "रो नहीं बेटी, जिनके पिता नहीं-वे अनब्याही नहीं रहतीं और तेरे पास तो काका है, बुआ है, बड़ी बहनें और भाई है। तू काहे रोती है।" पराया धन पराया हो गया। बुआ को जब कभी उसकी याद आती तो वह मुझे गोदी में दुबका लेती और बिस्तर में पड़ रहती। समय के साथ-साथ बुआ अब बुढ़ा गई थी। उसे चिंता थी- "जाने मेरे बाद मुन्नू का क्या होगा, कौन सम्भालेगा इसे? बुढ़ापा आ धमका, अब क्या भरोसा।" मैंने इसी साल मैट्रिक पास किया था। बड़े जीजाजी ने नगर पालिका में जुगाड़ देखा और मुझे नौकरी पर खड़ा कर दिया। बुआ को मानो कारू का खजाना मिल गया था। वह बड़े जीजाजी की तारीफ करती नहीं अघाती थी। वर्षों से जो स्वप्न देख रही थी, वह पूरा होने को था। मन से बुआ हिम्मत किए थी, किंतु तन बुढ़ा गया था। वैसे उसके बोलने, हंसने और चलने में चमक दिखाई देने लगी थी। अब यही तमन्ना बाकी थी कि 'मुन्नू का ब्याह रचा दूं और सुंदर-सी बहू मेरे आंगन में दिखाई दे।'

बापू के प्रति कभी-कभार उसका विक्षोभ फूट पड़ता था और वह न जाने उन्हें कितना कुछ कह जाती थी। मेरी मां को वह अब तक भुला नहीं पाई थी। मेरा वह इतना ख्याल रखती थी कि जरा-सा मुझे कुछ हुआ नहीं कि हिरनी-सी सहम जाती और अपने ही घर में बीमार-सी लगने लगती। मानो कोई खुशी उसके हाथों से निकली जा रही हो। मेरे बाहर जाने पर चिंतित हो उठती थी और मेरे लौटने तक फिक्र में ही कुढ़ती रहती। उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई- "क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यों नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?" मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुंचा। बुआ को आवाज दी। सन्नाटा और गहरा महसूस हुआ।

दीया जलाया तो देखा- लकड़ी के खंब से पीठ टिकाए बुआ मौन बैठी है। मन थर-थर कांपने लगा...कुछ शंका भी हुई। छूकर देखा-बुआ नहीं थी। बची थी सिर्फ माटी। सूखा तन-निढाल। आंखें दरवाजे पर लगी थीं, पूरी खुली हुई आंखें, मेरी ही बाट जोहती। हथेली से पलकों को मूंदा और बुआ की गोद में सिर रख फूट पड़ा। चीखने लगा मन। बुआ-बुआ पुकारता मैं तड़पने लगा था, लेकिन मेरी बुआ ने आंखें खोलकर एक बार भी मुझे नहीं देखा। बुआ कहूं या मां, जिसकी अर्थी को कंधों पर उठाए चल रहा हूं। पीछे रह गया बहनों का आंतर्नाद...मन के गह्वर में बुआ की जिंदा छवि उभर आई, जिसमें उसे कहते सुना- "मुन्नू सब संभाल लेगा...सुख की नींद सोऊंगी मैं...बहू से डटकर सेवा कराऊंगी।" मन चीख पड़ा- "बुआ!" लेकिन बुआ तो नहीं बोली।

काव्य

मां का आशीर्वाद

बचपन में मां ने उंगली थामी
और कहा
तुम मुस्कुराओ, पिता ने, अपने
कंधों पर बिठाया दिखाया मेलों
का उल्लास,
सबने सिखाया कि हंसना ही
जीवन है।

पर हम बड़े हुए तो हंसी की
शर्त रख दी,
हमने मुस्कुराहट को एक
इनाम बना दिया।

और सोचा जब ऊंची डिग्री
मिलेगी, तब हंसेंगे, जब बड़ा
शहर होगा, तब जिएंगे,
जब बैंक का खाता भरेगा, तभी
चैन की नींद सोएंगे।
हम भागते रहे एक क्षितिज की
ओर, यह सोचकर कि अगले
मोड़ पर 'सुख' खड़ा होगा।

पर वह मोड़ कभी आया ही
नहीं, क्योंकि सुख तो उस
रास्ते में था
जिसे हम 'तय' करने की
जल्दी में पीछे छोड़ आए।
हमने महंगे रेस्तरां में स्वाद
ढूंढा, पर भूख खो दी, एसी
कमरों में सुकून ढूंढा, पर नींद
खो दी।
अब आइने में खुद को देखते हैं
तो उस उम्र से इस उम्र के बीच
वही पुराना सवाल मिलता है
कि क्या हम वाकई खुश हुए?
और फिर एक दिन, हम भी
किसी छोटे के सिर पर
हाथ रखकर कहते हैं।

"जीते रहो, खुश रहो"
वही दुआ, वही आशीर्वाद,
जो हमने पाया तो था
पर शायद कभी 'जी' न सके।

उमा त्रिवेदी
लेखिका

मां

तेरा दामन पकड़ के ही, मां
चलना सीखा, तेरी ही आंख से
मां, मैंने दुनिया को देखा
तू ही है मां, मुझको दुनिया में
लाने वाली
तुझको वाणी कहूं, दुर्गा कहूं,
कहूं काली।
तेरी गोदी में मुझे, मिलती थी
सारी जन्नत,
तूने मेरे लिए, मांगी थी दर दर
पे मन्नत,
तेरे बिन मुझको मां, लगता है
जग सूना सूना,
कहीं भी न मिला तुमसा, ढूंढा
जग का कोना।
तेरे आशीष से, महका है मां
मेरा आंगन,
तेरे बिन कैसा जग मां और ये
कैसा जीवन।।
मेरा जीवन जगत में, है मां बस
तेरे कारण।
तेरे आशीष में शक्ति, बनूं मां
जग तारण।।
मुझमें नदियां मिलें, आशीष
की, बनूं सागर।
करदे किरपा मां, छलका दे
ज्ञान का सागर।।
उठा ले खड़ग एक बार फिर,
आजा मइया।
तेरी किरपा के बिन मां, डूबती
भारत नइया।।

दया शंकर मिश्र
निजी सचिव, एनसीआई

बदल गई है जिंदगी सिसकियों में

डर रही है वह कोर्ट, थाने
जाने से
बच रही है वह समाज के
ताने से
न जाने कैसे कैसे सवाल
करेंगे
सवालों के घेरे से एक बार
फिर
अस्मत को तार-तार करेंगे
समझते नहीं है जख्म की
गहराइयों को
बस उन्हें मतलब है खबर
की ऊंचाइयों से
पता है कोई कुछ नहीं करेगा
बड़े-बड़े लोग जल्द ही
केस को
ठंडे बस्ते में दफन करेगा
दफन करेगा उन अरमानों
को
कुचल देगा उन एहसासों को
कभी सोचा था उन्मुक्त
बादल बनूंगी
जोश और उम्मीद से
सफलता की ऊंचाइयों तक
पहुंचूंगी
बदल गई है जिंदगी
सिसकियों में
रात काली हो गई है।
दामन मैली हो गई है।
अब कुछ बचा नहीं है
जीने को
बस जहर है जिंदगी में
पीने को।

डॉ. शकीला कुमारी
सहायक प्राध्यापिका

लघुकथा

शक्ति-दंभ

वह स्वयं को शक्तिमान से कम नहीं समझता था। उसे अपनी शक्ति पर गर्व था, सो जिसे भी अपने से कमजोर समझता, उसका अपमान करता, जिसे चाहता उसे धमकाता। कोई उससे उलझने की हिम्मत न कर पाता। एक दिवस वह अपने घर के पास चहलकदमी कर रहा था कि सामने से एक लड़का आता दिखाई दिया। उसने उसे कमजोर समझकर पकड़ लिया तथा उस पर धौंस जमाने लगा। जैसे-तैसे वह लड़का उसकी पकड़ से बाहर हुआ और अपनी राह पकड़ी। शक्तिमान को अपनी शक्ति पर पुनः गर्व हुआ। कुछ ही दिन बीते होंगे। वह अपनी गली में साइकिल चला रहा था। उसने देखा कि वही लड़का आ रहा है, जिसे उसने धौंस देकर धमकाया था। उसने अपनी साइकिल उस लड़के के सम्मुख अड़ा दी और बोला- "तूने मेरे इलाके से गुजरने की हिम्मत कैसे की?" लड़के ने हिम्मत दिखाई, पहले तो उसकी साइकिल का हैंडिल पकड़ कर उसे गिराया, फिर उसको धकियाते हुए बोला-"आज तेरी पूरी दादागिरी निकालता हूं।" उसने उसके गालों पर थप्पड़ों की बौछार कर दी। इतने पर भी वह शांत नहीं हुआ, उसने उसकी साइकिल के दोनों पहियों की हवा निकाल दी। उसने कल्पना तक न की थी कि उसे इस प्रकार से उत्तर भी मिल सकता है। उससे कोई प्रतिरोध करते न बना। वह चुप था और शर्मसार भी।

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

किस्सा

लाइक-कमेंट

प्रीतम भाई आज जब सुबह वाक पर निकले तभी एक लघुकथा मस्तिष्क में हिट करने लगी। उसे बुनने में वे इतने मग्न हो गए कि लौटने का ध्यान ही नहीं रहा। अचानक एक ठोकर से वे वर्तमान में आए। देखा आज काफी लंबा निकल आए थे। वहीं से वापस हो लिए। लौटते वक्त तक समय हो चला था। सड़क की पटरियों पर चाय की भट्टियों से अब धुंआ उठने लगा था। दैनिक मजदूर काम धंधे के वास्ते मजदूर-मंडी की तरफ जा रहे थे। सूनी सड़कों पर चहलकदमी फिर से शुरू हो गई थी।

राजेश ओझा
गोण्डा

प्रीतम बाबू घर की तरफ चले जा रहे थे। नित्य इस समय तक घर पर चाय पी लेते थे। समय होने पर चाय की तलब जग उठी। तभी देखा सड़क-किनारे एक टपरी पर कुछ नगरपालिका स्तर के लोग अपनी पहली चाय के साथ अंतर्राष्ट्रीय राजनीति पर विमर्श कर रहे हैं। प्रीतम जी मुस्काए और चाय वाले से एक कुल्हड़ चाय का आर्डर करके एक बगल खड़े हो गए। अभी वे खड़े ही हुए थे कि पीछे से आवाज आई- "भई प्रधानमंत्री जी का तो जलवा है। भारत दिनों-दिन तरक्की पर है। सुना है हम अब दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था हैं।" "गलत नहीं सुना है आपने। हमारी शिक्षा-व्यवस्था अब इतनी सुदृढ़ है कि अब हम पुनः नालंदा और तक्षशिला का इतिहास दोहरा सकते हैं।" "सही है भई और सबसे बड़ी बात तो यह है कि हम अपने अधिकार और हक के लिए लड़ सकते हैं अब।" तभी एक बारह-चौदह वर्ष के बच्चे ने इस सर्द सुबह में स्वयं ठिठुरते हुए प्रीतम जी को गर्म चाय का कुल्हड़ पकड़ाया। प्रीतम जी अनायस पूछ बैठे- "बेटा! क्या नाम है तुम्हारा?"

"सूरज।"
"कितने वर्ष के हो?"
"पता नहीं।"
"स्कूल जाते हो?"
"नहीं।"

"मां-बाप कहां हैं तुम्हारे?" कहते हुए प्रीतम जी ने मोबाइल का कैमरा आन किया था।

बच्चा बुरा सा मुंह बनाकर बोला-"देखिए अंकल लाइक-कमेंट की हवस में आप मुझे फेसबुक पर दरिद्र बनाकर प्रस्तुत करोगे और वाह वाही लूटोगे। चुपचाप चाय पियो, पैसे दो और निकल लो। बालश्रमिकों पर संवेदना प्रकट करने यहां एक दो रोज आते हैं। प्रधानमंत्री जी का खुफिया-तंत्र अब इतना भी लचर नहीं है, लेकिन उनके पास देश के और तमाम बड़े काम हैं।" प्रीतम जी पीने कदमों से अब अपने घर की तरफ जा रहे थे।

समीक्षा

घनाक्षरी छंद

घनाक्षरी छंद का ऐसा कौन-सा प्रकार है, जिस पर आज के समय के श्रेष्ठ छंद शास्त्री गुरु सक्सेना जी की लेखनी न चली हो। काव्य-मंचों पर घनाक्षरी छंद को प्रतिष्ठा दिलाने में गुरु सक्सेना जी का अद्वितीय योगदान है। प्रकाशन के स्तर पर भी गुरु सक्सेना जी ने घनाक्षरी छंद को समृद्ध किया है। प्रस्तुत पुस्तक में गुरु जी की 203 घनाक्षरियां प्रकाशित हुई हैं।

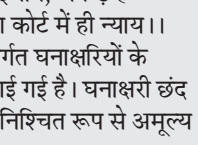

नाम- छंदम् शरणम् गच्छामि (घनाक्षरी संग्रह)
लेखक- गुरु सक्सेना
प्रकाशन- न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली
मूल्य : 225/-
समीक्षक : अशोक 'अंजुम'

पुस्तक की अनेक घनाक्षरियों में उनके प्रकार और प्रयुक्त अलंकार को रेखांकित किया गया है। "अवज्ञा अलंकार" का यह उदाहरण देखें- बच्चों के समान झूठ बोलना भी सीखा नहीं,
जब कहा तूने एक दम सच ही कहा।
लूटनीति, कूटनीति, फूटनीति सीखा नहीं, तुझ में तो सिर्फ कोरा राष्ट्र प्रेम ही बहा। गरीबों के काम आया किसी को न ठुकराया, जब जिंदगी भर को सेवा व्रत ही कहा। बेटा इतने के बाद कौन मूर्ख मान लेगा, मंत्री जी के साथ पांच साल तक तू रहा।

कृपाण घनाक्षरी का यह उदाहरण भी देख लें-
किया भारी अपराध कैसे छोड़ूं दम साध, उसे पुलिस न याद मेरा माथा चकराय। परिस्थिति कर नोट, लिखी पक्के में रिपोर्ट, घूमा कानूनी लंगोट, कोई नहीं है उपाय। छाया जनता में ताव, जले जुनूनी अलाव, नारे बाजी पथराव, थाना ही न जल जाय। मुझे पकड़े ईमान, जकड़े है संविधान, आप देवें समाधान, होगा कोर्ट में ही न्याय।।
पुस्तक के अंत में परिशिष्ट के अंतर्गत घनाक्षरियों के विभिन्न प्रकारों की पहचान भी बताई गई है। घनाक्षरी छंद के अध्येताओं के लिए यह पुस्तक निश्चित रूप से अमूल्य उपहार है।

व्यंग्य

छपासी पर चढ़ा व्यंग्य का भूत

एक समय था जब छपासी बाबू के कमजोर व्यंग्य-लेखन से केवल उनका परिवार ही संक्रमित था। घर वाले उनकी रचनाएं पढ़ते-सुनते इस कदर त्रस्त थे कि चाय की प्याली भी उन्हें व्यंग्यात्मक प्रतीत होने लगी थी। धीरे-धीरे यह संक्रमण फैमिली लाइफ, सोशल लाइफ (समाज) से सोशल मीडिया तक फैल गया। सोशल मीडिया पर मित्रों ने ओइजा बोर्ड की तरह पहले 'वाह-वाह, बहुत खूब, शानदार' की आड़ में व्यंग्य-आत्मा का आह्वान तो किया, लेकिन आलोचना के मंत्र से उस रूह को वापस भेजना भूल गए।

विनोद कुमार विक्की
व्यंग्यकार

धीरे-धीरे छपासी बाबू पर व्यंग्य की रूहानी शक्ति ने कब्जा जमाना शुरू कर दिया। परिणामतः बेचारे पाठक, छपासी बाबू के भीतर समा चुकी व्यंग्य-आत्मा के व्यंग्यातंक के शिकार होने लगे।

संपादक महोदय की अनुकंपा हो या स्वयंभू व्यंग्यकार घोषित होने की तीव्र लालसा-छपासी बाबू को व्यंग्य लिखने की ऐसी खुजली हुई कि वह अब चर्मरोग का स्थायी रूप ले चुकी थी। प्रतिदिन सुबह, दोपहर, शाम और देर रात वे व्यंग्य के नाम पर ऐसी रचनाएं परोसते, मानो पाठकों के दिमाग का 'भेजा फ्राई' ही उनका साहित्यिक लक्ष्य हो। परिणामस्वरूप पाठक समुदाय मानसिक रूप से दुर्बल पड़ने लगा।

अंततः पीड़ित पाठकों ने सामूहिक बैठक बुलाई और व्यंग्य-मठ के फादर, अर्थात् आलोचक महोदय के चरणों में जाकर अपनी व्यथा सुनाई। आलोचक ने अपना 'व्यंग्य-दर्शी उपकरण' उठाया और छपासी बाबू के सोशल मीडिया खाते का निरीक्षण किया।

दो-चार पोस्ट पढ़ते ही वे समझ गए-मामला गंभीर है, यह साधारण लेखन नहीं, व्यंग्य-प्रेत-बाधा है।
स्थिति की गंभीरता देखते हुए फादर ने 'राग दरबारी' नामक पवित्र ग्रंथ उनके मस्तक पर रखकर उच्चारण किया-
"इन द नेम ऑफ सटायरिस्ट, इन द नेम ऑफ सटायर,
इन द नेम ऑफ होली स्पिरिट बताओ, कौन हो तुम?"
छपासी धीरे से बोले-"मैं व्यंग्यकार हूं।" फिर फादर ने उनके कान में यूट्यूब पर उपलब्ध परसाई रचनावली का पाठ सुनाते हुए पूछा- "इन द नेम ऑफ सटायर, सच-सच बताओ, कौन हो तुम?"
छपासी गरजे-"मैं व्यंग्य लेखक हूं। अब क्या मुझे एसआईआर का प्रमाण देना पड़ेगा?"

फादर ने शांत स्वर में कहा-"पर तुम्हारी रचनाओं में व्यंग्य कहां है?"

छपासी मुस्कुराए-"मन की आंखों से पढ़िए, विशुद्ध, खांटी व्यंग्य दिखेगा।" आलोचक बोले-"सोशल मीडिया पर आपकी रचनाओं का थोक उत्पादन और प्रकाशन तो ठीक है, पर व्यंग्य का अंश हमें कभी दिखाई नहीं दिया।"
छपासी तर्क पर उतर आए-"अरे ओ व्यंग्यज्ञानी! हवा, भगवान और रूह भी तो दिखाई नहीं देते! तो क्या वे नहीं हैं? वैसे ही मेरी रचनाओं में व्यंग्य अदृश्य रूप से विद्यमान है।"

फादर ने अंतिम अस्त्र चलाया-"परसाई, जोशी, त्यागी-किस युग के व्यंग्यकार हो?"
छपासी गर्व से बोले-"हम तो हड़प्पा काल के व्यंग्यकार हैं।"
"तो अब तक कुछ लिखा क्यों नहीं?"
छपासी भड़क उठे-"अरे, इतना लिखा कि ढेर लग गया। जब तुम लोगों ने हड़प्पा कालीन लिपि को अपठनीय मान लिया, तो मेरी रचनाओं में व्यंग्य कैसे समझोगे?"
फादर (आलोचक) समझ गए-भूत बड़ा चंट है, आसानी से उतरने वाला नहीं। उन्होंने ढेर सारे ताबीज अभिमंत्रित कर पाठकों में बांट दिए।
पाठकों ने पूछा-"यह क्या है?"
फादर (समीक्षक) गंभीरता से बोले-"यह 'नजरअंदाज यंत्र' है। इसे धारण कर लो। जब तक छपासी बाबू पर व्यंग्य-प्रेत सवार है, यही एकमात्र बचाव है।"
तब से पाठक निश्चिंत हैं। निराकार व्यंग्य-आत्मा को अपने नश्वर शरीर में स्थायी निवास प्रमाणपत्र जारी करने वाले छपासी बाबू आज भी प्रतिदिन सोशल मीडिया और संपादकों की कृपा से व्यंग्य-जगत में तांडव मचा रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि अब पाठक 'नजरअंदाज यंत्र' पहनकर अपना साहित्यिक स्वास्थ्य सुरक्षित रखे हुए हैं।

गर्मी में ज्यादा पसीना आना क्या किसी बीमारी का संकेत

गर्मी के मौसम में पसीना आना शरीर की एक स्वाभाविक और जरूरी प्रक्रिया है। यह हमारे शरीर को ठंडा रखने, तापमान संतुलित करने और विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है। आमतौर पर जब तापमान बढ़ता है या हम शारीरिक मेहनत करते हैं, तब पसीना आना सामान्य माना जाता है, लेकिन अगर बिना किसी खास वजह के, ठंडे माहौल में या आराम करते समय भी बहुत ज्यादा पसीना आने लगे, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। शरीर कई बार छोटे-छोटे संकेतों के जरिए बड़ी समस्याओं की ओर इशारा करता है और अत्यधिक पसीना भी उन्हीं संकेतों में से एक है।

आजकल कई लोग ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जहां एयर कंडीशनर या ठंडे वातावरण में बैठने के बावजूद भी शरीर से लगातार पसीना आता रहता है। इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज करना सही नहीं है, क्योंकि विशेषज्ञों के अनुसार यह किसी अंदरूनी गड़बड़ी का संकेत हो सकता है। कई बार यह समस्या हाइपरहाइड्रोसिस से जुड़ी होती है, जिसमें स्वेद ग्रंथियां बिना जरूरत के भी सक्रिय रहती हैं। इसके अलावा हार्मोनल असंतुलन, थायरॉयड की समस्या, ब्लड शुगर में उतार-चढ़ाव या मानसिक तनाव जैसी स्थितियां भी इसका कारण बन सकती हैं। कुछ मामलों में दवाओं के साइड इफेक्ट या शरीर की ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम की गड़बड़ी भी अत्यधिक पसीने की वजह बनती है। खासकर अगर यह पसीना रात में ज्यादा आए या इसके साथ दिल की धड़कन तेज होना, घबराहट, वजन घटना या कमजोरी महसूस हो, तो इसे हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। इसलिए यह समझना बेहद जरूरी है कि पसीना कब शरीर की सामान्य प्रक्रिया है और कब यह किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का शुरुआती संकेत बन रहा है, ताकि समय रहते सही जांच और इलाज किया जा सके।

क्यों आता है पसीना

जब शरीर का तापमान बढ़ता है, तो स्वेद ग्रंथियां (स्वेट ग्लैंड्स) सक्रिय हो जाती हैं और पसीना निकालने लगती हैं। यह पसीना त्वचा की सतह से वाष्पित होकर शरीर को ठंडा करता है। यह प्रक्रिया शरीर को ओवरहीट होने से बचाती है और एक तरह से हमारी प्राकृतिक कूलिंग सिस्टम की तरह काम करती है। पसीने के जरिए शरीर से कुछ टॉक्सिन्स भी बाहर निकलते हैं और त्वचा के रोमछिद्र खुलते हैं। इसलिए सामान्य मात्रा में पसीना आना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है, लेकिन जब यह प्रक्रिया जरूरत से ज्यादा होने लगे, तो यह समस्या का संकेत हो सकती है।

क्या है ज्यादा पसीना आने की स्थिति

जब बिना गर्मी, मेहनत या किसी स्पष्ट कारण के शरीर से अत्यधिक पसीना निकलने लगे, तो इसे मेडिकल भाषा में हाइपरहाइड्रोसिस कहा जाता है। इस स्थिति में स्वेट ग्लैंड्स जरूरत से ज्यादा सक्रिय हो जाती हैं और लगातार पसीना निकालती रहती हैं।

हाइपरहाइड्रोसिस के प्रकार

प्राइमरी हाइपरहाइड्रोसिस : इसमें शरीर के कुछ हिस्सों जैसे हथेलियां, पैर, बगल या चेहरा ज्यादा पसीना छोड़ते हैं। यह अक्सर जेनेटिक कारणों से जुड़ा होता है।

सेकेंडरी हाइपरहाइड्रोसिस : इसमें पूरे शरीर में अत्यधिक पसीना आता है और यह किसी अन्य बीमारी या हार्मोनल असंतुलन के कारण होता है।

इन बीमारियों का हो सकता है संकेत

हृदय संबंधी समस्याएं

अगर अचानक ठंडा पसीना आए और उसके साथ सीने में दर्द या घबराहट हो, तो यह दिल की बीमारी का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

थायरॉयड की समस्या

अगर अचानक पसीना ज्यादा आने लगे, तो यह हाइपरथायरॉयडिज्म का संकेत हो सकता है। इसमें शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज हो जाता है, जिससे दिल की धड़कन बढ़ती है और ज्यादा पसीना आता है।

डायबिटीज (मधुमेह)

ब्लड शुगर का स्तर असंतुलित होने पर भी पसीना बढ़ सकता है। खासकर रात में पसीना आना डायबिटीज का शुरुआती संकेत हो सकता है। लो शुगर (हाइपोग्लाइसीमिया) में अचानक पसीना आना आम लक्षण है।

इंफेक्शन या बुखार

किसी भी प्रकार के संक्रमण या बुखार में शरीर तापमान नियंत्रित करने के लिए ज्यादा पसीना निकालता है। अगर बार-बार ऐसा हो रहा है, तो जांच कराना जरूरी है।

तनाव और एंग्जायटी

मानसिक तनाव, घबराहट या चिंता की स्थिति में शरीर में एड्रेनालिन हार्मोन बढ़ता है, जिससे पसीना ज्यादा आने लगता है। यह आमतौर पर हथेलियों, पैरों और चेहरे पर अधिक दिखाई देता है।

अन्य संभावित कारण

ज्यादा पसीना केवल इन बीमारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि कई अन्य स्थितियों में भी यह समस्या हो सकती है-

- मोटापा
- हार्मोनल बदलाव (जैसे प्रेग्नेंसी या मेनोपॉज)
- पार्किंसंस रोग
- रूमेटॉइड आर्थराइटिस
- लिम्फोमा (कैंसर का एक प्रकार)
- गाउट
- सांस संबंधी समस्याएं
- कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट

इन सभी स्थितियों में शरीर का संतुलन बिगड़ने के कारण पसीना ज्यादा आ सकता है।

लक्षण जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए

- बिना वजह बार-बार पसीना आना
- ठंडे माहौल में भी पसीना आना
- रात में अत्यधिक पसीना आना
- पसीने के साथ चक्कर, कमजोरी या घबराहट
- शरीर के एक हिस्से या पूरे शरीर में असामान्य पसीना
- ये सभी संकेत किसी अंदरूनी समस्या की ओर इशारा कर सकते हैं।

ऐसे करें नियंत्रण

- ज्यादा पसीना आने की समस्या को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।
- हल्के और सांस लेने योग्य (कॉटन) कपड़े पहनें।
- पर्याप्त पानी पिएं, ताकि शरीर हाइड्रेट रहे।
- मसालेदार और कैफीन युक्त चीजों का सेवन कम करें।
- तनाव को कम करने के लिए योग और ध्यान अपनाएं।
- नियमित रूप से नहाएं और शरीर को साफ रखें।
- जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह से एंटीपर्सपिरेंट या दवाएं लें।

कब करें डॉक्टर से संपर्क

अगर पसीना आपकी रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित कर रहा है या लेख में बताए गए लक्षणों के साथ दिखाई दे रहा है, तो इसे नजरअंदाज न करें। समय पर जांच कराने से बड़ी बीमारियों को शुरुआती अवस्था में ही पकड़ा जा सकता है। विशेष रूप से अगर पसीना अचानक बढ़ जाए, बिना कारण आए या लंबे समय तक बना रहे, तो डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

पसीना आना शरीर की एक जरूरी और फायदेमंद प्रक्रिया है, लेकिन इसकी मात्रा और समय पर ध्यान देना भी उतना ही जरूरी है। जहां सामान्य पसीना शरीर के लिए लाभकारी होता है, वहीं अत्यधिक पसीना किसी बीमारी का संकेत भी हो सकता है। इसलिए अगर आपको बिना वजह या जरूरत से ज्यादा पसीना आता है, तो इसे नजरअंदाज करने के बजाय समझदारी से काम लें। सही समय पर पहचान और इलाज से आप कई गंभीर समस्याओं से बच सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

इमोशनल ईटिंग बिगाड़ सकती है सेहत की सेटिंग

कुछ लोग भोजन को जीने के लिए आवश्यक मानते हैं, परंतु भोजन के लिए नहीं जीते यह दृष्टिकोण ही एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से अलग करता है। उनकी सोच किस तरह की है और वह अपने स्वास्थ्य और भोजन को किस तरीके से एक दूसरे से जोड़कर अपने आपको स्वस्थ रख पाते हैं। किसी के लिए भोजन इतना जरूरी होता है कि वह हमेशा हर दिन नए-नए तरह के भोजन को खाने के प्रति लालायित रहते हैं और घर पर भी स्वादिष्ट भोजन बनवाने पर जोर देते हैं। इसके अलावा भी बाहर भी जहां कहीं भी जाते हैं, तो जहां सबसे अच्छा भोजन मिलता है, उस जगह को ही पसंद करते हैं। यही नहीं जब घर पर आते हैं, तो हाथ में कुछ न कुछ लेकर ही घर वापस लौटते हैं।

इंदु सिंह
लेखिका

क्या है इमोशनल ईटिंग

अक्सर ऐसा देखा जाता है कि कुछ लोग स्ट्रेस और नेगेटिव इमोशंस से उबरने के लिए खाने को सबसे आसान और अच्छा जरिया मान बैठते हैं। ऐसी सिचुएशन में स्ट्रेस होते ही कुछ खाने की क्रेविंग होने लगती है। ऐसे में ऑनलाइन पिज्जा या जंक फूड ऑर्डर करते हैं या फिर फ्रीज में रखी आइसक्रीम चॉकलेट खंगालना शुरू कर देते हैं, लेकिन इतना सब कुछ खाने के बाद भी सेल्फ सेटिस्फेक्शन नहीं होता और सिर्फ पछतावे का दौर शुरू हो जाता है। दरअसल इसे ही इमोशनल ईटिंग कहते हैं। काम के तनाव से लेकर फाइनेंशियल क्राइसिस तक, हेल्थ के इशू से लेकर लगातार बिगड़ रहे रिश्तों तक, इनमें से कई इमोशनल ईटिंग के कारण हो सकते हैं।

इमोशनल ईटिंग की वजह

इमोशनल ईटिंग की कई वजह हो सकती हैं। कभी-कभी व्यक्ति बहुत अधिक बोर होने या फिर डिप्रेशन से घिरे होने पर भी भोजन के प्रति झुक जाता है और उसे समझ में नहीं आता कि वह इस स्थिति में क्या करे, तो भोजन करने लगता है। यदि आपको भी ऐसा ही महसूस होता है और आप अपनी भावनाओं के अधीन होकर अधिक भोजन करने लगते हैं, तब पहले तो इस स्थिति को समझने का प्रयास करें। क्योंकि एक स्वाभाविक भूख और किसी इमोशन के कारण होने वाली तीव्र इच्छा एकदम भिन्न होती है। यदि हमने इन दोनों में भेद करना सीख लिया तो भी हम अतिरिक्त या अनाप-शनाप खाने से बच सकते हैं। फिर भी यदि हमारा अपनी भावनाओं और सोच पर नियंत्रण नहीं और हम भोजन के प्रति उत्सुक हो रहे हैं, तब ऐसी स्थिति में अपनी इमोशनल ईटिंग को नियंत्रित करने के लिए हमें जब भी कभी किसी भी वजह से चाहे वह गुस्सा हो, अवसाद हो, चिंता हो, तनाव हो, खुशी हो या उदासी हो। हम यदि कुछ भी खाना-पीना पसंद कर रहे हैं, तो कम से कम यह देखने का प्रयास करें कि जो भी हम खाने जा रहे हैं, वह हमारी सेहत के लिए लाभप्रद हो। इस तरीके से हम अपनी इमोशनल ईटिंग को काफी हद तक स्वस्थ तरीके से नियंत्रित कर सकते हैं। यदि आप अपने आपको बहुत अधिक उदास या तनाव युक्त महसूस कर रहे हैं, तो ऐसी स्थिति में सबसे पहले अपने परिवार रिश्तेदारों या मित्रों के साथ अपनी उसे मानसिक स्थिति को साझा करें और उससे बातचीत करें तो इस तरीके से भी आपका ध्यान भोजन से हट सकता है। इसके अतिरिक्त आप यदि फिर भी अपने आपको नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं, तो कोशिश करें कि बाहर किसी गार्डन में जाकर घूमना शुरू कर दें या फिर किसी भी तरीके की शारीरिक क्रिया करने लगे। वर्तमान समय में सभी व्यक्तियों के जीवन में बहुत अधिक संघर्ष, तनाव और रिश्तो में परेशानियां हैं, जिनसे उबरने के लिए वह अक्सर, भोजन का सहारा लेने लगते हैं और बाद में बहुत पछताते हैं। यह अचानक होने वाली क्रेविंग बाद में उन्हें गिल्टी फील करवाती है, इसलिए इस पर काबू पाना बहुत जरूरी होता है। बाद में पछताने से अच्छा है कि हम शुरुआत में ही अपनी भूख को समझें कि यहां प्राकृतिक है या फिर इसके पीछे इमोशन से जुड़ी हुई कोई वजह है।

खाने का स्वभाव पर प्रभाव

लोगों के स्वभाव का प्रभाव भी भोजन पर पड़ता और भोजन से ही लोगों का स्वभाव भी बदलता है, तो भोजन और स्वभाव एक दूसरे के पूरक होते हैं। हम जैसा अनाज खाते हैं वैसा ही हमारे भीतर हमारा तन और मन भी निर्मित होता है, जिसके आधार पर आयुर्वेद में राजसिक, सात्विक और तामसिक भोजन श्रेणियां बनाई गई हैं। राजसी भोजन के अंतर्गत ऐसे भोजन को रखा गया है, जो कि मिर्च-मसालों और प्याज-लहसुन से युक्त होता एवं राजसी प्रवृत्ति के लोग खाना पसंद करते हैं। वही सात्विक भोजन साधु, संत, ऋषि, मुनि, महात्माओं को पसंदीदा होता है, जिसमें कम मसाले का सादा भोजन प्राथमिक होता है। इसी तरह तामसिक में मांसाहारी व विषम आहार आता है, जो तामसिक वृत्ति के लोगों को प्रिय होता है। यहां पर राजसिक, सात्विक और तामसिक केवल भोजन ही नहीं आदमी की प्रवृत्तियां भी बताई गई हैं। राजसिक भोजन करने वाले ज्यादातर राजसिक वृत्ति के होते हैं, तो सात्विक भोजन करने वाले सात्विक और तामसिक वाले तामसिक वृत्ति के माने जाते हैं। इस तरह भोजन का चुनाव हमारे स्वभाव और हमारी पसंद पर भी निर्भर करता है, तो किसी भोजन को पसंद करना और अनावश्यक रूप से उसे खाना दोनों में बहुत अंतर होता है। भोजन करना हम सबके लिए जरूरी है परंतु कब, कैसे और कितना भोजन करना यह सबको ज्ञात नहीं होता है। कुछ लोग खुशी, दु:ख, हंसी, रोना हर एक भाव को भोजन से जोड़कर देखते हैं। उनको यदि कोई भी शुभ समाचार प्राप्त हो, तो वह अपने परिवार और मित्र मंडली के साथ दावत का आयोजन करते हैं, जहां पर तरह-तरह के मिष्ठान और पकवान बनाकर सब लोग मिलकर खाते हैं। इसी तरह यदि परिवार में कोई गम या दु:ख का अवसर हो तब भी भोजन के बिना काम नहीं चलता है, तो इस तरह हम देखते हैं कि हमारे भीतर की भावनाओं का भी भोजन पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है।

भोजन और भावनाओं का संबंध

कुछ लोग इतने ज्यादा संवेदनशील और भावुक होते हैं कि वे यदि उदास हों या क्रोधित हों दोनों ही स्थितियों में बहुत अधिक खाना शुरू कर देते हैं, जिसे इमोशनल ईटिंग कहा जाता है, जिस पर खाने वाले का कोई भी नियंत्रण नहीं होता है। अतः इस तरीके की जो खाने की आदत होती है वह बहुत अधिक नुकसान पहुंचती है। जिस व्यक्ति का अपनी संवेदनाओं पर कोई भी नियंत्रण नहीं होता। वह उन संवेदनाओं के उतार-चढ़ाव से इतना अधिक प्रभावित होता है कि वह उसे भोजन के माध्यम से नियंत्रित करने का प्रयास करता है। इसलिए आपने देखा होगा कि जब कुछ लोग बहुत अधिक दु:खी होते हैं, तो वह ज्यादा भोजन करते हैं, वहीं उनकी खुशी भी उनको अत्यधिक भोजन करने से रोक नहीं पाती है। यह दोनों ही स्थितियां किसी के भी लिए सही नहीं हैं, क्योंकि इस दौरान किया गया अतिरिक्त भोजन उनके स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल भी सही नहीं होता है। हर स्थिति और परिस्थिति में यदि व्यक्ति अपने भोजन को संयमित और संतुलित रखें तब वह हमेशा स्वस्थ और प्रसन्न रह सकता है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष — इस सप्ताह आप मानसिक रूप से थोड़ा अस्थिर महसूस कर सकते हैं। कुछ योजनाएं तय समय पर पूरी न हो पाने से असहजता हो सकती है। कार्यस्थल पर दबाव महसूस होगा और ऊर्जा में उतार-चढ़ाव रहेगा। पुराने रोग फिर से उभर सकते हैं, खासकर पेट और रक्त संबंधी समस्याएं।

वृष — इस सप्ताह रुके हुए काम गति पकड़ेंगे और सामाजिक जीवन में सम्मान बढ़ेगा। घर-परिवार में सहयोग मिलेगा और आपकी ऊर्जा सकारात्मक रहेगी। आर्थिक दृष्टि से लाभ के संकेत हैं। प्रेम संबंधों में पहले की तुलना में अधिक भावनात्मक जुड़ाव महसूस होगा।

मिथुन — इस सप्ताह आपका मन स्थिर नहीं रहेगा। दूसरों की समस्याओं में उलझने से अपने काम पिछड़ सकते हैं। व्यापार में मंदी का असर हो सकता है और कोई गलत आर्थिक निर्णय नुकसान पहुंचा सकता है। विद्यार्थी वर्ग को एकाग्रता की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क — इस सप्ताह आपके लिए अच्छे अवसर दस्तक दे सकते हैं। बेरोजगारों को रोजगार और नौकरी में बदलाव चाहने वालों को बेहतर ऑफर मिल सकता है। धन संबंधी मामलों में राहत मिलेगी। पारिवारिक रिश्तों में सुधार होगा और प्रेम संबंधों में स्थायित्व आएगा।

सिंह — इस सप्ताह की शुरुआत में भावनात्मक तनाव रह सकता है। करीबी व्यक्ति से मतभेद हो सकते हैं, जिसे संवाद से सुलझाना जरूरी होगा। करियर में सावधानी बरतें और किसी भी तरह की लापरवाही से बचें। छात्रों को लक्ष्य पाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। छुपे शत्रुओं से सतर्क रहें।

कन्या — यह सप्ताह आपके लिए थोड़ा थकाने वाला हो सकता है। मौसमी बीमारियां या पुरानी समस्याएं उभर सकती हैं। कामकाज में मनचाही सफलता न मिलने से मन खिन्न रहेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें, खासकर उधार और निवेश से दूरी रखें। प्रेम संबंधों में अपेक्षा बढ़ने से टकराव हो सकता है।

तुला — इस सप्ताह अस्थिरता और खर्चों से बचना जरूरी होगा। सप्ताह की शुरुआत थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो सकती है। कार्यक्षेत्र में असहयोग और प्रतिस्पर्धा की स्थिति बनेगी। अचानक खर्चों से वित्तीय दबाव बढ़ सकता है। प्रेम और दांपत्य जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए खुलकर संवाद करें।

वृश्चिक — इस सप्ताह मजबूत इच्छाशक्ति से बड़ी कामयाबी संभव है। इस हफ्ते आप अपनी योजनाओं को बेहतरीन ढंग से अमल में ला सकते हैं। कामकाज में सफलता मिलेगी और नई जिम्मेदारियां आपको पहचान दिलाएंगी। व्यापार में भी लाभ के अच्छे संकेत हैं। रिश्तों में पहले से अधिक स्थायित्व और भावनात्मक जुड़ाव महसूस होगा।

धनु — इस सप्ताह की शुरुआत यात्राओं और कार्य संबंधी भागदौड़ से भरी रह सकती है। अपेक्षित लाभ न मिलने से निराशा हो सकती है। पढ़ाई या नौकरी में ध्यान भटक सकता है। प्रेम में नए रिश्ते बन सकते हैं, लेकिन सोच-समझकर आगे बढ़ें। पारिवारिक माहौल को संतुलित बनाए रखने के लिए विश्वास और विनम्रता जरूरी होगी।

मकर — इस सप्ताह करियर और धन दोनों में अनुकूलता रहेगी। सप्ताह आपके लिए शुभ रहेगा। अटके काम पूरे होंगे और नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। धन की स्थिति में सुधार होगा और संतान से जुड़ी कोई खुशखबरी मिल सकती है। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

कुंभ — इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में तालमेल बनाकर चलने में ही लाभ है। सप्ताह के शुरुआत में कामकाज में मनचाही सफलता नहीं मिलेगी, लेकिन धैर्य से हालात सुधर सकते हैं। व्यापारियों को भी शुरुआती दिनों में कम लाभ मिलेगा, लेकिन सप्ताह के अंत तक स्थितियां सुधरेंगी। प्रेम में भरोसा रखें, लेकिन हद से ज्यादा दखल से बचें।

मीन — इस सप्ताह की शुरुआत में आपको सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। जो कार्य आप लंबे समय से टाल रहे थे, अब पूरे हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। प्रेम और दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। विदेश यात्रा या उससे जुड़ी कोई शुभ सूचना भी मिल सकती है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 58

			10	17	3		
		11 22	2			27	
	25 15						14
3		2			7		
11					4	3	
15			16	13	17 4		
	31	7		4			
		17					

काकुरो 57 का हल

		10	15		3	18	
	5 4	2	3	11 7	2	9	
21	3	4	6	5	1	2	3
10	1	3	4	2	4 13	3	1
	3	1	2	11 7	5	4	2
		6	6 7	2	4		
	10	4	2	1	3		
	12	2	5	4	1		

अमृत विचार

बरेली , रविवार,10 मई 2026

बरेली देहात

शौर्य के प्रतीक महाराणा प्रताप की शोभा यात्रा निकाली

तहसीलों में मनाई गई महाराणा प्रताप की जयंती ,क्षत्रिय महासभा के लोगों ने चित्र पर माल्यार्पण कर पराक्रम को याद किया

संवाददाता, फरीदपुर

फरीदपुर में महाराणा प्रताप शोभा यात्रा में शामिल क्षत्रिय समाज के लोग।

आंवला में विभिन्न मार्गों से निकली शोभायात्रा में शामिल कार्यकर्ता । ● अमृत विचार

अमृत विचार : क्षत्रिय समाज ने शौर्य, पराक्रम और स्वाभिमान के प्रतीक धर्म रक्षक महाराणा प्रताप की जयंती पर शोभायात्रा निकाली। यह भारत माता मंदिर से स्टेशन रोड होते हुए मेन रोड से मोहल्ला शान्ति नगर स्थित ग्रांट हेरिटेज पर जाकर शोभा यात्रा संपन्न हुई।

शोभा यात्रा में ढोल नगाड़े आकर्षण का केंद्र रहे। शोभायात्रा का शुभारंभ एमएलसी कुंवर महाराज सिंह ने किया। इस अवसर पर क्षत्रिय महासभा के तहसील अध्यक्ष ओमेंद्र सिंह चौहान, देवेंद्र सिंह परमार, ठाकुर संजय सिंह, रविंद्र सिंह चौहान, अनुराग सिंह नीटू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष हिंदू युवा वाहिनी सिद्धराज सिंह, जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, सर्वेश्वर सिंह,ललित कुमार सिंह, दीपक ठाकुर , गौरव सिंह राठौड़, राजीव सिंह, रंजीत सिंह चौहान सभासद, अमित कुमार सिंह तोमर शिवराज सिंह तोमर, सुधीर सिंह सोलंकी, नरेश पाल सिंह तोमर, महिपाल सिंह चौहान, संजीव सिंह परमार, सत्येंद्र सिंह चौहान, संजय सिंह सोलंकी सल्लू प्रधान, अशोक कुमार सिंह प्रधान, अनिल सिंह सोलंकी, विजय सिंह तोमर, अजय सिंह राठौड़, संक्रान्ति सिंह, गोपाल सिंह, गोविंद सिंह, दिनेश सिंह तोमर, आदि मौजूद रहे।

चौबारी में मनाई जयंती: कैंट। चौबारी स्थित महाराणा प्रताप भवन में महाराणा प्रताप स्मारक ट्रस्ट के तत्वावधान में शनिवार को महाराणा प्रताप की जयंती धूमधाम से मनाई गई। ट्रस्ट भवन में स्थित छात्रावास में एक कक्ष में नौ बैड व अलमारी, तथा दूसरे कक्ष में डिजिटल लाइब्रेरी का लोकार्पण एमएलसी कुंवर महाराज सिंह के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट अध्यक्ष जयवीर सिंह तथा संचालन महासचिव ओंकार सिंह रघुवंशी द्वारा किया गया। इस दौरान सांसद छत्रपाल गंगवार, महापौर उमेश गौतम, आंवला भाजपा जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, भाजपा महिला मोर्चा की रंजना सोलंकी, एडीएम संतोष कुमार सिंह, अभय सिंह, धीरेंद्र राजवीर सिंह उर्फ धीरू,राकेश चौहान, रमेश चौहान, भूदान दाता मीरा चौहान, जय गोविंद सिंह, जिलाध्यक्ष सर्वेश्वर पाल सिंह समेत अन्य गणमान्य मौजूद रहे।,

आंवला: महाराणा प्रताप जयंती पर सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक आचार्य सनोज सिंह एवं संचालनकर्ता आचार्य पंकज सिंह रहे।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा. हरदीप सिंह एवं विद्यालय प्रधानाचार्य गवेन्द्र सिंह चौहान रहे। विद्यालय छात्र/छात्रा सपना , शरयु देवकर,दिव्या,श्रेया,किंजल ,राधिका पाराशरी , पारुल, निष्ठा ,अभिज्ञा, यशदीप ,अनुराग ,विशांत ,अखिलेश तथा दिव्यांशु ने महाराणा प्रताप के जीवन पर प्रकाश डालते हुए भाषण, कविता एवं देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए।

आंवला में भव्य शोभायात्रा निकाली गई : आंवला। महाराणा प्रताप की जयंती पर आंवला में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह व पालिका अध्यक्ष सैयद आबिद अली , प्रेमपाल सिंह सौलकी , रंजना सोलंकी , अलका सिंह ने महाराणा प्रताप के आदर्श पर चलने का आवाहन किया । कार्यक्रम के समापन के बाद नगर में शोभायात्रा भी निकाली गई । कार्यक्रम के आयोजकों में प्रवीण सिंह सभासद, नवीन सिंह, राजकुमार सिंह, भूपेंद्र सिंह, चंद्रभान सिंह एवं शैलेंद्र सिंह रहे। सभासद मधुसुदन सिंह ने अपने आवास पर शोभा यात्रा का स्वागत किया । इस अवसर पर क्यारा के ब्लॉक प्रमुख अरविंद चौहान, वजीरगंज के ब्लॉक प्रमुख शिवम प्रताप, योगेंद्र चौहान, आर्येंद्र चौहान, जय गोविंद सिंह, गोपाल सिंह, शिवकुमार सिंह, ओंकार सिंह, एम.पी. सिंह, सुखराम सिंह, रविंद्र सिंह, राजकमल चौहान, मोहित चौहान, राहुल अवनीश तिवारी, नितिन महाराज कठेरिया, पुष्पराज सिंह कठेरिया आदि रहे।

आंवला में महाराणा प्रताप द्वार का लोकार्पण

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री और एमएलसी का स्वागत किया गया। ● अमृत विचार

संवाददाता आंवला

अमृत विचार: नगर में महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा पर्यटन विभाग के माध्यम से जल्द स्थापित कराई जाएगी। यह बात कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कही। कहा स्टेशन रोड की सड़क का निर्माण 10 करोड़ रुपये की लागत से कराया जा रहा है।

मोहल्ला नगरिया सतन में शनिवार को महाराणा प्रताप द्वार एवं विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने 11 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का शिलान्यास और छह करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऋषिपाल सिंह ने की। नगर पालिका अध्यक्ष सैयद आबिद अली ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह, एमएलसी महाराज सिंह, एसडीएम विदुषी सिंह, सीओ नितिन कुमार, भाजपा कार्यकर्ता सभासद रहे।कार्यक्रम में ऋषिपाल सिंह ने किसानों के छुट्टा पशुओं की समस्या से परेशान होने की बात कही। जिलाध्यक्ष ने लोगों से महाराणा प्रताप के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। एमएलसी ने कहा कि विकास कार्यों में भेदभाव नहीं होना चाहिए।

फुफेरे बहनोई पर लगाया दुष्कर्म करने का आरोप

संवाददाता,नवाबगंज।

- नशीला पदार्थ पिलाकर वीडियो बनाकर लंबे समय तक ब्लैकमेल करने कीबात कही
- वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई बाद युवती का शोषण करने का आरोप

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती ने अपने फुफेरे बहनोई पर नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने और वीडियो बनाकर लंबे समय तक ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने कोतवाली पहुंचकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

बताया गया है कि पीलीभीत निवासी युवक का युवती के घर आना-जाना था। आरोप है कि एक दिन घर पर अन्य परिजन मौजूद नहीं थे। इसी दौरान युवक घर पहुंचा। युवती ने उसके लिए चाय बनाई और बिस्कुट लेने दुकान चली गई। आरोप है कि उसी दौरान युवक ने चाय में नशीला पदार्थ मिला दिया।पीड़िता के अनुसार चाय पीने के बाद वह बेहोश हो गई। होश आने पर उसे अपने साथ गलत होने का आभास हुआ। आरोप है कि युवक ने घटना का वीडियो भी बना लिया था। बाद में उसने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई बार युवती का शोषण किया। कुछ समय बाद जब परिजनों को मामले की जानकारी हुई तो उन्होंने 4 अप्रैल को युवती का निकाह गांव के ही एक युवक से करा दिया। ससुराल पहुंचने के कुछ दिन बाद युवती के पेट में दर्द होने पर परिजन उसे निजी चिकित्सक के पास ले गए, जहां जांच में उसके गर्भवती होने की बात सामने आई। शनिवार को युवती ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

विवाहिता का गला दबाकर जान से मारने का प्रयास

भमोरा,अमृत विचार :दहेज में बुलेट मोटरसाइकिल, एक लाख रुपये और सोने की चेन-अंगूठी की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को ससुराल पक्ष द्वारा लगातार प्रताड़ित करने पर विवाहिता चन्द्रवती ने पति गौरव राजपूत निवासी गांव लाहोरी समेत नौ लोगों के खिलाफ एसएसपी से शिकायतकी है। एसएचओ भमौरा ने बताया कि नौ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज, नवाबगंज,थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने अपनी 18 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए एक युवक के खिलाफ थाना नवाबगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पीड़िता की मां के अनुसार उसकी पुत्री 4 मई को अचानक घर से गायब हो गई महिला की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

शादी से 12 दिन पूर्व बारात लाने से किया इनकार

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार: वर पक्ष ने शादी से 12 दिन पहले मांग पूरी न होने पर बारात लाने से इनकार कर दिया। लड़की के परिजन शादी की सभी तैयारियां पूरी कर चुके हैं। रिश्तेदारों को कार्ड बांट चुके हैं। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कस्बे के मोहल्ला सरायखाम निवासी कैशर अली ने अपनी पुत्री की शादी गत दिनों फिरासत निवासी उदयपुर जैफरा देवरनिया के साथ तय की थी। पुलिस को दी तहरीर में कैशर अली ने कहा है उन्होने रिश्ता तय करते समय एक लाख रुपये नकद, सोने की अंगूठी एवं 16 लोगों को 1100-1100 रुपए दिए थे। मकान के ऊपर कमरा बनाने को लड़के को डेढ़ लाख रुपये दिए। बारात 21 मई को आनी थी। वे शादी की सभी तैयारियां पूरी कर रिश्तेदारों को कार्ड बांट चुके हैं। आरोप है गत दिनों लड़का और उसके परिजनों ने बुलेट और दो लाख रुपये नकद देने की मांग की। मना करने पर बारात लाने से मना कर रिश्ता तोड़ रहे हैं। कैशर अली की तहरीर पर पुलिस ने शुक्रवार के आरोपी फिरासत, पप्पू शाह, नन्हे शाह निवासी उदयपुर जैफरा देवरनियां, डॉ. सलीम निवासी जैड फरीदपुर एवं रिजवान निवासी खजुरिया थाना बहेड़ी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो बच्चों की मां प्रेमी के साथ फरार : क्योलडिया,थाना क्षेत्र के एक गांव के युवक की 35 वर्षीय पत्नी का उसके पड़ोस के ही दो बच्चों के पिता से प्रेम प्रसंग था। प्रेमिका के भी दो बच्चे हैं । 7 मई को प्रेमी अपनी प्रेमिका को फुसलाकर भगा ले गया। प्रेमिका अपने साथ तीन तोला सोना और चांदी के आभूषण ले गई है।

प्रशिक्षण में पहुंचे एमएलसी

भोजीपुरा, अमृत विचार : विकासखंड परिसर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत चल रहे 5 दिवसीय आजीविका मिशन सखी के आवासीय प्रशिक्षण के तृतीय दिवस पर पहुंचे विधान परिषद सदस्य बहोरन लाल मौर्या ने दीदियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में उनके द्वारा सभी प्रतिभागियों को समूह से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर जिला प्रशिक्षण अधिकारी सुनील कुमार वर्मा , डी आर पी तिलक मौर्य , सुनीता सिंह , राजेश कुमार गुप्ता एवं चार विकास खंडों से पहुंची 81 सखी दीदियों ने प्रतिभाग किया ।

सी.जी.एन. पी.जी. कॉलेज गोला गोकर्ण खीरी

निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय में स्नातक एवं परास्नातक स्तर सत्र 2026-27 की ऑनलाइन प्रवेश-प्रक्रिया हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण महाविद्यालय की वेबसाइट www.cgncollege.in पर उपलब्ध है। इच्छुक एजेंसियां सम्बन्धित कार्य हेतु दिनांक 08.05.2026 से एक सप्ताह के भीतर अपनी निविदा कार्यालय में उपलब्ध करायें।

(प्रो. पंकज सिंह) प्राचार्य — (चरनजीत कौर) प्रबन्धक

कार्यालय प्राचार्य, नेहरू मैमोरियल शिव नारायण दास (पी.जी.) कालेज, बदायूं

निविदा सूचना

ने.मे. शिव नारायण दास कॉलेज, बदायूं में विवरण पत्रिका प्रास्पैक्टस हेतु निम्न विवरण अनुसार दिनांक 16.05.2026 तक संख्या 3500 विवरण पत्रिका के मुद्रण हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

पेपर मैपलीथों 70 जी.एस.एम. ब्लैक एण्ड व्हाइट 40 पृष्ठ, कवर पेज आर्ट कार्ड 300 जी.एस.एम. मल्टी कलर लेमीनेशन तथा अन्दर रंगीन पृष्ठ आर्टपेपर 130 जी.एस.एम. 8 पृष्ठ, प्रवेश फार्म, पृष्ठ 1 दोनों साइड प्रिंटिड 70 जी.एस.एम. लीगर साइज, कार्ड शीट 18X22/16 आई कार्ड साइज 300 जी.एस.एम. तथा बुक साइज 21 एम.एम. X27.5

डा. आशीष कुमार सक्सेना प्राचार्य

कार्यालय नगर पंचायत उसावां-बदायूं

पत्रांक : 40/न.प.उसा./2026-27 दिनांक : 07.05.2026

विज्ञप्ति प्रकाशन

शासन द्वारा उत्तर प्रदेश पार्क, खेल के मैदान और खुली जगह (विनिमय और नियंत्रण) नियमावली 2025 लागू की गयी है। नियमावली के बिन्दु 4 में उल्लिखित ''पार्कों, खेल के मैदानों तथा खुली जगह की सूची की तैयारी (1) स्थानीय निकायों द्वारा अपनी-अपनी अधिकारिता क्षेत्र से सम्बन्धित पार्कों, खेल के मैदानों और खुली जगह के सम्बन्ध में सूची तैयार की जायेगी (2) सूची में पार्कों, खेल के मैदानों तथा खुली जगहों की वार्ड वारक्रम संख्या नाम, अवस्थिति, आकार/क्षेत्रफल तथा अन्य सुसंगत सूचनायें होगी। उक्त नियमावली के क्रियान्वयन हेतु नगर पंचायत उसावां, बदायूं की सीमान्तर्गत आने वाले पार्कों, खेल के मैदानों तथा खुली जगहों की सूची निम्न विवरण के अनुसार तैयार की गयी है। जिसका निम्नवत् है :-

क्र.सं.	वार्ड सं.	पार्क का नाम	अवस्थिति	क्षेत्रफल/आकार (ल.xचौ.)	अनुरक्षण सफाई सौन्दर्यीकरण आदि के लिए उठाये गये कदम
01	02	03	04	05	06
01	02	महात्मा बुध पार्क	अविकसित	0.5020(हे.)	आदर्श नगर पंचायत योजना के अन्तर्गत विकसित कराया जायेगा

अत: उपरोक्तानुसार पार्कों, खेल के मैदानों तथा खुली जगहों की सूची नियमावली के बिन्दु-5 में दी गयी व्यवस्थानुसार प्रकाशित की जा रही है तथा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विज्ञप्ति प्रकाशन के एक माह के अन्दर उक्त सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह पंचायत कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा और नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी।

अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत उसावां, बदायूं — अध्यक्ष, नगर पंचायत उसावां, बदायूं

सम्मन बनाम प्रतिवादी
व अदालत श्रीमान उपजिलाधिकारी न्यायिक, पीलीभीत
मुकदमा नं.-टी111242/2025 ई.

म ई. वादी खलील अहमद आदि बनाम राज्य सरकार बनाम 1. महरूनिशा पत्नी स्व. हफीज अहमद 2. मो. राशिद पुत्र स्व. हफीज अहमद 3. मो. साकिब पुत्र स्व. हफीज अहमद

समस्त नि.गण मो. मोहम्मद यार खाँ कस्बा न्यूरिया हुसैनपुर परगना, तह. व जि. पीलीभीत बाजैही कि आपके खिलाफ एक नालिश दफा 38(2)UPRC दायर की है अत: आप दिनांक 20 माह 05 सन् 2026 वबक्त बजे दिन असालतन या विकालतन या अन्य कोई शख्स जो वाकिफ हाल मुकदमा हो उक्त दिनांक पर अपनी जवाबदेही पेश करो या आपको लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला गवाहों को व नीज दस्तावेज जिनकी शहादत पर आप व ताईद अपनी जवाबदेही इस्तकदकाल करना चाहते हो पेश करो अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो उसकी समात आपकी गैर हाजिरी में आपके मसमूह फैसला होगा।

दिनांक 30 माह 04 सन् 2026 मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया।

उपजिलाधिकारी न्यायिक, पीलीभीत

सम्मन बनाम प्रतिवादी
व अदालत श्रीमान उपजिलाधिकारी न्यायिक, पीलीभीत
मुकदमा नं.-टी100681/2025 ई.

वादी खलील अहमद आदि बनाम राज्य सरकार बनाम 1. महरूमनिशा पत्नी स्व. हफीज अहमद 2. मो. राशिद पुत्र स्व. हफीज अहमद 3. मो. साकिब पुत्र स्व. हफीज अहमद समस्त नि.गण मो. मोहम्मद यार खां कस्बा न्यूरिया हुसैनपुर परगना, त. व जि. पीलीभीत

बाजैही कि आपके खिलाफ एक नालिश दफा 38(2) UPPC दायर की है अत: आप दिनांक 20 माह 05 सन् 2026 वबक्त बजे दिन असालतन या विकालतन या अन्य कोई शख्स जो वाकिफ हाल मुकदमा हो उक्त दिनांक पर अपनी जवाबदेही पेश करो या आपके लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला गवाहों को व नीज दस्तावेज जिनकी शहादत पर आप व ताईद अपनी जवाबदेही इस्तकदकाल करते चाहते हो पेश करो अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो उसकी समात आपकी गैर हाजिरी में आपके मसमूह फैसला होगा।

दिनांक 30 माह 04 सन् 2026 मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया।

उपजिलाधिकारी न्यायिक, पीलीभीत

प्रधान का कार्यकाल बढ़ाया जाए,ज्ञापन

आंवला, अमृत विचार: अखिल भारतीय प्रधान संगठन के ब्लॉक रामनगर इकाई ने कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह को ज्ञापन सौंपकर पंचायत चुनाव समय सीमा के भीतर कराने अथवा ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाने की मांग की।प्रधान संघ ब्लॉक रामनगर के अध्यक्ष राजबीर सिंह के नेतृत्व में ज्ञापन देने वालों में मुन्नी देवी, फरीन, बबली शर्मा तथा रतिभान सिंह आदि रहे।

रील बनाने गई किशोरी को युवक ने किया परेशान

संवाददाता, नवाबगंज

- एआई से रील को एडिट कर सोशल मीडिया पर डाला

अमृत विचार : थाना क्षेत्र की एक किशोरी ने गांव के युवक पर अभद्रता करने और बाद में उसकी रील को एआई तकनीक की मदद से एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

क्षेत्र की रहने वाली किशोरी 3 मई को अपने नाना के गांव मेहमानी में गई थी। 5 मई की शाम वह गांव के मंदिर की तरफ वीडियो बनाने जा रही थी। इसी दौरान गांव का एक युवक उसके पीछे लग गया।

युवक ने सुनसान स्थान पर उसे रोक लिया और अश्लील बातें करने लगा। किशोरी का हाथ पकड़कर गलत संबंध बनाने का दबाव भी डाला। किशोरी द्वारा विरोध और शोर मचाने पर आरोपी वहां से भाग निकला। पीड़िता का आरोप है कि जाते समय युवक ने उसकी बनाई गई वीडियो को एआई के जरिए एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी थी। आरोप है कि दो दिन पहले युवक ने उसकी रील को एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसमें आपत्तिजनक कमेंट और गले मिलने जैसे दृश्य दिखाए गए। इससे किशोरी मानसिक रूप से परेशान हो गई। शनिवार को पीड़िता कोतवाली पहुंची और आरोपी युवक के खिलाफ तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की।

मां की महानता का वर्णन जुबान से सम्भव नहीं

संवाददाता, बहेड़ी

मिशन एकेडमी में श्रुति गंगवार को स्मृति चिह्न दिया गया ।

अमृत विचार :मिशन एकेडमी इंटर कॉलेज में मदर्स डे धूमधाम से मनाया गया।कार्यक्रम का शुभारम्भ अर्बन कोआपरेटिव बैंक की चेयरमैन श्रुति गंगवार ने फीता काटकर किया। दीप प्रज्वलन के साथ बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हुए।मदर्स ने कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। मदर ऑफ़ मदर्स डे का खिताब गीता शर्मा ने जीता।

मुख्य अतिथि श्रुति गंगवार ने कहा कि मां के बिना दुनिया ही नहीं है। मां की महानता का वर्णन जुबान से कर पाना सम्भव नहीं। उन्होंने बच्चों से टेक्नोलॉजी के साथ मां से संस्कार सीखने की अपील की। कॉलेज के मैनेजर एमएस गंगवार ने कहा कि मां, सिर्फ जन्म देने वाली ही नहीं, बल्कि बच्चों को इंसान बनाने वाली और पहली गुरु भी है। कॉलेज के एमडी शेखर गंगवार ने कहा कि मां का स्थान सेर्वोपरि है, और उसकी जगह कोई नहीं ले सकता।

इस मौके पर बैलून स्केटिंग गेम में शमा ने जीत दर्ज की, जबकि बॉल ड्राप गेम में मीनाक्षी पहले स्थान पर रहीं। बैंक की चेयरमैन और कॉलेज प्रशासक ने विजेताओं को इनाम दिए।कार्यक्रम का संचालन जयति शर्मा और मुस्कान अलमा ने किया।कॉलेज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर वैभव गंगवार और प्रिंसिपल डॉक्टर प्रताप सिंह ने आभार जताया।

एसडीआरडी स्कूल में गीता बनी बेस्ट मदर

बहेड़ी- एसडीआरडी पब्लिक स्कूल में मदर्स डे को लेकर हुए कार्यक्रम में एनसी से क्लास थर्ड तक के बच्चों की माताओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। बच्चों ने नौ देवी स्वरुपों पर आधारित मनमोहक नृत्य पेश किया। छात्रा मिशिका और उसकी मां स्वाति मिश्रा ने यशोदा -कृष्ण पर शानदार प्रस्तुति दी। बेस्ट मदर का खिताब गीता को मिला। उनको ताज पहना कर सम्मानित किया गया।प्रबंध समिति की सदस्य किरण ज्योति ढींगरा और ज्योत्स्ना पिपलानी ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया।प्रिंसिपल नीलम सक्सेना ने सभी माताओं से जागरूक रहने और बच्चों को संस्कार देने की अपील की।

धूमधाम से मनाया गया मदर्स डे

भोजीपुरा, अमृत विचार : हांडा पब्लिक स्कूल में मदर्स डे के उपलक्ष्य में छात्र-छात्राओ ने रंगारंग कार्यक्रम किए । कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रबंधिका प्रवीन हांडा दीप प्रज्वलित कर किया । कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों की डॉ मीता गुप्ता , पूर्णिमा अनिल व श्याम कृष्णा ने बड़ी सराहना की। इस आयोजन मे विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रस्तुतीकरण बड़े उत्साह पूर्वक किया गया। अंत में डॉ पूर्णिमा अनिल व स्कूल एडवाइजर डॉ मीता गुप्ता ने मदर्स डे से संबंधित बहुमुल्य बातो को छात्र - छात्राओ से साझा किया। इस अवसर पर प्रवीण हांडा ने कर्मचारियों को उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन रंजीता मिश्रा व छात्र गार्गी गंगवार और अर्पिता यादव ने किया।

नन्हे हाथों ने रंगों से उकेरा मां का प्यार

रिठौरा, अमृत विचार : प्राथमिक विद्यालय खाता में मदर्स डे के उपलक्ष्य में एक भव्य कला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षिका चंदन सक्सेना के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने अपनी कूची और रंगों के माध्यम से मां के प्रति अपनी भावनाओं को कलाकृतियों के रूप में कागज पर उकेरा।

दोहना टोल पर रात में हुई चेकिंग

भोजीपुरा, अमृत विचार : नैनीताल हाईवे पर दोहना टोल प्लाजा पर एक विशेष ड्रिंक एंड ड्राइव चेकिंग अभियान चलाया गया। यातायात पुलिस और भोजीपुरा थाना पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अभियान चलाया गया। इस दौरान एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खां मौजूद रहे। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर चौपहिया और दोपहिया वाहनों को रोका। संदिग्ध वाहन चालकों की ब्रेथ एनालाइजर मशीन के जरिए जांच की गई। चेकिंग के दौरान शराब पीकर वाहन चलाते पाए गए 11 चालकों के चालान काटे गए।

ग्राम अध्यक्ष बनाएगी भाकियू

बहेड़ी,अमृत विचार :भाकियू जल्द ही ग्राम अध्यक्षों की नियुक्ति करेगी। बैठक में गन्ना मूल्य भुगतान न मिलने पर प्रतिनिधि मंडल का गठन किया, जिसे केसर मिल भेजा गया। मिल के सीईओ शरत मिश्रा ने किसानों से कहा कि मिल बिकने पर ही किसानों का पैसा मिलेगा। मिल की बिक्री की बात फिर शुरू हो गई है, और जल्द ही डील फ़ाइनल हो जाएगी।

कार्यालय नगर पंचायत खुदागंज जनपद शाहजहांपुर

पत्रांक: 40/न.पं.खुदा./निविदा सूचना/2026-27 दिनांक: 08.05.2026

निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारो को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत खुदागंज जनपद शाहजहांपुर में 15 वॉ वित्त आयोग एवं राज्य वित्त आयोग के अर्न्तगत प्राप्त धनराशि से कराये जाने वाले विकास कार्यो हेतु निविदा आमत्रिंत की जाती है।निविदा संबंधी नियम एवं शर्तो की जानकारी कार्यालय नगर पंचायत खुदागंज से किसी भी कार्य दिवस मे प्राप्त की जा सकती है।

क्र.सं.	योजना का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जी.एस.टी. सहित)	बिड सिक्योरिटी (इ.एम.डी.) 02 प्रतिशत	निविदा प्रपत्र का मूल्य जी.एस.टी. सहित (रू. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित
1	2	3	4	5	6	7
2.	15वां वित्त आयोग	02 स्थानों पर रेन वाट हार्वेस्टिंग का निर्माण कार्य	613674.62	12273.00	613.67+110.46 =724.00	01 माह
3.		मो. रामबाग वार्ड सं. 09 में पप्पू के मकान से पवन प्रताप के मकान तक इण्टरलॉक रोड व नाली निर्माण कार्य।	743460.43	14869.00	743.46+133.82 =877.00	01 माह
4.		मो. रामबाग वार्ड सं. 09 में धर्म पाल के मकान से महावीर के घर तक इण्टरलॉक उच्चीकरण व नाली निर्माण कार्य	577311.97	11586.00	579.31+104.27 =684.00	01 माह
5.		मो. हनुमान गली वार्ड सं. 08 में नीलू मास्टर के मकान से लाल के घर तक इण्टरलॉक रोड व नाली निर्माण कार्य।	720130.24	14403.00	720.13+129.62 =850.00	01 माह
6.	राज्य वित्त आयोग	नगर पंचायत कार्यालय के सामने मेन गेट का निर्माण कार्य।	217092.48	4342.00	217.09+39.07 =256.00	01 माह

1. निविदा सूचना में अंकित कार्यालय में बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि 09.05.2026 समय 10:00 बजे
2. निविदा प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि, समय व स्थान 30.05.2026 समय 11 बजे एवं जिलाधिकारी जनपद शाहजहांपुर
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 30.05.2026 समय अपरान्ह 12 बजे।

अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत खुदागंज, शाहजहांपुर

समय पाय फल होत है,
समय पाय झरि जाय
सदा रहे नहिं एक सी, का
रहीम पछिताए

रहीम दास कहते हैं, सब समय का खेल है। समय आने पर फल पकते हैं और समय आने पर झड़ भी जाते हैं। समय ही हालात को बदलता है। यानी समय सदा एक-सा नहीं रहता, इसलिए पछतावा करने का कोई मतलब नहीं है।

अमर ‘उपभोक्ता’ प्रकृति के विरुद्ध अपराध होगा

> लंबी आयु का अर्थ अनुभवों का विशाल भंडार भी है। यदि कोई मनीषी एक सौ पचास वर्ष जीता है, तो वह शोध को नई ऊंचाई दे सकता है, लेकिन क्या मानव मस्तिष्क एक शताब्दी से अधिक की स्मृतियों का बोझ सहने के लिए तैयार है? क्या हम विस्मृति जैसे विकारों के बिना इस दीर्घायु का आनंद ले पाएंगे? अक्सर पुरानी पीढ़ी नए विचारों का विरोध करती है। ऐसे में समाज का बौद्धिक जड़त्व बढ़ सकता है। पारिवारिक रिश्तों की मर्यादा भी इससे अछूती नहीं रहेगी।

अमर रहने की महत्वाकांक्षा पुरानी है। पुराणों में हजारों वर्ष जीने वाले पात्रों के उल्लेख हैं। वैदिक ऋषि अमृत्व प्राप्त करने की स्तुतियां करते थे। ‘असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योर्मा अमृतं गमय।’ में अमृत्व की प्यास का उल्लेख है। आधुनिक विश्व में सभी देशों के वैज्ञानिक मनुष्य शरीर की उम्र को रोकने की योजना पर काम कर रहे हैं। वृद्धावस्था में शरीर की कोशिकाओं का क्षरण होता है। इसी को रोकने के लिए तमाम शोध कार्य जारी हैं। इस बीच रूस से महत्वाकांक्षी सूचनाएं आ रही हैं। रूस मनुष्य शरीर की कोशिकाओं के क्षरण को रोकने पर शोध कर रहा है। सूचना के अनुसार रूस वृद्धावस्था को रोकने के शोध पर काम कर रहा है।

सितंबर 2025 में पुतिन और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने मनुष्य शरीर की उम्र 150 साल तक ले जाने की योजना पर शोध की बातें की थीं। पुतिन ने कहा था कि नियमित रूप से कोशिकाओं के क्षरण को रोककर स्वस्थ बने रहने पर वैज्ञानिक शोध संभव हैं। रूसी वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि वे वृद्धावस्था रोकने की विश्व की पहली एंटी एजिंग वैक्सीन पर काम कर रहे हैं। वृद्धावस्था कोशिकाओं के क्षरण का ही परिणाम होता है।

रूस के एक मंत्री डेनिस ने पिछले माह बताया है कि यह प्रायोजित उपचार रेज रिसेप्टर पर जोर देगा। वृद्धावस्था की स्वाभाविक प्रक्रिया को नियंत्रित कर कोशिकाओं को लंबे समय तक युवा बनाए रखा जा सकता है। उनका कहना है कि उनका लक्ष्य दुनिया की पहली जीनथेरेपी दवा बनाना है। इस परियोजना को इंस्टीट्यूट ऑफ एजिंग बायोलॉजी एंड मेडिसिन द्वारा विकसित किया जा रहा है।

रूस के उप प्रधानमंत्री ने कहा था कि रूस की योजना सन 2028 से 2030 के बीच एंटी एजिंग दवा का उत्पादन शुरू करने का है। रिपोर्ट में यह बात बताई गई है कि यह तकनीक अभी फिलहाल शोध की प्रक्रिया से गुजर रही है। इसका बजट 26 अरब डॉलर से भी ज्यादा है। उनका दावा है कि फिलहाल इस पर शोध जारी है। अगर यह सफल होता है, तो भविष्य में वृद्धावस्था अनिवार्य प्रक्रिया नहीं रहेगी। यह नियंत्रित की जाने वाली स्थिति बन सकती है।

यह एक आश्चर्यजनक शोध की दिशा में मनुष्य जाति का पहला नियोजित अभियान होगा। मनुष्य की आयु 150 वर्ष तक ले जाने की यह महत्वाकांक्षी योजना आश्चर्यजनक है। दीर्घायु होना सामान्य बात है, लेकिन पूरी आयु में स्वस्थ बने रहना वाकई बड़ी उपलब्धि होगी। ऋग्वेद में ‘जीवेत शरदः शतम्’ की प्रार्थनाएं हैं। सौ साल जीने की इच्छा पर्याप्त नहीं है, इसलिए आगे कहते हैं कि हम 100 वर्ष तक स्वस्थ रहें। दीन-हीन न रहें।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

इस संसार में बहुत सारे लोग 100 बरस या उससे ज्यादा का जीवन जीते हैं, लेकिन शरीर के क्षरण के कारण यह सभी कष्ट और दुख में रहते हैं, तो क्या यह शोध मनुष्य के सभी अंगों और सोच-विचार के तंत्र को स्वस्थ रखने का महत्वाकांक्षी अभियान बनेगा। इस शोध को लेकर बहुत प्रसन्न होने की आवश्यकता नहीं है। 80-90 वर्ष की आयु वाले वृद्ध परिवार की उपेक्षा के कष्ट भोगते हैं। परिजन बूढ़ों का ध्यान नहीं रखते। इस शोध की सफलता और असफलता पर तमाम तरह के विचार व्यक्त किए जा सकते हैं।

यह एक सांस्कृतिक समस्या है। दुनिया के सभी समाजों में अच्छे मानवीय संबंधों का आधार संस्कृति ही है। यहां जीवन को लंबा करने के प्रयास हैं, लेकिन इसके साथ ही दर्शन और विज्ञान काल की व्याख्या भी करता है। काल का पहिया घूम रहा है। हम सब काल रथ पर बैठे यात्री हैं। अथर्ववेद में भृगु ऋषि का सारवान वक्तव्य है- ‘कालरथ पर ज्ञानी ही बैठते हैं।’

मैं कालरथ को देख रहा हूं। उस रथ का घर्घर नाद भी सुनता हूं। वह प्रतिपल हमारे सामने से ही गुजरता है। मैं हाथ उठाता हूं। रुकने की प्रार्थना करता हूं। वह नहीं रुकता। मेरी परवाह नहीं करता। जानता हूं कालरथ में ज्ञानी ही बैठते हैं। हमारे लिए उस रथ में जगह नहीं हो सकती। क्या विज्ञान में काल की समस्या का कोई समाधान है? काल निर्वचन कठिन काम है।

हमारे ग्रंथों में ऋषियों की आयु 100 वर्ष बताई गई है, किंतु उनका मार्ग ‘बाहरी रसायनों’ का नहीं, बल्कि ‘भीतरी रूपांतरण’ का था। प्राणायाम की विधियां शरीर की जैविक घड़ी को नियंत्रित करने की प्राचीन तकनीकें थीं। वैज्ञानिक शोध अब मान रहे हैं कि गहरी और लंबी सांसें हमारे जीवन-सूत्रों की रक्षा करती हैं। ऋषियों ने बिना किसी भारी-भरकम वित्तीय सहायता के, केवल अंतर्मुखी होकर उस ‘अमृत तत्व’ को खोज लिया था।

प्राचीन भारत में ‘कायाकल्प’ की प्रक्रिया का वर्णन मिलता है, जहां विशेष जड़ी-बूटियों से वृद्ध शरीर को पुनः युवा किया जाता था। रूस का प्रयोग जहां अवरोधकों पर काम करता है, वहीं भारतीय पद्धति पंच तत्वों के संतुलन पर बल देती थी। यदि आधुनिक जीव-विज्ञान के साथ योग को जोड़ दिया जाए, तो दीर्घायु एक पूर्ण स्वास्थ्य का मार्ग बन सकती है।

लंबी आयु का अर्थ अनुभवों का विशाल भंडार भी है। यदि कोई मनीषी एक सौ पचास वर्ष जीता है, तो वह शोध को नई ऊंचाई दे सकता है, लेकिन क्या मानव मस्तिष्क एक शताब्दी से अधिक की स्मृतियों का बोझ सहने के लिए तैयार है? क्या हम विस्मृति जैसे विकारों के बिना इस दीर्घायु का आनंद ले पाएंगे? अक्सर पुरानी पीढ़ी नए विचारों का विरोध करती है। ऐसे में समाज का बौद्धिक जड़त्व बढ़ सकता है। पारिवारिक रिश्तों की मर्यादा भी इससे अछूती नहीं रहेगी। वैवाहिक संबंधों के स्थायित्व पर नए प्रश्न खड़े होंगे।

माता-पिता और संतान के बीच जब एक सौ वर्ष का अंतर होगा, तो संवाद लगभग समाप्त हो जाएगा। हम एक ऐसे अकेलेपन के युग में प्रवेश कर सकते हैं, जहां शरीर स्वस्थ होगा, पर मन एकाकी। संबंधों में जो ताजगी आज है, वह शायद इस दीर्घ जीवन में न बचे। मनुष्य का अस्तित्व उसके संबंधों से परिभाषित होता है। जब संबंध बोझ बनने लगें, तो लंबी आयु कारावास बन जाती है।

यह प्रयोग वैज्ञानिक जिज्ञासा की पराकाष्ठा है, किंतु इसे विवेक की कसौटी पर कसना अनिवार्य है। केवल आयु का बढ़ना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी गुणवत्ता महत्वपूर्ण है। जैसा कि हमारा दर्शन मानता है, ‘जीवेम शरदः शतम’ का अर्थ केवल सौ वर्ष जीना नहीं, बल्कि सौ वर्ष तक चैतन्य रहकर योगदान देना है।

रूस का यह शोध यदि मनुष्य को केवल एक अमर ‘उपभोक्ता’ बनाती है, तो यह प्रकृति के विरुद्ध अपराध होगा, लेकिन यदि यह वृद्धों को पीड़ा से मुक्त कर उन्हें पुनः सृजनशील बनाती है, तो यह विज्ञान का उपहार होगा। साफ बात है कि जीवन की सार्थकता उसकी लंबाई में नहीं होती है बल्कि यह उसकी गहराई और मर्यादा में निहित है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सपनों के शहरों में संघर्ष करती बस्तियां

भारत के तेजी से शहरीकरण करते परिदृश्य में एक तरफ चमचमाते मॉल, ऊंची इमारतें और स्मार्ट सिटी का सपना है, तो दूसरी ओर उन्हीं शहरों के भीतर ऐसी स्लम बस्तियां भी हैं, जहां जीवन आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष का दूसरा नाम बना हुआ है। शहरों की अर्थव्यवस्था को चलाने वाले यही प्रवासी मजदूर और उनके परिवार अक्सर उन बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं, जहां न साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था होती है, न पीने के स्वच्छ पानी की उपलब्धता। इन बस्तियों में केवल गरीबी और संघर्षों की कहानियां ही छिपी नहीं होती हैं, बल्कि सामाजिक असमानता, प्रशासनिक उपेक्षा और विकास के असंतुलित मॉडल का भी आईना होता है।

चंचल
एक्टिविस्ट

इन बस्तियों में साक्षरता की दर भी काफी कम होती है। यहां रहने वाले अधिकांश परिवार देश के तमाम हिस्सों और आसपास के छोटे शहरों से रोजगार की तलाश में आते हैं, जहां शहर ने उन्हें काम तो दिया, लेकिन सम्मानजनक जीवन नहीं। ऐसी बस्ती में गंदगी और जलभराव आम समस्या है। संकरी गलियों में कूड़े के ढेर, खुले नाले और दूषित जल स्रोत बीमारियों को खुला न्योता देते हैं। कई परिवारों को पीने के लिए साफ पानी तक नसीब नहीं होता, जिसके कारण डायरिया, टाइफाइड और त्वचा संबंधी बीमारियां आम हैं। स्वच्छ भारत अभियान जैसे प्रयासों के बावजूद इन बस्तियों तक सफाई की व्यवस्था प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पाई है।

> भारत के तेजी से शहरीकरण करते परिदृश्य में एक तरफ चमचमाते मॉल, ऊंची इमारतें और स्मार्ट सिटी का सपना है, तो दूसरी ओर उन्हीं शहरों के भीतर ऐसी स्लम बस्तियां भी हैं, जहां जीवन आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष का दूसरा नाम बना हुआ है।

भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार देश में लगभग 6.5 करोड़ लोग स्लम बस्तियों में रहते हैं, जो कुल शहरी आबादी का लगभग 17 प्रतिशत है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, इन बस्तियों में रहने वाले करीब 40 प्रतिशत लोगों के पास शुद्ध पेयजल की नियमित सुविधा नहीं है, जबकि लगभग 30 प्रतिशत परिवारों को शौचालय जैसी मूलभूत सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य संकट ही नहीं, बल्कि मानव गरिमा के लिए भी एक गंभीर चुनौती है।

इन समस्याओं के बीच सबसे अधिक प्रभावित होते हैं बच्चे। पलायन कर इन बस्तियों में रहने वाले परिवारों के पास अक्सर वैध दस्तावेज़ नहीं होते, जैसे कि आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र या जन्म प्रमाण पत्र। इसके अभाव में उनके बच्चों का स्कूल में दाखिला नहीं हो पाता। शिक्षा से वंचित ये बच्चे धीरे-धीरे गलत संगत में पड़ जाते हैं। कई बच्चे नशे की लत का शिकार हो जाते हैं या फिर बाल मजदूरी करने लगते हैं। सड़कों पर काम करते, कूड़ा बीनते या छोटे-मोटे ढाबों पर काम करते बच्चे हमारे समाज की उस सच्चाई को उजागर करते हैं, जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। विशेष रूप से किशोरियों की स्थिति और भी चिंताजनक है। शिक्षा के अभाव और सामाजिक दबाव के कारण इनकी कम उम्र में ही शादी कर दी जाती है। जल्द ही वे मातृत्व की जिम्मेदारी उठा लेती हैं, लेकिन पर्याप्त पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में वे कुपोषण का शिकार हो जाती हैं। (ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

जिम्मेदारियां उसे तोड़ नहीं पातीं

जब जीवन पहली बार ममता की छाया में सांस लेना सीखता है, तभी मां का अर्थ समझ आता है। मई के दूसरे रविवार पर आने वाला यह दिन मां के निःस्वार्थ प्रेम और अथाह त्याग का वह उजाला है, जिसमें हमारे अस्तित्व का सच्चा अर्थ साफ दिखाई देता है। भारत समेत अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में मई के दूसरे रविवार को मनाया जाने वाला मदर्स डे (मातृ दिवस) औपचारिक नहीं, उस मूल शक्ति का सम्मान है, जो हर जीवन की नींव है। मां वह दीप है, जो स्वयं जलकर अंधकार हरती है और वह आसमान है, जो हर तूफान समेट लेता है। सूरज बाद में उगता है, पर मां का स्नेह पहले ही रास्ता दिखा देता है, इसलिए यह दिन किसी रिश्ते का नहीं, उस दिव्यता का उत्सव है, जिसमें सृजन, संरक्षण और समर्पण एक साथ बसते हैं।

कृति जैन
लेखिका

जहां शब्द रुक जाते हैं और समझ की सीमाएं छोटी पड़ जाती हैं, वहीं मां के प्रेम की असली गहराई शुरू होती है। विज्ञान भले बहुत आगे बढ़ जाए, पर इस अनुभूति को पूरी तरह समझ नहीं पाता। गर्भ में शिशु की पहली हलचल के साथ ही मां के तन-मन में अद्भुत बदलाव आते हैं। ऑक्सीटोसिन जैसे हार्मोन उसे पीड़ा सहने की शक्ति देते हैं, पर यह सिर्फ शरीर का विज्ञान नहीं, आत्मा का स्पंदन है। रात-रात जागकर बच्चे की देखभाल करना, अपने हिस्से का भोजन त्याग देना— ये सामान्य नहीं, प्रेम की चरम अभिव्यक्ति हैं। भारतीय परंपरा में ‘माता’ वही है जो सहेजती है, संरक्षण देती है और स्वयं को समर्पित कर देती है। रामायण की कौशल्या से महाभारत की कुंती तक और आज की हर मां तक, यह त्याग और समर्पण की धारा अनवरत बहती रही है।

जब प्रेम अपनी अंतिम सीमा पार कर त्याग में ढल जाता है, तब मां की ममता इतिहास नहीं, अमर सत्य बन जाती है। 1952 के कोरिया युद्ध की वह घटना आज भी संवेदनाओं को झकझोर देती है, जब एक मां ने अपने नवजात को ठंड से बचाने के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। बर्फ से जमे पुल के नीचे जन्मे उस शिशु को जीवित रखने के लिए उसने अपने शरीर की आखिरी गर्मी तक उसे ओढ़ा दी। वर्षों बाद जब उस बेटे को यह सच्चाई पता चली, तो उसकी पीड़ा हर संवेदनशील मन में गूंज उठी। यह कोई कथा नहीं, मातृत्व का वह कठोर सच है, जहां मां खुद मिटकर भी जीवन बचा लेती है, इसलिए मां की कोई तुलना संभव नहीं— वह हर उपमा से परे है।

जब बाहरी जगमगाहट बढ़ती है और भीतर की गर्माहट कम होने लगती है, तब मां का मौन संघर्ष और गहरा हो जाता है। वह घर की सीमाओं से परे, समय और समाज के हर दबाव से लड़ते हुए बच्चों का भविष्य गढ़ती है। कभी अपने सपनों और करियर को पीछे रखकर, तो कभी बीमारी में भी मुस्कान के साथ वह हर जिम्मेदारी निभाती है। कठिन परिस्थितियों में भी बच्चों की सुरक्षा उसका अडिग संकल्प रहता है। वर्षों की मेहनत से उन्हें सफलता दिलाना और अपनी पीड़ा छुपाकर उनके सपने पूरे करना— यही मां की पहचान है। वह सच में ऐसी योद्धा है, जो बिना हथियार हर लड़ाई जीत लेती है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

बच्चों के लिए अनुशासन जुल्म न बन जाए

> माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा सफल बने। डांटना, टोकना, सीमाएं तय करना और गलतियों पर रोक लगाना पैरेंटिंग का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन समस्या तब शुरू होती है, जब अनुशासन सम्मान के साथ न होकर अपमान के साथ दिया जाने लगे।

कानपुर की एक अदालत की पांचवीं मंजिल से कूदकर जान देने वाले 24 वर्षीय प्रशिक्षु अधिवक्ता प्रियांशु श्रीवास्तव की मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया। मरने से पहले लिखे गए उनके सुसाइड नोट में आर्थिक संकट, प्रेम प्रसंग या करियर में असफलता का उल्लेख नहीं था। उसमें बार-बार बचपन से महसूस किए गए अपमान, भय, नियंत्रण और भावनात्मक घुटन का जिक्र था, जिसे उन्होंने अपने पिता की कठोरता से जोड़ा, हालांकि सुसाइड नोट में लिखी बातें व्यक्तिगत आरोप हैं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि जांच का विषय है, फिर भी यह घटना भारतीय पैरेंटिंग के उस चेहरे को सामने लाती है, जिस पर समाज लंबे समय से आंखें मूंदे बैठा है।

अनुशासन के नाम पर अपमान, नियंत्रण और डर को सामान्य मान लिया जाता है। यह घटना हमें मजबूर करती है कि हम पूछें— क्या हम अपने बच्चों को संवार रहे हैं, या अनजाने में तोड़ रहे हैं? हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा सफल बने, अनुशासित रहे और जीवन में भटके नहीं।

डांटना, टोकना, सीमाएं तय करना और गलतियों पर रोक लगाना पैरेंटिंग का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन समस्या तब शुरू होती है, जब अनुशासन सम्मान के साथ न होकर अपमान के साथ दिया जाने लगे। जब हर गलती पर चरित्र पर हमला हो, हर असहमति को बदतमीजी कहा जाए और हर निर्णय भय से मनवाया जाए, तब अनुशासन धीरे-धीरे जुल्म में बदल जाता है। सार्वजनिक रूप से बेइज्जत करना, लगातार शक करना, हर गतिविधि पर नियंत्रण रखना और भावनाओं को महत्वहीन बताना बच्चे को सुधारता नहीं, भीतर से कमजोर करता है।

राजेश जैन
वरिष्ठ पत्रकार

हमारे समाज में लंबे समय से यह धारणा रही है कि ‘मार-डांट से ही बच्चे बनते हैं।’ अनेक माता-पिता अपनी कठोरता को प्रेम और जिम्मेदारी का हिस्सा मानते हैं। उन्हें लगता है कि डर रहेगा, तो बच्चा अनुशासित रहेगा और गलत रास्ते पर नहीं जाएगा। कई बार वे गर्व से कहते हैं, 'हमने भी अपने मां-बाप से मार खाई है, तभी कुछ बन पाए हैं,' लेकिन यह तर्क इस तथ्य को नजरअंदाज कर देता है कि हर पीढ़ी की मानसिक और भावनात्मक जरूरतें अलग होती हैं। आज का बच्चा केवल आदेश नहीं, संवाद चाहता है; केवल नियंत्रण नहीं, सम्मान चाहता है।

लगातार डांट, ताने, तुलना और अपमान झेलने वाला बच्चा धीरे-धीरे अपना आत्मविश्वास खोने लगता है। उसे महसूस होने लगता है कि वह कभी पर्याप्त अच्छा नहीं हो पाएगा। वह हर समय गलती के डर में जीता है और अपनी स्वाभाविक अभिव्यक्ति दबाने लगता है। ऐसे बच्चे बाहर से आज्ञाकारी दिख सकते हैं, लेकिन भीतर से लगातार चिंता, आत्मसम्मान की कमी और भावनाओं को दबाकर रखने की प्रवृत्ति से जूझ रहे होते हैं। कुछ बच्चे विद्रोही बन जाते हैं, कुछ पूरी तरह चुप। सबसे खतरनाक स्थिति तब होती है, जब बच्चा अपनी पीड़ा व्यक्त करना ही बंद कर देता है।

भारतीय परिवारों में बच्चों पर करियर, विषय, जीवनशैली और यहां तक कि मित्र चुनने तक का दबाव असामान्य नहीं है। ‘हम तुमसे ज्यादा जानते हैं’, ‘तुम्हारे भले के लिए कह रहे हैं’— इन वाक्यों के पीछे कई बार बच्चे की व्यक्तिगत पहचान दब जाती है। हर बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर, वकील या अफसर नहीं बनना चाहता। हर बच्चा एक जैसी क्षमताओं और रुचियों के साथ पैदा नहीं होता। जब उसकी पसंद, क्षमता और व्यक्तित्व की अनदेखी कर सिर्फ अपेक्षाएं थोपी जाती हैं, तो वह अपने ही जीवन से कटने लगता है।

बहुत से माता-पिता यह मानते हैं कि लोगों के सामने डांटने से बच्चा सुधर जाएगा, जबकि मनोविज्ञान बताता है कि सार्वजनिक अपमान बच्चे के आत्मसम्मान पर गहरा प्रहार करता है। घर वह स्थान होना चाहिए, जहां बच्चा सबसे अधिक सुरक्षित महसूस करे। यदि वहीं उसे बार-बार बेइज्जती मिले, तो उसके लिए दुनिया में कोई सुरक्षित स्थान नहीं बचता। बच्चों की गलतियां सुधारी जानी चाहिए, लेकिन उनकी गरिमा तोड़े बिना। यह समझना भी जरूरी है कि अधिकतर कठोर माता-पिता अपने बच्चों से प्रेम करते हैं। वे चाहते हैं कि उनका बच्चा सफल बने, सुरक्षित रहे और जीवन में आगे बढ़े। समस्या उनके इरादों में नहीं, तरीकों में होती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

‘जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी’

माता का दर्जा कितना उच्चकोटि का है कि वाल्मीकि रामायण में ‘मित्राणि धन धान्यानि प्रजानां सम्मतानिव, जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी’ कहा गया है। अर्थात ‘मित्र, धन्य, धान्य आदि का संसार में बहुत अधिक सम्मान है, (किंतु) माता और मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर है।

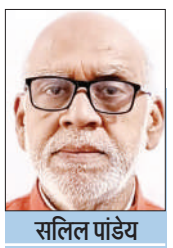

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

यहां जननी का स्थान तो स्पष्ट है कि जन्म देने वाली मां है, लेकिन जन्मभूमि से मतलब गांव या जिला या घर-द्वार नहीं बल्कि मां की कोख है, जिस कोख में शिशु को आकृति मिलती है। इस कोख रूपी भूमि में मां के रक्त-मज्ज़ा से नौ माह बाद शिशु जन्म लेता है। मां की कोख रूपी भूमि से विलग होते समय शिशु रोता है कि जिस भूमि में उसे मां की श्वासों से सुकून मिलता था, उससे वह वंचित होने जा रहा है।

सागर की अथाह गहराइयों जैसी होती है मां के हृदय की ममता की गहराइयां। मां की महत्ता पर धर्मग्रंथों से लेकर साहित्य ही नहीं, इतिहास के पन्ने भरे पड़े हैं। मां को ‘मातृदेवो भव’ कहकर भगवान के रूप में प्रथम स्थान दिया गया है। जब कभी ईश-वंदना होती है, तो ‘त्वमेव माता च पिता त्वमेव... त्वमेव सर्वं मम देवदेव’ श्लोक में माता को सर्वप्रथम स्थान दिया गया है। आदिगुरु शंकराचार्य ने ‘कुपुत्रो जायेत क्वचिदपि कुमाता न भवति’ श्लोक अंश में स्पष्ट कर दिया है कि कुपुत्र का होना संभव है, किंतु कहीं भी कुमाता नहीं होती।

धर्मग्रंथों में गोस्वामी तुलसीदास के रामचरितमानस में भगवान राम ने मां की महत्ता का दृष्टांत पेश किया है। जन्म लेते वे चतुर्भुजी नारायण के रूप में मां कौशल्या को ही दर्शन दिया। श्रीराम ने मां को चतुर्भुजी रूप में दर्शन दिया। श्रीराम को जब वनवास दे दिया गया और वे माता कौशल्या को बताने गए, ‘पिता दीन्ह मोहि कानन राजू, जहं सब भांति मोर बड़ काजू’ तो माता कौशल्या ने ‘जौं केवल पितु आयसु ताता, तौ जनि जाहु जानि बड़ि माता, जौं पितु मातु कहेउ बन जाना, तौ कानन सत अवध समाना’ चौपाई में माता कौशल्या ने कहा कि माता को बड़ी जानकर वन मत जाओ, लेकिन जब माता-पिता दोनों वन जाने को कहें तो वह तुम्हारे लिए वन सैकड़ों अयोध्या के समान है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

राजस्थान में गेहूं की खेती क्यों बनती जा रही महंगा सौदा

राजस्थान में गेहूं पैदा करना अब किसानों के लिए लगातार महंगा सौदा बन गया है। हालात ऐसे हैं कि एक तरफ खेती की लागत तेजी से बढ़ रही है और दूसरी तरफ किसानों की बचत उसी अनुपात में नहीं बढ़ पा रही। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के विपणन अनुमान 2025 के आंकड़ों से इस समस्या की गंभीरता साफ दिखाई देती है। बड़ा सवाल है कि निरंतर बढ़ती लागत को किसान कैसे और कब तक झेल पाएंगे?

आंकड़ों के मुताबिक राजस्थान में एक क्विंटल गेहूं पैदा करने की लागत करीब 1488 रुपये तक पहुंच चुकी है। वहीं पंजाब में यही लागत लगभग 905 रुपये है। यानी राजस्थान का किसान पंजाब के किसान की तुलना में करीब 64 प्रतिशत ज्यादा खर्च करके गेहूं उगा रहा है। यह सिर्फ आंकड़ों का अंतर नहीं है, बल्कि उन मुश्किल परिस्थितियों की हकीकत है, जिसे झेल कर राजस्थान का किसान खेती कर रहा है।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

देश में गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी सभी राज्यों के लिए एक समान तय किया जाता है। इस साल गेहूं का एमएसपी 2585 रुपये प्रति क्विंटल रखा गया है। सुनने में यह व्यवस्था बराबरी वाली लगती है, लेकिन समस्या इसलिए पैदा होती है, क्योंकि खेती की लागत हर राज्य में अलग-अलग है। पंजाब और हरियाणा में बेहतर सिंचाई व्यवस्था, मजबूत कृषि ढांचा और ज्यादा उत्पादन होने के कारण किसानों की लागत अपेक्षाकृत कम रहती है। वहीं राजस्थान का किसान कम पानी, महंगी सिंचाई और बढ़ती मजदूरी के बीच खेती करने को मजबूर है। ऐसे में समान एमएसपी होने के बावजूद उसकी वास्तविक बचत काफी कम रह जाती है।

राजस्थान में पानी की कमी खेती की सबसे बड़ी चुनौती है। प्रदेश के कई इलाकों में किसान पूरी तरह ट्यूबवेल और भूमिगत जल पर निर्भर हैं। भूजल लगातार नीचे जा रहा है और सिंचाई के लिए बिजली तथा डीजल पर खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। गेहूं को समय पर और कई बार सिंचाई चाहिए, बिजली और डीजल के खर्च के कारण यह सिंचाई स्वाभाविक रूप से यहां ज्यादा महंगी पड़ती है। इसके मुकाबले पंजाब में वर्षों से नहरों और भूजल आधारित सिंचाई का मजबूत नेटवर्क किसानों को राहत देता रहा है। श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों के ज्यादातर इलाकों में नहरों का जाल बिछा हुआ है, लेकिन यहां भी फसलों की जरूरत के समय नहर बंदी समस्या पैदा करती है।

खेती की लागत बढ़ने में मजदूरी भी बड़ा कारण बन रही है। पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान में कृषि मजदूरी तेजी से बढ़ी है। गांवों से मजदूरों का शहरों की ओर पलायन बढ़ने के कारण खेती के समय मजदूर आसानी से उपलब्ध नहीं होते। मजबूरन, किसानों को ज्यादा दिहाड़ी देकर मजदूर बुलाने पड़ते हैं। छोटे किसानों के लिए यह खर्च और ज्यादा भारी साबित होता है। मशीनों का खर्च भी लगातार बढ़ रहा है। ट्रैक्टर, कंबाइन और अन्य कृषि उपकरणों का किराया पहले की तुलना में काफी महंगा हो चुका है। डीजल के बढ़ते दामों ने इस बोझ को और बढ़ा दिया है। जिन किसानों के पास कम जमीन है, उनके लिए मशीनों की लागत उत्पादन के अनुपात में और ज्यादा पड़ती है।

यही वजह है कि सिर्फ गेहूं ही नहीं, बल्कि सरसों, चना और जौ जैसी फसलों की लागत भी लगातार ऊपर जा रही है। यहां यह उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार ने किसानों को राहत देने के लिए गेहूं पर 150 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देना शुरू किया है। यह कदम निश्चित रूप से सराहनीय है, क्योंकि इससे किसानों को कुछ आर्थिक सहारा मिलता है, लेकिन जिस तेजी से खेती की लागत बढ़ रही है, उसे देखते हुए यह राहत कम ही है। कई किसानों का मानना है कि सरकार को बोनस राशि बढ़ाने पर भी विचार करना चाहिए, ताकि उन्हें वास्तविक राहत मिल सके। केवल बोनस से समस्या का पूरा समाधान संभव नहीं है। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

शुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण के अवसर पर दोनों हाथ उठाकर जनता का अभिवादन करते नरेंद्र मोदी। 98 वर्ष के भाजपा कार्यकर्ता के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और शुभेंदु को शुभकामनाएं भी दीं। शपथ ग्रहण करते शुभेंदु अधिकारी और खुशी में झुम उठे सनातनी साधु और उपस्थित जन समुदाय।

कोलकाता में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप शपथ लेने वाले शुभेंदु अधिकारी का अंगवस्त्र भेंट करते उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ साथ में हैं अन्य भाजपा नेता। ● शुभंकर चक्रवर्ती

ममता बनर्जी की कुर्सी हटाई गई, नए मुख्यमंत्री के लिए अलग व्यवस्था

● बंगाल विधानसभा में बदला प्रोटोकॉल

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के साथ ही राज्य विधानसभा में प्रशासनिक और प्रतीकात्मक बदलावों का सिलसिला शुरू हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा पिछले 15 वर्षों से इस्तेमाल की जा रही लकड़ी की कुर्सी को मुख्यमंत्री कक्ष से हटाकर नेता प्रतिपक्ष के कमरे में स्थानांतरित कर दिया गया है। नवनियुक्त मुख्यमंत्री और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री की कुर्सी का उपयोग नहीं करेंगे। उनके लिए मुख्यमंत्री कार्यालय में एक नई और अलग कुर्सी की व्यवस्था की गई है। प्रशासनिक फेरबदल के तहत यह प्रक्रिया शुक्रवार रात को पूरी की गई।अधिकारियों के अनुसार, स्थापित प्रोटोकॉल के तहत नई सरकार के गठन के बाद पूर्व मुख्यमंत्री से जुड़े फर्नीचर और आधिकारिक चिह्नों को हटा दिया जाता है। जिस कमरे में अब बनर्जी की कुर्सी रखी गई है, उसका उपयोग विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा किया जाएगा। शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को ही प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है और नए प्रशासन की जरूरतों के अनुसार कार्यालय में आवश्यक सुधार किए जा रहे हैं।

मोदी और शाह ने तृणमूल कांग्रेस के हमलों के पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि

कहा-उनका साहस हम सभी के लिए हमेशा प्रेरणा और शक्ति का स्रोत बना रहेगा

कोलकाता, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने बीते कुछ वर्षों में तृणमूल कांग्रेस के हमलों में मारे गए सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं को शनिवार को श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनके बलिदान को शक्ति के स्रोत के रूप में याद किया जाएगा।

'ब्रिगेड परेड ग्राउंड' में मंच के पास भाजपा के उन कार्यकर्ताओं की याद में एक अस्थायी स्मारक बनाया गया, जिनकी हत्या कर दी गई थी। इसी मैदान पर शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नयी सरकार ने शपथ ली। स्मारक में एक बड़े 'बोर्ड' पर 'शहीदों' के नाम और उनके जिले लिखे गए थे। मोदी ने अपने 'एक्स' हैंडल पर स्मारक की तस्वीर साझा करते हुए कहा कि साहसी भाजपा कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि! उन्होंने कहा कि उनका त्याग पार्टी की यात्रा में सदैव अमिट रूप से अंकित रहेगा। उनका साहस हम सभी के लिए हमेशा प्रेरणा और शक्ति का स्रोत बना रहेगा।

शाह ने भी कहा कि यह स्मारक शपथ ग्रहण समारोह स्थल पर उपस्थित प्रत्येक कार्यकर्ता के हृदय में गहरी भावनाएं जगा रहा है। 'एक्स' पर पोस्ट किया कि उन पुण्यात्माओं का त्याग, संघर्ष और बलिदान आज सार्थक होने जा रहा है।

शुभेंदु ने की राज्य की कानून-व्यवस्था की समीक्षा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव दुष्यंत नरियाला, पुलिस महानिदेशक सिद्धनाथ गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। सूत्रों के अनुसार, बैठक में कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद भी उपस्थित थे। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री शुभेंदु ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के संचालन के बारे में भी जानकारी ली और मुख्य सचिव को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि योजनाएं बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से जारी रहें।

20 जून को मनाएंगे 'बंगाल दिवस'

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार 'पश्चिम बंगाल दिवस' 20 जून को मनाने का प्रस्ताव रखेगी। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल दिवस के लिए 'पोइला बैशाख' का दिन चुना था। शुभेंदु ने पत्रकारों से कहा कि यह तिथि 1947 में पश्चिम बंगाल के भारत में शामिल होने के ऐतिहासिक निर्णय की प्रतीक है।

चंद्रनाथ रथ हत्याकांड: हमलावरों को पहले से पता थी कार में नेता की सटीक लोकेशन

कोलकाता, एजेंसी। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) को अहम सुराग मिले हैं। जाँचकर्ताओं के अनुसार, हमलावरों को पहले से ही इस बात की सटीक जानकारी थी कि कार के भीतर रथ किस सीट पर बैठे हैं। इसी जानकारी के आधार पर बुधवार रात उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम में व्यस्त सड़क पर उन्हें निशाना बनाया गया।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि हत्या के सिलसिले में अब तक तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, हालांकि अभी तक औपचारिक गिरफ्तारी नहीं हुई है। एसआईटी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हमला पेशेवर अंदाज में किया गया था और शुरुआती जांच से संकेत मिलते हैं कि इसमें इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल राज्य के बाहर से लाई गई थी।एसआईटी फिलहाल घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। पुलिस इस मामले में राजनीतिक रंजिश और व्यक्तिगत दुश्मनी सहित सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है।

भाजपा के खिलाफ संयुक्त मंच बनाएं विपक्षी : ममता

गुरुदेव रविन्द्र नाथ टैगोर के चित्र के समक्ष प्रार्थना करतीं निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने शनिवार को सभी विपक्षी दलों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुकाबला करने के लिए एक 'संयुक्त मंच' बनाने की अपील की है। पूर्व मुख्यमंत्री का यह बयान पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दिन आया है।बनर्जी ने वामपंथी और धुर-वामपंथी दलों सहित सभी विपक्षी संगठनों, छात्र संघों और गैर सरकारी संगठनों से एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य की नई सत्ता संरचना के खिलाफ वैचारिक रूप से लड़ने के लिए एक साझा मंच की आवश्यकता है।

लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि होंगे अगले सीडीएस

नई दिल्ली, एजेंसी। लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि को देश का नया प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) नियुक्त किया गया है और उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती उस महत्वाकांक्षी 'थिएटराइजेशन' योजना को लागू करने की होगी, जिसका मकसद तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है। सुब्रमणि, जनरल अनिल चौहान का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 मई को समाप्त हो रहा है। फिलहाल राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत ले. जनरल सुब्रमणि को पाकिस्तान और चीन मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है। वह पिछले साल 31 जुलाई को थलसेना उपप्रमुख के पद से सेवानिवृत्त हुए थे।

वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन अगले नौसेना प्रमुख नियुक्त

नई दिल्ली। वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को शनिवार को भारत का अगला नौसेना प्रमुख नियुक्त किया गया। वह एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी का स्थान लेंगे जो 31 मई को सेवानिवृत्त होंगे। स्वामीनाथन फिलहाल पश्चिमी नौसेना कमान के 'फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ' के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। नौसेना प्रमुख के रूप में उनका ध्यान सैन्यबल के जारी आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने पर केंद्रित रहने की संभावना है। फ्लैग ऑफिसर एक जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में शामिल हुए थे।

हंटावायरस नियंत्रण योग्य, लंबे और निकट संपर्क से ही फैलता है संक्रमण : डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने क्रूज जहाज पर फैले हंटावायरस के मौजूदा प्रकोप को 'नियंत्रण योग्य' बताया है। एक समाचार एजेंसी से बातचीत में उन्होंने स्पष्ट किया कि हंटावायरस कोविड-19, खसरा या इन्फ्लूएंजा की तरह अत्यधिक संक्रामक नहीं है, क्योंकि इसके प्रसार के लिए लंबे समय तक निकट संपर्क की आवश्यकता होती है। डॉ. स्वामीनाथन ने बताया कि मौजूदा स्ट्रेन संभवतः एकमात्र ज्ञात हंटावायरस है जो मनुष्य से मनुष्य में फैल सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह वायरस लार, रक्त और वीर्य जैसे जैविक नमूनों में पाया गया है, लेकिन इसे यौन संचारित संक्रमण की श्रेणी में नहीं रखा गया है।

भारत में संसद नहीं, संविधान सर्वोच्च है: पूर्व मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी. आर. गवई ने शनिवार को कहा कि भारतीय संवैधानिक व्यवस्था में संसद या कोई अन्य संस्था सर्वोच्च नहीं है, बल्कि केवल संविधान सर्वोच्च है। कोलंबो विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''19वें सुजाता जयवर्धना स्मृति व्याख्यान'' को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने स्पष्ट किया कि संवैधानिक लोकतंत्र किसी एक सत्ता केंद्र के इर्द-गिर्द केंद्रित नहीं होता है।उन्होंने जोर देकर कहा कि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में से कोई भी संस्था असीमित अधिकारों का प्रयोग नहीं कर सकती। इन तीनों को अपने अधिकार संविधान से ही प्राप्त होते हैं और ये तीनों ही इसकी सीमाओं से बंधे हुए हैं। संविधान सभा में डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा दिए गए भाषण का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक संस्था का अपना विशिष्ट कार्यक्षेत्र है, जहाँ वह केवल संविधान द्वारा निर्धारित सीमाओं के भीतर ही सर्वोच्च है। पूर्व न्यायाधीश ने आगे कहा कि संसद और न्यायपालिका के बीच संबंध हमेशा टकरावपूर्ण नहीं होते, बल्कि कई बार यह सहयोगात्मक भी होते हैं।

सीजेआई ने किया सोशल मीडिया पर उनके नाम से प्रसारित जातिवादी बयान का खंडन

नई दिल्ली, एजेंसी

● बयान को मनगढ़ंत, ओछा घृणित और दुर्भावनापूर्ण बताया

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में अपने नाम से प्रसारित जातिवादी बयान की निंदा करते हुए उसे 'मनगढ़ंत, घृणित, ओछा और दुर्भावनापूर्ण' बताया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक समाचार एजेंसी को दिए बयान में कहा कि मनगढ़ंत बयान गढ़ना और उसे देश के सर्वोच्च न्यायिक पद से जोड़ना घोर बेईमानी, जानबूझकर सामाजिक रूप से भड़काने वाला और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अवमानना का कृत्य है। बयान के अनुसार इस तरह का गैरजिम्मेदाराना आचरण न्यायपालिका और कानून के शासन में जनता के भरोसे पर सीधा प्रहार करता है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहे कुछ पोस्ट का जिक्र किया और उन्होंने विशेष रूप से 'एक्स' पर 'अनरिजर्व्डमेरिट' नाम के एक अकाउंट का उल्लेख किया।

प्रधान न्यायाधीश ने अपने बयान में कहा है कि उस सोशल मीडिया अकाउंट से जो पोस्ट किया गया है उससे उनका नाम जोड़ा गया है। पोस्ट मूल रूप से हिंदी में किया गया है। पोस्ट में कहा गया है कि यदि कोई समाज, आईएएस, आईपीएस, प्रधान न्यायाधीश, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जैसे पद देने के बाद भी शोषित रहना चुनता है तो इसका दोष ब्राह्मणों का नहीं बल्कि उसकी अपनी मानसिकता का है।

बयान में कहा गया है कि ये आरोप पूरी तरह से निराधार, दुर्भावनापूर्ण और स्पष्ट रूप से झूठे हैं। बयान के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश का कार्यालय सभी जिम्मेदार नागरिकों, मीडिया संगठनों और सोशल मीडिया मंचों से झूठी और मनगढ़ंत सामग्री को बढ़ावा देने से बचने का आह्वान करता है।

जनगणना के बाद भारत में मुस्लिम आबादी इंडोनेशिया के बराबर हो सकती है: रीजीजू

मुंबई, एजेंसी

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को कहा कि आगामी जनगणना के आंकड़ों में भारत की मुस्लिम आबादी संभवतः इंडोनेशिया की कुल आबादी के करीब पहुंच सकती है। मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि 2021 की जनगणना समय पर नहीं हो सकी, इसलिए पिछली 2011 की जनगणना के मुकाबले जनसंख्या में स्वाभाविक वृद्धि हुई होगी। रीजीजू ने जोर देकर कहा कि आबादी चाहे किसी भी समुदाय की हो, सभी समान रूप से भारतीय नागरिक हैं। उन्होंने अल्पसंख्यकों के खतरे में होने के दावों को खारिज करते हुए आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल मुसलमानों और ईसाइयों के बीच बेवजह भय पैदा कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान के समक्ष सभी समान हैं और धर्म या जाति के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता है।पारसी समुदाय पर चिंता और बंगाल का जिक्र मंत्री ने देश में पारसी समुदाय की घटती जनसंख्या (लगभग 52,000-55,000) पर चिंता व्यक्त की और कहा कि सरकार इस सबसे छोटे अल्पसंख्यक समुदाय के संरक्षण के लिए काम कर रही है। इसके साथ ही, उन्होंने पश्चिम बंगाल में भाजपा के सरकार बनाने को देश के लिए जीत बताया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश सीमा से सटे इस संवेदनशील राज्य में अवैध प्रवासियों का प्रवेश एक बड़ी चुनौती है, जिसे नई सरकार नियंत्रित करेगी।

बेअदबी विरोधी कानून वापस लेने का सवाल ही नहीं उठता: भगवंत

संगरूर/फतेहगढ़ साहिब, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को स्पष्ट किया कि बेअदबी विरोधी कानून को न तो वापस लिया जाएगा और न ही इसे कमजोर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कानून को दुनिया भर की ''संगत'' का व्यापक समर्थन प्राप्त है और उनकी सरकार श्री गुरु ग्रंथ साहिब सहित सभी धार्मिक ग्रंथों के सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

उल्लेखनीय है कि पंजाब विधानसभा ने 13 अप्रैल को ''जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक, 2026'' सर्वसम्मति से पारित किया था। इस नए कानून में गुरु ग्रंथ साहिब के अपमान के दोषी के लिए आजीवन कारावास जैसे कठोर दंड का प्रावधान है।मुख्यमंत्री मान बुधवार से शुरू हुई अपनी 'शुकराना यात्रा' के समापन के अवसर पर बोल रहे थे।

आतंकी हमले का खतरा : दिल्ली 'हाई अलर्ट' पर- भाजपा मुख्यालय समेत प्रमुख स्थलों की सुरक्षा बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

● बम निरोधक दस्ते, श्वान दस्ते और त्वरित प्रतिक्रिया टीमें भी तैनात

राष्ट्रीय राजधानी में संभावित आतंकवादी हमले की खुफिया जानकारी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने शनिवार को 'हाई अलर्ट' जारी कर दिया है।

सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को मध्य दिल्ली में आत्मघाती हमलों, वाहन आधारित आईईडी धमाकों और गोलीबारी के जरिए प्रमुख कार्यालयों व भीड़भाड़ वाले इलाकों को निशाना बनाने की साजिश की चेतावनी मिली है।

खतरे के मद्देनजर दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग पर स्थित भाजपा मुख्यालय और महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठानों पर सशस्त्र कर्मियों की अतिरिक्त तैनाती की गई है। शहर के बाजारों, परिवहन केंद्रों और राजनीतिक दलों के कार्यालयों में विध्वंस रोधी जांच तेज कर दी गई है।

दिल्ली पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों और लावारिस वस्तुओं पर नजर रखने के लिए बम निरोधक दस्ते, श्वान दस्ते और त्वरित प्रतिक्रिया टीमों को भी तैनात किया है। स्थानीय पुलिस जिला स्तर पर औचक जांच और सत्यापन अभियान चला रही है।

वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, केंद्रीय खुफिया एजेंसियों और अर्धसैनिक बलों के साथ निरंतर समन्वय बनाया जा रहा है ताकि सुरक्षाव्यवस्था पुख्ता रहे। संवेदनशील क्षेत्रों में बैरिकेडिंग कर वाहनों की तलाशी ली जा रही है।

डीआरडीओ ने स्क्रैमजेट इंजन का सफल परीक्षण किया

नई दिल्ली। भारत के हाइपरसोनिक मिसाइल कार्यक्रम की दिशा में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने शनिवार को बड़ी सफलता हासिल करने की घोषणा की है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, हैदराबाद स्थित डीआरडीएल प्रयोगशाला में 'एक्टिवली कूल्ड फुल स्केल स्क्रैमजेट कंबस्टर' का सफल और दीर्घकालिक परीक्षण संपन्न हुआ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसके डीआरडीओ और टीम को बधाई दी। मंत्रालय ने बताया कि यह इंजन अब हाइपरसोनिक उड़ान के दौरान उत्पन्न होने वाले प्रचंड तापीय भार को सहने के लिए पूरी तरह सक्षम है।

यह जमीनी परीक्षण 1,200 सेकंड (20 मिनट) से अधिक समय तक चला, जो एक रिकॉर्ड उपलब्धि है। हाइपरसोनिक मिसाइलें ध्वनि की गति से पांच गुना तेज चलती हैं। इस गति पर पैदा होने वाली अत्यधिक गर्मी को सहने के लिए 'एक्टिव कूलिंग' तकनीक अनिवार्य है।

हत्या या मदद के आरोपी को विरासत में नहीं मिल सकती पीड़ित की संपत्ति: न्यायालय

नई दिल्ली, एजेंसी

● मृतक ने बसीयत बनाई हो या नहीं, ये प्रतिबंध लागू रहेगा

उच्चतम न्यायालय ने व्यवस्था दी है कि जो व्यक्ति किसी की हत्या करता है या हत्या में मदद करता है, तो उसे मृतक की संपत्ति पर अधिकार नहीं मिलेगा, क्योंकि कानून ऐसे व्यक्ति को विरासत पाने से रोकता है।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने साफ किया कि अगर किसी व्यक्ति पर हत्या करने या हत्या के लिए उकसाने का आरोप है, तो वह मृतक की संपत्ति नहीं पा सकता। यह तब भी लागू होगा जब मृतक ने वसीयत नहीं छोड़ी हो और तब भी, जब वसीयत बनाई हो।

मुकदमा जारी रहने पर भी यह रोक लागू रहेगी। बिना वसीयत के उत्तराधिकार व्यक्तिगत कानून के नियमों के अनुसार होता है, जबकि वसीयत के माध्यम से उत्तराधिकार तब लागू होता है, जब संपत्ति एक उत्तराधिकार के माध्यम से दिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति पर उस इंसान की हत्या का आरोप हो, जिसकी संपत्ति में वह हिस्सा मांग रहा है, तो उसे संपत्ति पर अधिकार जताने का हक नहीं मिलेगा।

यह रोक केवल हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 25 के कारण ही नहीं, बल्कि न्याय, निष्पक्षता और नैतिक समानता के सिद्धांतों के आधार पर भी लागू होती है। यह फैसला कर्नाटकहाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर आया, जिसमें संपत्ति के उत्तराधिकार से संबंधित बेंगलुरु की सिविल अदालत के फैसले को रद्द कर दिया गया था।

एचएमएसआई ने मोटरसाइकिलें वापस मंगाईं

नयी दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एचएमएसआई) ने अपनी सीबी1000 हॉर्नेट एसपी मोटरसाइकिलों की स्वैच्छिक रूप से वापसी की घोषणा की है। यह कदम फ्यूल पाइप फिट करने के तरीके सहित दो तकनीकी समस्याओं को दूर करने के लिए उठाया गया है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 10 मई 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन :- तुलसी 2595, राज श्री 1950, फ़ॉर्चून कि. 2700, रविन्द्रा 2540, फॉर्चुन 13kg 2370, जय जवान 2125, सचिन 2340, सूरज 2125, अवसर 2125, उजाला 2100, गृहणी 13 kg 2200, क्लासिक (kg) 2455, मोर 2330, चक्र टिन 2565, ब्लू 2440, आशीर्वाद मस्टर्ड 2440, स्वास्तिक 2550

किराना :- निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 24500-25000, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल (प्रति कु0) :- डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400,लाडली 4400

दाल दलहन :- मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10700-12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी :- द्वारकेश 4320, बहेड़ी 4300, सितारगंज 4270

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के आभूषण 152000, गिन्नी जेवर 148000, **चांदी प्रति किलो :** पक्की 252000 अनुमानित

बिजनेस ब्रीफ

सैमसंग ने शुरू किया नवाचार और शिक्षा का पांचवां संस्करण

नई दिल्ली। प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने भारत में अपने प्रमुख नवाचार और शिक्षा कार्यक्रम 'सैमसंग सॉल्व फॉर टुमारो' के पांचवें संस्करण को शुरू करने की घोषणा की। कंपनी के अनुसार, वर्ष 2026 के संस्करण में शीर्ष चार विजेता टीमों को दो करोड़ रुपये तक का 'इनक्यूबेशन' अनुदान दिया जाएगा, जिससे वे अपने विचारों को आगे विकसित कर सकें। इसके लिए आईआईटी दिल्ली में इनक्यूबेशन सहायता भी प्रदान की जाएगी। शीर्ष 20 टीमों को 20 लाख रुपये तथा उसके बाद शीर्ष 40 टीमों को आठ लाख रुपये, उपकरण और मेंटरशिप दी जाएगी।

डब्ल्यूसीएल के सीएमडी बने हेमंत पांडेय

नागपुर। हेमंत शरद पांडेय ने शुक्रवार को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार संभाल लिया। पांडेय के पास डब्ल्यूसीएल और साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में 37 वर्षों का अनुभव है।

भारत की ग्रीन पैकेजिंग की मांग को पूरा करने की तैयारी में आईटीसी

अजय दयाल, हल्द्वानी

अमृत विचार: बीते साल मार्च में आईटीसी लिमिटेड ने आदित्य बिरला रियल एस्टेट लिमिटेड के अंतर्गत आने वाली लालकुआं (उत्तराखंड) स्थित सेंचुरी पल्प एंड पेपर का अधिग्रहण किया। यह सौदा लगभग लगभग 3,500 करोड़ रुपये में किया गया है। हालांकि अधिग्रहण की औपचारिकताएं अगले माह तक पूरा होने की प्रक्रिया में है। आईटीसी की मौजूदा चारों पेपर इकाइयां दक्षिण भारत (तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना) और पश्चिम बंगाल में हैं। लालकुआं मिल के जरिए अब उत्तर में उनकी सीधी पहुंच और पकड़ मजबूत होगी।

सेंचुरी पेपर लालकुआं के वाइस प्रेसिडेंट नरेश चन्द्रा लगभग 32 वर्षों से यहां सेवाएं दे रहे हैं। बीते साल ही वह वाइस प्रेसिडेंट बने। पदोन्नति से पूर्व नरेश चन्द्रा बतौर वरिष्ठ महाप्रबन्धक, मिल की सामाजिक वानिकी, पर्यावरण, जल प्रबन्धन व सामाजिक दायित्व जैसे विभागों का कार्यभार संभाल रहे थे। सेंचुरी की रणनीति, मौजूदा स्थिति, चुनौतियों और भविष्य को लेकर उनसे 'अमृत विचार' की लंबी बातचीत हुई। **पेश इस बातचीत के कुछ अंश-**

सेंचुरी पेपर लालकुआं के वाइस प्रेसिडेंट नरेश चन्द्रा से खास बातचीत

सवाल: प्लास्टिक को पर्यावरण का सबसे बड़ा खतरा बताया जाता है। कागज इंडस्ट्री के पास क्या इसका विकल्प है?

जवाब: फिलहाल हम भारत की ग्रीन पैकेजिंग की मांग को पूरा करने की तैयारी में हैं। जहां तक सिंगल यूज्ड प्लास्टिक के प्रयोग की बात है तो इसपर अंकुश लगाने की पहल हर नागरिक को करनी होगी। कुछ देशों में सख्त कानून व जुर्माना है, यह नौबत न आए इसके लिए हमें अपने आचरण को बदलना ही होगा।

सवाल: ऐसा नहीं लगता कि हमारे पास पॉलिथीन जैसा सस्ता का विकल्प नहीं है?

जवाब: हां, कह सकते हैं कि अभी हमारे पास पॉलीथिन जैसा सस्ता पर्यावरण अनुकूल विकल्प नहीं है। लेकिन मोबाइल को हाथ में लेकर चलने की ही तरह हम झोला हाथ में लेकर चलने को आदत क्यों नहीं बना सकते।

सवाल: फिर ग्रीन पैकिजिंग से क्या है?

जवाब: पर्यावरण नियमों और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध के कारण कागज आधारित टिकाऊ पैकेजिंग की मांग बढ़ रही है। हम ई-कॉमर्स, फार्मा, और फूड डिलीवरी जैसे क्षेत्रों के लिए ईको-फ्रेंडली पैकेजिंग समाधानों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह हमारी आईटीसी नेक्स्ट रणनीति के तहत होगा।

सवाल: क्या इसके लिए कोई लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है?

जवाबः कंपनी का लक्ष्य 2028 तक अपनी 100 प्रतिशत पैकेजिंग को रिसाइकिल या कंपोस्टेबल बनाना है। साथ ही, पेपर और पेपरबोर्ड व्यवसाय में तेजी से विस्तार करने का इरादा है।

सवाल: एक ओर पेपर लेस कल्चर को बढ़ावा, दूसरी ओर पेपर इंडस्ट्री को बूस्ट करने की योजना है, कैसे संभव है?

जवाबः सेंचुरी पल्प एंड पेपर मुख्य रूप से राइटिंग-प्रिंटिंग पेपर, कॉपियर पेपर, टिशू पेपर और पैकेजिंग बोर्ड्स का निर्माण करता है। आने वाले समय हम भारत के पेपरबोर्ड और स्पेशियलिटी पेपर क्षेत्र में अपनी अग्रणी स्थिति को और अधिक मजबूत कर लेंगे।

सवाल: सबसे बड़ी चुनौती क्या है?

जवाबः स्वाभाविक है लकड़ी आधारित अन्य उद्योग हमारे सामने चुनौती हैं। उदाहरण के तौर पर कागज व रेडीमेड फर्नीचर दोनों ही उद्योगों में रॉ मैटेरियल यानि उपयोग किए जाने वाले पेड़ों (लकड़ियों) की मांग है। कागज उद्योग मुख्य रूप से जिन वृक्षों पर निर्भर है। फर्नीचर उद्योग द्वारा इन लकड़ियों की सीधी खरीद ने कागज मिलों के लिए कई संकट पैदा कर दिए हैं।

सवाल: बगास (गन्ने की खोई) का उपयोग तो आप बेहतर कर रहे हैं लेकिन क्या पराली का भी सदुपयोग है?

जवाबः हमने प्रयास किया लेकिन पराली से परिणाम नहीं मिल सके। इससे कागज का निर्माण करने में सर्वाधिक उपयोगी गोंद की कमी रही।

सवाल: सेचुरी पेपर के बिजनेस का भविष्य क्या है?

जवाब : हमारा इरादा पेपर और पेपरबोर्ड व्यवसाय से पीछे हटने का नहीं, बल्कि इसमें तेजी से विस्तार करने का है। हम भारत के पेपरबोर्ड और स्पेशियलिटी पेपर क्षेत्र में अपनी अग्रणी स्थिति को और अधिक मजबूत कर लेंगे।

चलन में बढ़ गई नकदी, अर्थशास्त्रियों ने दी चेतावनी

मुंबईः अप्रैल के पहले 15 दिनों में भारत में सर्कुलेशन में मौजूद करेंसी में 610 अरब रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई। इससे कुल करेंसी रिकॉर्ड 42.3 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गई। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अगर यह ट्रेंड जारी रहा तो इसका असर लिक्विडिटी (कैश) पर पड़ सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक के डेटा के मुताबिक, यह बढ़ोतरी पिछले साल के मुकाबले 11.8% ज्यादा है। नोटबंदी के बाद 2017 की शुरुआत से अब तक की सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। पिछले छह महीनों और पिछले पूरे फाइनेंशियल ईयर में यह कैश की मांग में देखी गई बढ़ोतरी का ही विस्तार है। एजेंसी के अनुसार, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज प्राइमरी डीलरशिप में रिसर्च के को-हेड अभिषेक उपाध्याय ने कहा कि इसमें गांवों से आने वाली मजबूत मांग का भी हाथ है।

श्रम सुधार: लागू हुआ चार नई संहिताओं वाला कानून

पांच साल की लंबी प्रतीक्षा के बाद सरकार ने जारी की अधिसूचना

नयी दिल्ली, एजेंसी

पांच साल से अधिक के लंबे इंतजार के बाद केंद्र सरकार ने नियमों को अधिसूचित कर चार श्रम संहिताओं को पूरी तरह से लागू कर दिया है। इसका उद्देश्य सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा तय करना है।

चार श्रम संहिताओं में वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य स्थिति संहिता, 2020 शामिल हैं।

ये सभी 21 नवंबर, 2025 से प्रभावी हो गई थीं। इन संहिताओं को 29 मौजूदा श्रम कानूनों को एकीकृत कर एक सरल और आधुनिक ढांचा तैयार करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि अब इन चारों संहिताओं के तहत नियमों को राजपत्र में अधिसूचित कर दिया गया है और इसके साथ ही इनके पूर्ण क्रियान्वयन की प्रक्रिया पूरी हो गई है।

उन्होंने कहा कि यद्यपि श्रम संहिताएं 21 नवंबर, 2025 को कानून बन गई थीं, लेकिन नियमों के अभाव में कुछ प्रावधान स्पष्ट नहीं हो पाए थे। मसौदा नियम 30 दिसंबर, 2025 को हितधारकों की प्रतिक्रिया के लिए जारी किए गए थे, जिन्हें विधिक जांच के बाद अंतिम रूप देकर अधिसूचित किया गया।

इन नियमों का प्रकाशन संहिताओं को पूरी तरह लागू करने के लिए आवश्यक था। चार संहिताओं में 29 श्रम कानूनों को समेटने का उद्देश्य लंबे समय से चली आ रही जटिलताओं को दूर करना और प्रणाली को अधिक प्रभावी एवं आधुनिक बनाना है।

नये श्रम कानून की ये हैं चार नई संहिताएं

1- वेतन संहिता-2019
2- औद्योगिक संबंध संहिता 2020
3-सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और
4-व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य स्थिति संहिता 2020

इसका उद्देश्य व्यापार करने में सुगमता बढ़ाना, रोजगार सृजन को प्रोत्साहन देना तथा प्रत्येक श्रमिक के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक व वेतन सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

आरबीआई गवर्नर से पदोन्नति नीति में सुधार को हस्तक्षेप की मांग

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अधिकारियों के संगठन ने गवर्नर संजय मल्होत्रा को पत्र लिखकर पदोन्नति नीति में संशोधन के लिए हस्तक्षेप करने और समयबद्ध पदोन्नति प्रणाली बहाल करने की मांग की है।

आरबीआई के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों और मुंबई स्थित केंद्रीय मुख्यालय में कार्यरत अधिकारियों ने शुक्रवार को नई पदोन्नति नीति के खिलाफ प्रदर्शन किया। नई नीति में पदोन्नति को रिक्तियों की उपलब्धता से जोड़ा गया है, जबकि पहले समयबद्ध पदोन्नति प्रणाली लागू थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन ने आठ मई के पत्र में कहा कि केंद्रीय बैंक ने उनकी गंभीर चिंताओं, आपत्तियों और रचनात्मक सुझावों पर पर्याप्त विचार किए बिना संशोधित पदोन्नति नीति को लागू करने का निर्णय लिया है, जिससे अधिकारी समुदाय में व्यापक असंतोष, निराशा और मनोबल में गिरावट आई है। संगठन ने कहा कि विभिन्न ग्रेड में पदोन्नति रुकने से विशेषकर युवा अधिकारियों में असंतोष बढ़ रहा है जिन्हें लंबे समय तक एक ही पद पर बने रहने की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

बिक्री की तैयारी...

भोपाल : मध्य प्रदेश के भोपाल में एक थोक बाज़ार में, पैकिंग और बिक्री के लिए गेहूं की छंटाई करते मजदूर। **फोटो :** एजेंसी

पहली बार अमेरिका पहुंचा असम का शहद

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि निर्यात में विविधता लाने और 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) पहल को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर, असम के पिछड़े जिले बाक्सा से अमेरिका के लिए शहद की पहली बार आज 20 टन शहद की खेप रवाना की गयी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली एजेंसी कृषि एवं प्रसंस्कृत उत्पाद निर्यात विकास एजेंसी- एपीडा की मदद से असम की निर्यातक कंपनी सॉल्ट रेंज फूड्स प्रा.लि. ने यह निर्यात किया है। मंत्रालय की शनिवार को जरी एक विज्ञप्ति के मुताबिक बाक्सा शहद की यह खेप आज ही रवाना की गयी।

असम में समृद्ध जैव विविधता, प्रचुर वन संसाधन और मधुमक्खी पालन की सदियों पुरानी परंपरा के कारण शहद उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। कार्बी, मिशिंग और बोडो जैसी स्वदेशी जनजातियों की ओर से सदियों से शहद का संग्रहण किया जाता रहा है, जहां शहद का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से भोजन, औषधि और सांस्कृतिक एवं धार्मिक अनुष्ठानों में किया जाता रहा है।

उद्योग जगत को उम्मीद- प. बंगाल में वृद्धि को गति देंगे अधिकारी

कोलकाता, एजेंसी

- **उद्योग दिग्गजों ने मुख्यमंत्री बनने पर दी शुभेंदु अधिकारी को बधाई**

उद्योग जगत के दिग्गजों ने शनिवार को शुभेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी और राज्य में विकास और वृद्धि के नए दौर की उम्मीद जताई। आरपीजी समूह के चेयरमैन संजीव गोयनका ने इसे पश्चिम बंगाल के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया और कहा कि राज्य को शुभेंदु अधिकारी से काफी उम्मीदें हैं। गोयनका ने कहा कि उनका पश्चिम बंगाल से भावनात्मक जुड़ाव है और वह राज्य के विकास में हरसंभव योगदान देने के इच्छुक हैं।

आईटीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजीव पुरी ने भी शुभेंदु अधिकारी और नवगठित मंत्रिपरिषद को शुभकामनाएं दीं। पुरी ने विश्वास जताया कि नए नेतृत्व में राज्य वृद्धि और समृद्धि के नए दौर का साक्षी बनेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र का विकसित भारत का दृष्टिकोण राज्य की प्रगति के लिए प्रेरणा का काम करेगा। कोलकाता मुख्यालय वाले एक भारतीय समूह के रूप में आईटीसी पिछले एक सदी से अधिक समय से राज्य से जुड़ा हुआ है। भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स (कोलकाता) के अध्यक्ष नरेश पचीसिया ने शपथ ग्रहण को सिर्फ संवैधानिक बदलाव नहीं बल्कि बंगाल की प्रगति, समृद्धि, स्थिरता और नए विश्वास की दिशा में एक नए अध्याय की शुरुआत बताया।

दुग्ध कारोबार से अवध की 18 हजार महिलाएं बनीं लखपति दीदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **तकनीक आधारित मॉडल से गांव की महिलाएं सीधे बाजार से जुड़ीं**

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल और तकनीक आधारित व्यवस्था के चलते प्रदेश के गांवों में दुग्ध कारोबार ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बनता जा रहा है।

अवध क्षेत्र की अठारह हजार से अधिक महिलाएं दुग्ध व्यवसाय से जुड़कर 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। अब ये महिलाएं केवल पशुपालन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि संगठित दुग्ध व्यापार के माध्यम से सीधे बाजार से जुड़कर परिवार की आय में बड़ा योगदान दे रही हैं। सरकार द्वारा विकसित दुग्ध नेटवर्क ने बिचौलियों की भूमिका लगभग समाप्त कर दी है। दूध की गुणवत्ता जांच, संग्रहण, बिक्री और भुगतान की पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित हो रही है। मोबाइल अनुप्रयोग और ऑनलाइन व्यवस्था के जरिए महिलाओं को तुरंत जानकारी मिल रही है और हर दस दिन में भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में पहुंच रहा है।

अवध क्षेत्र में महिला स्वामित्व वाली 'सामर्थ्या मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी' के माध्यम से सवा लाख से अधिक महिलाओं को आधुनिक दुग्ध उत्पादन, गुणवत्ता प्रबंधन और डिजिटल भुगतान व्यवस्था का प्रशिक्षण दिया गया है। बीते तीन वर्षों में यही महिलाएं प्रतिदिन चार लाख लीटर से अधिक दूध का संग्रहण कर रही हैं। महिला दुग्ध उत्पादकों को हर दस दिन में सीधे उनके बैंक खातों में भुगतान किया जा रहा है। इससे व्यवस्था में पारदर्शिता के साथ ग्रामीण महिलाओं का भरोसा भी बढ़ा है।

निवेश की पाठशाला

अटल पेंशन योजना : हर माह 210 करें निवेश, 5000 पेंशन

कारोबार डेस्क

अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को आज यानी 9 मई को 11 साल पूरे हो गए हैं। मोदी सरकार ने यह योजना मई 2015 में शुरू की गई थी। इस योजना के अन्तर्गत निवेश करने वाले व्यक्ति को 60 साल का होने पर हर महीने 1,000 से लेकर 5,000 रुपए तक की पेंशन मिलती है। बस, आपको न्यूनतम राशि निवेश करनी होती है। यहां हम आपको अटल पेंशन योजना के बारे में विस्तार से बताने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि इससे जुड़कर आप लाभान्वित हो सकें-

टैक्सपेयर को नहीं मिलता लाभ

वास्तव में अटल पेंशन योजना टैक्सपेयर्स के लिए नहीं है। अर्थात यदि आप इनकम टैक्स चुकाते हैं तो इस योजना में अकाउंट नहीं खोल सकेंगे। सरकार ने ये नियम पहली अक्टूबर 2022 से लागू किया है। इसमें 18 लेकर 40 तक आयु के व्यक्ति के लिए निवेश और पेंशन की जानकारी इस वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

पेंशन के हिसाब से तय होगी निवेश की धनराशि

- यदि आपकी आयु 18 वर्ष है तो आपको कितनी राशि का निवेश करना होगा, यह इस पर निर्भर करेगा कि कितनी पेंशन चाहते हैं। एक से 5 हजार रुपए प्रतिमाह पेंशन लेने के लिए आपको 42 से लेकर 210 रुपए प्रतिमाह तक भुगतान करना होगा।
- यदि कोई सब्स्क्राइबर 40 साल की उम्र में स्कीम लेता है तो उसे 291 से लेकर 1,454 रुपए प्रतिमाह तक का कॉन्ट्रीब्यूशन करना होगा।

कितने पैसे जमा करने पर मिलेगी कितनी पेंशन?

- अगर 18 साल का कोई व्यक्ति हर महीने 42 रुपए जमा करेगा, तो उसे 60 का होने के बाद हर महीने 1000 रुपए पेंशन मिलेगी।
- 84 रुपए जमा करने पर 2000 रुपए पेंशन।
- 126 रुपए जमा करने पर 3000 रुपए पेंशन।
- 168 रुपए जमा करने पर 4000 रुपए पेंशन।
- इसी तरह 210 रुपए प्रतिमाह जमा करने पर हर महीने 5000 रुपए पेंशन मिलेगी।
- अगर 40 साल का कोई व्यक्ति हर महीने 291 रुपए जमा करेगा, तो उसे 60 का होने के बाद हर महीने 1000 रुपए पेंशन मिलेगी।
- 582 रुपए जमा करे, तो 2000 रुपए पेंशन।
- 873 रुपए जमा करे, तो 3000 रुपए पेंशन।
- 1164 रुपए जमा करे, तो 4000 रुपए पेंशन।
- इसी तरह 1454 रुपए प्रतिमाह जमा करने पर उसे हर महीने 5000 रुपए पेंशन मिलेगी।

अपनी सुविधा के हिसाब से दे सकते हैं किस्त

- इस योजना के तहत इन्वेस्टर्स मंथली, क्वाटरली या सेमी-एनुअल यानी 6 माह की अवधि में निवेश कर सकते हैं। कॉन्ट्रीब्यूशन ऑटो-डेबिट हो जाएगा, यानी आपके अकाउंट से तय राशि अपने आप कट जाएगी और आपके पेंशन खाते में जमा हो जाएगी।

ग्राहक की मृत्यु के बाद जीवनसाथी को मिलेगी पेंशन

- सब्सक्राइबर यानि योजना में नामित व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसके स्पाउस (जीवनसाथी) को समान पेंशन का भुगतान किया जाएगा और सबस्क्राइबर और स्पाउस दोनों के निधन पर 60 साल की आयु तक जमा की गई पेंशन राशि नॉमिनी को वापस कर दी जाएगी।
- वहीं 60 साल से पहले ग्राहक की मृत्यु होने पर उसका जीवनसाथी (एपीवाई) खाते में योगदान जारी रख सकता है। ग्राहक के पति या पत्नी को वही पेंशन मिलेगी जो ग्राहक को मिलनी थी। अगर वो चाहे तो ऐसा न करके खाते में जमा पूरा पैसा निकाल भी सकता है।

जनकल्याण | मोदी सरकार की तीन जन बीमा, पेंशन योजनाओं के 11 साल पूरे, लोकप्रियता बढ़ी

अब तक निपटाए 25,160 करोड़ रुपये के दावे

नई दिल्ली,एजेंसी

मोदी सरकार की आम जन को बीमा और पेंशन सुरक्षा देने के लिए शुरू की गयी तीन जन सुरक्षा योजनाओं - प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) ने 11 साल पूरे कर लिये है और इनको अपनाने वालों का आधार व्यापक हुआ है।

इन योजनाओं के 11 साल पूरे होने पर शनिवार को वित्त मंत्रालय की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार पीएमजेजेबीवाई के तहत कुल नामांकन 27.43 करोड़ से अधिक हो चुके हैं और 29.04.2026 तक 21,512.50 करोड़ रुपये का

- **प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना के 11 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री ने दिया संदेश, कहा- सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाती हैं योजनाएं**

भुगतान किया जा चुका है। इसी दौरान पीएमएसबीवाई के तहत कुल नामांकन 58.09 करोड़ से अधिक हो चुके हैं और 1,84,662 दावों के लिए 3,667.52 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इन 11 वर्षों में 9.04 करोड़ से अधिक लोगों ने एपीवाई योजना में नामांकन कराया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन तीनों योजनाओं के आज 11 वर्ष पूरे होने पर सोशल मीडिया पर कहा कि ये योजनाएं देश के नागरिकों के लिए गरिमा, आश्वासन और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

उन्होंने अपने संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना ने जमीनी स्तर पर लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं और देश के सामाजिक सुरक्षा ढांचे को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान की है।

उन्होंने कहा कि अटल पेंशन योजना ने अनेक लोगों को अपनी वृद्धावस्था में अधिक सुरक्षित जीवन जीने में सक्षम बनाया है।

उन्होंने अटल पेंशन योजना के तहत महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उन्हें मिल रहे लाभों पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने इस योजना की सफलता में 'नारी शक्ति' के योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने 09 मई 2015 को इन तीनों योजनाओं को शुरू किया था। ये समाज के सभी वंचित तथा कमजोर वर्गों को किफायती वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने , जीवन की अनिश्चितताओं से बचाकर और दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देकर बीमा और पेंशन व्यवस्था को व्यापक बनाने के उद्देश्य से शुरू की गयी है।

गुजरात ने ऊर्जा ग्रिड की स्थिरता के लिए विकसित किया 870 मेगावाट बैटरी भंडारण नेटवर्क

गांधीनगर, एजेंसी। गुजरात ने नवीकरणीय ऊर्जा ग्रिड की स्थिरता बनाए रखने के लिए राज्य में पांच स्थानों पर कुल 870 मेगावाट क्षमता वाली बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) की शुरुआत की है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली सौर और अन्य नवीकरणीय स्रोतों से उत्पादित बिजली को संग्रहित करने के लिए जरूरी मानी जाती है। इससे अतिरिक्त बिजली भार का प्रबंधन करने और ग्रिड की स्थिरता बनाए रखने में मदद मिलती है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, गुजरात ने अहमदाबाद, गांधीनगर, बनासकांठा, पाटन और कच्छ जिलों में अतिरिक्त बैटरी भंडारण प्रणाली स्थापित करने के लिए 13 परियोजनाएं भी पंजीकृत की हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया कि भारत के पहले सौर गांव मोढेरा में देश की पहली ऐसी बीईएसएस प्रणाली शुरू की गई है, जिसे सौर ऊर्जा संयंत्र के साथ एकीकृत किया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात ने इस दिशा में लगातार प्रगति की है।

ईरानी टैंकरों पर अमेरिकी हमला, भारी तनाव के बीच युद्धविराम पर संशय

अमेरिकी प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं, समयसीमा के दबाव में काम नहीं करेंगे : ईरान

दुबई/मनामा, एजेंसी

होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिकी सेना द्वारा ईरान के दो तेल टैंकरों को निशाना बनाए जाने के बाद दोनों देशों के बीच प्रस्तावित युद्धविराम पर संकट गहरा गया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक वीडियो में लड़ाकू विमानों को उन टैंकरों की चिमनियों और पतवार पर हमला करते दिखाया गया है, जो कथित तौर पर अमेरिकी नाकेबंदी को तोड़ने का प्रयास कर रहे थे। इस बीच, एक मालवाहक जहाज पर आग लगने से कम से कम एक नाविक की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह जहाज उन्हीं दो टैंकरों में से एक है जिन पर अमेरिका ने हमला करने का दावा किया है।

इस सैन्य कार्रवाई से कुछ घंटे पहले अमेरिकी नौसेना ने अपने तीन पोतों पर हुए हमलों को नाकाम करने और जवाबी कार्रवाई में ईरानी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की बात कही थी। तनाव के इस माहौल में बहरीन के गृह मंत्रालय ने ईरान के 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' से जुड़े होने के आरोप में 41 लोगों को गिरफ्तार किया है। मानवाधिकार समूहों का आरोप है कि बहरीन सरकार युद्ध की आड़ में घरेलू राजनीतिक विरोध को दबा रही है।

राजनयिक मोर्चे पर, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा है कि तेहरान अमेरिकी प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है और वह किसी 'समयसीमा' के दबाव में काम नहीं करेगा। दूसरी ओर, ईरान के एक शीर्ष अधिकारी ने इन दावों को खारिज किया कि सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई अस्वस्थ हैं, उन्होंने कहा कि वह पूरी तरह स्वस्थ हैं और जल्द सार्वजनिक रूप से सामने आएंगे।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस युद्ध को रोकने की कोशिशें जारी हैं। रूस और सऊदी अरब के विदेश मंत्रालयों ने एक स्थायी और दीर्घकालिक समझौते के लिए निरंतर राजनयिक प्रयासों का आह्वान किया है। मिस्र और कतर के शीर्ष राजनयिकों ने भी दोहराया है कि केवल कूटनीति के माध्यम से ही इस संकट का समाधान निकाला जा सकता है। ज्ञात हो कि 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान द्वारा जलमार्ग अवरुद्ध किए जाने के कारण वैश्विक स्तर पर ईंधन की कीमतों में भारी उछाल आया है।

अगले हफ्ते हो सकती है वार्ता

अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए अगले सप्ताह पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में वार्ता फिर शुरू हो सकती है। 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पक्ष मध्यस्थों के साथ मिलकर एक महीने की वार्ता प्रक्रिया के लिए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन का मसौदा तैयार कर रहे हैं। इस प्रस्तावित रूपरेखा में ईरान के परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव कम करने और यूरेनियम भंडार को तीसरे देश में स्थानांतरित करने जैसे अहम मुद्दे शामिल हैं। हालांकि, ईरान पर लगे प्रतिबंधों में राहत का मुद्दा अब भी सबसे बड़ी अड़चन बना हुआ है।

होर्मुज पर नियंत्रण की कोशिशों पर संरा सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव लाएगा अमेरिका

रोम। अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण स्थापित करने की ईरानी कोशिशों के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इटली में पत्रकारों से कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग पर ईरान का दावा 'अवैध और अस्वीकार्य' है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ईरान को बारूदी सुरंगें बिछाने या जलमार्ग नियंत्रित करने की अनुमति दी गई, तो यह दुनिया के लिए एक खतरनाक मिसाल बन जाएगी। रुबियो ने स्पष्ट किया कि इस प्रस्ताव के जरिए रूस और चीन की स्थिति भी दुनिया के सामने आ जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि कोई देश इसे वीटो करता है, तो स्पष्ट हो जाएगा कि समाधान में बाधा कौन है। विदेश मंत्री ने फारस की खाड़ी में फंसी बड़ी मात्रा में मानवीय सहायता को बाहर निकालने की आवश्यकता पर भी बल दिया। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' पर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए रुबियो ने कहा कि अभियान समाप्त होने के बावजूद अमेरिका अपने जहाजों पर हमलों का जवाब देना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि यदि हमारे जहाजों पर ड्रोन या मिसाइल दागे जाएंगे, तो आत्मरक्षा में कदम उठाना अनिवार्य है। ईरान के लिए अमेरिकी 'रेड लाइन' को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि यदि वे अमेरिकियों को धमकी देंगे, तो उन्हें उड़ा दिया जाएगा।

प्यास बुझ रही है लेकिन शरीर मिनरल्स के लिए तरस रहा

अक्सर हम पड़ोसी या रिश्तेदार के घर नया वाटर प्यूरीफायर देखकर अपने घर में भी आरओ लगवा लेते हैं। लेकिन यह 'स्टेटस सिंबल' आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है। क्योंकि वाटर प्यूरीफायर कंपनियों के विज्ञापनों ने आपकी सेहत पर जो 'भ्रम का पर्दा' डाला है, उसे हटाने का वक्त आ गया है। अगर आपका सर्विस इंजीनियर कहता है कि पानी का टीडीएस 30 कर दिया है, अब यह एकदम शुद्ध है,₹ तो संभल जाइए! वह आपके लिए शुद्ध पानी नहीं, बल्कि 'मृत पानी' (Dead Water) तैयार कर रहा है। 'मृत पानी' इसलिए कहते हैं, क्योंकि इसमें जीवन के लिए जरूरी प्राकृतिक गुण और खनिज खत्म हो चुके होते हैं।

न्यूज डिकोडर

ये कैसी शुद्धता की सनक

क्या है 300 का 'मैजिक नंबर'?

- विज्ञान बहुत सीधा है : अगर आपके घर के पानी का टीडीएस 300 से कम है, तो आपको महंगे RO (रिवर्स ऑस्मोसिस) सिस्टम की कोई जरूरत नहीं है।
- डब्लूएचओ का मंत्र : विश्व स्वास्थ्य संगठन कहता है कि 300 टीडीएस तक का पानी 'एक्सीलेंट' है। इसमें शरीर के लिए जरूरी कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटेशियम का सही संतुलन होता है।
- आरओ का खेल : आरओ असल में खारे पानी (500+ टीडीएस) के लिए बना था। जब आप इसे 300 से कम वाले पानी पर चलाते हैं, तो यह पानी को इतना निचोड़ देता है कि वह 'डेड वाटर' बन जाता है।

स्मार्ट चॉइस

क्या करें?

टीडीएस चेक करें : टीडीएस मीटर लें। अगर रीडिंग 300 से कम है, तो आरओ को 'बाय-बाय' कहें और सिर्फ UV+UF फिल्टर लगाएं। यह कीटाणु मारेगा, मिनरल्स नहीं।

एडजस्ट करवाएं : आरओ मजबूरी है, तो मैकेनिक से कहकर टीडीएस को 150 से अधिक सेट करवाएं।

मिट्टी का घड़ा : शोध यह भी कहते हैं कि फिल्टर किए पानी को मिट्टी के घड़े में रखने से उसका pH लेवल फिर से संतुलित हो जाता है।

डिकोडर बॉटमलाइन : पानी सिर्फ H_2O नहीं है, यह खनिजों का खजाना है। इसे इतना साफ मत कीजिए कि यह सिर्फ प्यास बुझाए, शरीर को पोषण देना भूल जाए।

वैज्ञानिकों की चेतावनी: डेड वाटर का खतरा

- दुनियाभर के शोध, जिसमें चेक गणराज्य का मशहूर अध्ययन और डब्लूएचओ की 'डीमिनरलाइज्ड वाटर' रिपोर्ट शामिल है, एक डरावनी सच्चाई बताते हैं। बहुत कम टीडीएस (30-50) वाला पानी 'प्यास' तो बुझाता है, लेकिन शरीर के साथ 'धोखा' करता है :
- दिल पर वार : शोध बताते हैं कि पानी में मैग्नीशियम की कमी सीधे हार्ट अटैक के खतरे को बढ़ा सकती है।
- मिनरल्स की चोरी : वैज्ञानिकों ने इसे 'हंग्री वाटर' इसलिए कहा है क्योंकि इसमें खुद के खनिज नहीं होते। जैसे ही यह आपके शरीर में जाता है, यह आपकी हड्डियों और कोशिकाओं से कैल्शियम और मैग्नीशियम 'चुराने' लगता है।
- एसिडिक हमला : कम टीडीएस वाला पानी अम्लीय हो जाता है, जो आपके डाइजेशन और मेटाबॉलिज्म की धज्जियां उड़ा सकता है।

एनजीटी का हंटर: कंपनियां चुप क्यों?

एनजीटी ने विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के बाद कहा था कि टीडीएस 500 से कम है तो आरओ की जरूरत नहीं है। आरओ से सेहत खराब हो रही है, बल्कि 1 लीटर पानी के लिए 3 लीटर पानी बर्बाद हो रहा है।

पानी में जरूरी मिनरल्स

भारतीय मानक ब्यूरो के अनुसार, पानी में इन मिनरल्स का होना आवश्यक है। ● **कैल्शियम** : हड्डियों और दांतों की मजबूती, रक्त के थक्के जमने और मांसपेशियों के कार्य के लिए जरूरी है। ● **मैग्नीशियम** : हृदय स्वास्थ्य, नर्वस सिस्टम के सही संचालन और 300 से अधिक मेटाबॉलिक प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक है। ● **पोटेशियम** : शरीर में तरल पदार्थ का संतुलन बनाए रखने और हृदय की धड़कन को नियंत्रित करने में मदद करता है। ● **सोडियम** : तंत्रिका संकेतों को भेजने और मांसपेशियों के संकुचन के लिए महत्वपूर्ण है।

● टीडीएस का पूरा नाम Total Dissolved Solids (कुल घुलनशील ठोस पदार्थ) है। यह पानी में घुले हुए सभी अकार्बनिक लवणों और कार्बनिक पदार्थों की कुल मात्रा को मापता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

कनाडा: दंपति की हत्या में भारतीय मूल के तीन लोग दोषी

एबोट्सफोर्ड। कनाडा की एक अदालत ने मई 2022 में एबोट्सफोर्ड में आर्नोल्ड और जोआन डी जोंग दंपति की हत्या के मामले में भारतीय मूल के तीन लोगों को दोषी करार दिया है। ब्रिटिश कोलंबिया के उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश ब्रेंडा ब्राउन ने शुक्रवार को गुरकरण सिंह, अभिजीत सिंह और खुशवीर तूर को हत्या और लूट का दोषी पाया। दोषियों ने जोंग के घर से क्रेडिट कार्ड, चेक और एक पावर वॉशर चुराने के लिए उनकी हत्या की योजना बनाई थी। अदालत 28 मई को दोषियों को सजा सुनाएगी।

सीबीआई ने पुर्तगाल से अभय का प्रत्यर्पण कराया

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को पुर्तगाल से वांछित गैंगस्टर अभय राणा उर्फ अभय के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की। हरियाणा पुलिस को जबरन वसूली, हत्या के प्रयास, आपराधिक धमकी और संगठित अपराध गिरोह चलाने जैसे गंभीर मामलों में राणा की लंबे समय से तलाश थी।सीबीआई प्रवक्ता के अनुसार, आरोपी के खिलाफ इंटरपोल द्वारा रेड नोटिस जारी किया गया था। इस अभियान के लिए सीबीआई ने विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ समन्वय किया। शनिवार को आरोपी को भारत लाया गया, जहां हवाई अड्डे पर हरियाणा पुलिस की टीम ने उसे अपनी हिरासत में ले लिया।

भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 31 को

नई दिल्ली। भारत 31 मई को नयी दिल्ली में आयोजित होने वाले चौथे 'भारत-अफ्रीका फोरम समिट' के दौरान अफ्रीकी देशों के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना पेश करेगा। इस शिखर सम्मेलन में कई अफ्रीकी देशों के शीर्ष नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य अर्थव्यवस्था, व्यापार, स्वास्थ्य, रक्षा, कृषि और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना है। बढ़ती वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच यह बैठक ऊर्जा सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिज और जलवायु परिवर्तन जैसे साझा हितों पर केंद्रित होगी।

हंगरी: मग्यार ने ली प्रधानमंत्री पद की शपथ

बुडापेस्ट। हंगरी के नवनियुक्त प्रधानमंत्री के रूप में शनिवार को पीटर मग्यार ने शपथ ली। इसके साथ ही देश में विक्टर ओर्बन के 16 वर्षों से जारी शासन का अंत हो गया। मग्यार की मध्य-दक्षिणपंथी 'टिस्ज़ा पार्टी' ने पिछले महीने हुए चुनावों में ओर्बन की 'फिडेज पार्टी' को हराकर संसद में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया है। शपथ ग्रहण के बाद संसद को संबोधित करते हुए मग्यार ने कहा कि वह देश पर शासन करने के बजाय सेवा करने के संकल्प के साथ आए हैं। उन्होंने इस जीत का श्रेय उन लाखों नागरिकों को दिया जिन्होंने देश में बदलाव का फैसला किया। भारी बहुमत मिलने के कारण अब मग्यार सरकार विवादित नीतियों को बदलने में भी सक्षम होगी।

ईरान के विदेशी सैन्य खरीद नेटवर्क पर अमेरिका ने लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन, एजेंसी

- **अमेरिकी सेनाओं के विरुद्ध ईरानी हमलों में खुफिया जानकारी साझा करने का आरोप**

अमेरिका ने ईरान के सैन्य खरीद नेटवर्क और उपग्रह चित्र (सैटेलाइट इमेजरी) प्रदान करने वाले संस्थानों के खिलाफ नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। इन संस्थानों पर पश्चिम एशिया में अमेरिकी और सहयोगी देशों की सेनाओं के विरुद्ध ईरानी हमलों में तकनीकी सहायता और खुफिया जानकारी साझा करने का आरोप है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने मिसाइल और ड्रोन संचालन सहित ईरानी सैन्य गतिविधियों को सक्षम बनाने वाली उपग्रह तस्वीरें प्रदान करने के लिए चार संस्थाओं को प्रतिबंधित किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की तकनीकी सहायता क्षेत्र में अमेरिकी और भागीदार सेनाओं के लिए सीधा खतरा पैदा करती है। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी वित्त विभाग ने 10 व्यक्तियों और संस्थाओं को नामित किया है, जो ईरान को उसके मानवरहित विमान (यूएवी) और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों के लिए कच्चा माल और हथियार प्राप्त करने में मदद कर रहे थे। प्रतिबंधित संस्थानों में मुख्य रूप से चीन स्थित कंपनियाँ शामिल हैं। इनमें 'मीनट्रॉपी टेक्नोलॉजी' और 'द अर्थ आई' पर ईरानी सैन्य उपयोग के लिए डेटा उपलब्ध कराने का आरोप है। वहीं, 'चांग गुआंग सैटेलाइट टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड' पर आरोप है कि उसने अमेरिकी सैन्य स्थलों की तस्वीरें एकत्र कर पहले से प्रतिबंधित हूतियों को डेटा प्रदान किया था।

यह कार्रवाई 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के बाद ईरान की सैन्य आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करने के अमेरिकी अभियान का हिस्सा है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि यह कदम सितंबर 2025 में संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को फिर से लागू किए जाने के बाद उठाया गया है।

रूस ने मनाई विजय दिवस की 81वीं वर्षगांठ

मॉस्को, एजेंसी

रूस ने शनिवार को द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी पर मिली जीत की 81वीं वर्षगांठ 'विजय दिवस' के रूप में मनाई। इस अवसर पर मॉस्को के रेड स्क्वायर में भव्य सैन्य परेड का आयोजन किया गया और देशभर में छोटे सैन्य जुलूस निकाले गए। इस युद्ध में जान गंवाने वाले लगभग 2.7 करोड़ सोवियत नागरिकों को श्रद्धांजलि दी गई।

रूस में यह दिवस हर साल 9 मई को मनाया जाता है, क्योंकि 1945 में जर्मनी के आत्मसमर्पण के समय मॉस्को में 9 मई की तारीख हो चुकी थी। समारोह के दौरान रूस ने दो दिन के युद्धविराम की घोषणा की थी, हालांकि यूक्रेन ने इसे स्वीकार नहीं किया। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि कीव 9 से 11 मई तक युद्धविराम के लिए सहमत हो गया है।यूक्रेन संघर्ष के कारण इस वर्ष पश्चिमी देशों में सोवियत प्रतीकों पर प्रतिबंधों का असर भी आयोजनों पर देखने को मिला।

रूस-यूक्रेन में कैदियों की अदला-बदली पर सहमति

वाशिंगटन/मॉस्को। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विजय दिवस के अवसर पर रूस और यूक्रेन के बीच 9 से 11 मई तक तीन दिनों के युद्धविराम की घोषणा की है। इस समझौते के तहत दोनों देश 'हजार के बदले हजार' के अनुपात में कैदियों की अदला-बदली भी करेंगे, जो चार साल से जारी संघर्ष के दौरान अब तक की सबसे बड़ी संख्या है।रूसी राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव ने बताया कि यह समझौता राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई टेलीफोनिक वार्ता के बाद संभव हुआ है। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने इस बात पर बल दिया कि द्वितीय विश्व युद्ध में दोनों देश सहयोगी थे। श्री उशाकोव के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन इस प्रक्रिया में यूक्रेन के साथ भी निरंतर संपर्क में था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने भी पुष्टि की है कि यूक्रेन इस युद्धविराम का पालन करेगा और यह अमेरिका के नेतृत्व में चल रहे शांति प्रयासों का हिस्सा है।यह घोषणा पिछले कई दिनों से जारी भारी तनाव और एक-दूसरे पर हमलों के आरोपों के बीच हुई है। इससे पहले रूस ने 9 मई के लिए एकतरफा युद्धविराम की बात कही थी, जबकि यूक्रेन का दावा था कि उसने 6 मई से ही व्यापक युद्धविराम का प्रस्ताव दिया था जिसे रूस ने नजरअंदाज कर दिया।सुरक्षा कारणों और यूक्रेन द्वारा संभावित हमलों की आशंका के चलते लगभग दो दशकों में पहली बार रूस की विजय दिवस परेड में सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन नहीं किया गया। अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं और मॉस्को व सेंट पीटर्सबर्ग जैसे शहरों में मोबाइल इंटरनेट सुविधाओं पर प्रतिबंध की चेतावनी दी गई है। इस वर्ष रेड स्क्वायर की सैन्य परेड का पैमाना भी काफी छोटा रखा गया है, जिसमें केवल बेलारूस, मलेशिया, लाओस और कुछ अन्य गणमान्य व्यक्तियों के ही शामिल होने की उम्मीद है।

तपती गर्मी और टाइगर का टशन

जयपुर। राजस्थान की मरूधरा पर सूरज इन दिनों आग उगल रहा है और पारा आसमान छू रहा है। जब इंसान बेहाल हैं, तो जंगल के राजा को गर्मी कैसे न सताए? जयपुर के मशहूर नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क से एक बेहद सुकून देने वाली तस्वीर सामने आई है।पार्क के 'महाराज' यानी हमारे टाइगर को चिलचिलाती धूप से बचाने के लिए वनकर्मियों ने खास इंतज़ाम किया। शनिवार को जब गर्मी अपने शबाब पर थी, तब वन विभाग के एक जांबाज कर्मचारी ने पाइप उठाकर टाइगर को 'शाही स्नान' कराया। ठंडे पानी की फुहारें जैसे ही बाघ के बदन को छुईं, उसकी सारी थकान और गर्मी काफूर हो गई। पार्क प्रशासन का कहना है कि ये 'शाही शॉवर' सिर्फ शौक नहीं, बल्कि ज़रूरत है। ● एजेंसी

अमेरिका का एच1बी वीजा धारकों को काम पर रखने के लिए न्यूनतम वेतन बढ़ाने का प्रस्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने H-1B वीजा कार्यक्रम के तहत विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए निर्धारित न्यूनतम वेतन सीमा में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि का प्रस्ताव दिया है। अमेरिकी श्रम विभाग द्वारा 'अमेरिका में विदेशी नागरिकों के अस्थायी और स्थायी रोजगार के लिए वेतन सुरक्षा में सुधार' शीर्षक से पेश किए गए इस नए नियम का उद्देश्य स्थानीय अमेरिकी श्रमिकों के हितों की रक्षा करना और विदेशी कर्मचारियों द्वारा उनके वेतन स्तर को कम करने की संभावना को रोकना है।विभाग के अनुसार, मौजूदा वेतन स्तर लगभग 20 साल पुराने हैं और वर्तमान आर्थिक स्थिति के अनुरूप नहीं हैं।

प्रस्तावित परिवर्तनों का सीधा असर H-1B के साथ-साथ H-1B1, E-3 और PERM श्रम प्रमाणन कार्यक्रमों पर भी पड़ेगा। प्रस्ताव पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। जहाँ अधिकारी इसे स्थानीय रोजगार सुरक्षा के लिए जरूरी मान रहे हैं, वहीं विरोधियों का कहना है कि वेतन में अचानक इतनी बड़ी वृद्धि से छोटी कंपनियाँ नए और प्रवेश स्तर के कर्मचारियों को नियुक्त नहीं कर पाएंगी। श्रम विभाग ने इस नियम पर 26 मई तक सार्वजनिक सुझाव मांगे हैं, जिसके बाद प्रतिक्रियाओं की समीक्षा कर अंतिम नियम अधिसूचित किया जाएगा।

भारत पर संभावित प्रभाव

आईटी कंपनियों पर वित्तीय बोझ : टीसीएस (TCS), इंफोसिस और विप्रो जैसी भारतीय कंपनियों के लिए परिचालन लागत बढ़ जाएगी। चूंकि 70% से अधिक H-1B वीजा भारतीयों को मिलते हैं, इसलिए वेतन में 30-33% की वृद्धि से कंपनियों के प्रॉफिट मार्जिन पर सीधा असर पड़ेगा।

जूनियर पेशेवरों के लिए मुश्किल : प्रवेश स्तर (Level-1) के वेतन में भारी बढ़ोतरी के कारण अब कंपनियां कम अनुभवी इंजीनियरों को अमेरिका भेजने के बजाय अनुभवी पेशेवरों को प्राथमिकता देंगी। इससे नए युवाओं के लिए अमेरिका जाकर काम करने के अवसर कम हो सकते हैं।

ऑफशोरिंग में वृद्धि : उच्च लागत से बचने के लिए अमेरिकी कंपनियां काम को भारत (Offshore) स्थानांतरित कर सकती हैं।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज उलझे हुए मामलों को अपने पक्ष में कर लेंगे। आपके व्यक्तित्व से लोग आकर्षित रहेंगे। जॉब में इच्छानुसार ट्रांसफर हो सकता है।

वृष आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कार्यक्षेत्र में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। धैर्यपूर्वक लिए गए निर्णयों से लाभ मिलेगा।

मिथुन आज आपके काम तय समय पर पूरे नहीं होंगे। स्वार्थी प्रवृत्ति के लोगों से दूर रहें। तनाव के कारण दिन खराब हो सकता है।

कर्क आज आप नया व्यवसाय आरंभ करने के विचार में हैं। घर में साज-सजावट करेंगे। आय के नए स्रोत विकसित होंगे।

सिंह आज समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। व्यापार में आपको काफी अच्छा लाभ मिलेगा।

कन्या आज अपने काम की गुणवत्ता पर ध्यान दें। बच्चों पर अपनी मर्जी को न थोपें। शुगर के रोगियों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए।

तुला आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। सहकर्मी आपकी सफलता से ईर्ष्या करेंगे।

वृश्चिक आज व्यापार में तरक्की होने से उत्साहित रहेंगे। दांपत्य जीवन में सामंजस्य रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही बाधा दूर होगी।

धनु आज आपके कार्य की गति कुछ धीमी रहेगी। आप वर्तमान स्थिति को लेकर प्रसन्न नहीं रहेंगे। प्रेम संबंधों में परेशानी हो सकती है।

मकर आज आपको कुछ नया सीखने का अवसर मिलेगा। नई जॉब ढूंढ रहे हैं, तो अच्छे मौके मिल सकते हैं। गूढ़ विषयों का अध्ययन करेंगे।

कुंभ आज क्रोध के कारण संबंधों में कड़वाहट आ सकती है। शांतचित के लोगों के साथ समय बिताएं। नकारात्मक बातें हावी हो सकती हैं।

मीन आज शुभ कार्यों पर आप अत्यधिक धन खर्च करेंगे। आपकी मनोस्थिति मजबूत रहेगी। कारोबार में वृद्धि हो सकती है।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय astrompandey@gmail.com

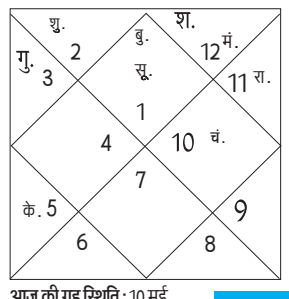

आज की ग्रह स्थिति : 10 मई, रविवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- ज्येष्ठ, पक्ष- कृष्ण पक्ष, अष्टमी 15 .06 तक तत्पश्चात नवमी।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**- ग्रीष्म।

चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।

ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-धनिष्ठा 11 मई 00 .50 तक तत्पश्चात शतभिषा।

सुडोकू - 144 का हल

9	1	8	5	6	2	3	7	4
4	7	2	3	8	1	5	6	9
6	5	3	4	9	7	1	8	2
1	8	4	2	5	6	7	9	3
5	2	6	7	3	9	4	1	8
7	3	9	1	4	8	6	2	5
3	9	1	6	2	4	8	5	7
8	4	7	9	1	5	2	3	6
2	6	5	8	7	3	9	4	1

सुडोकू -145

		1	2					
2			3	4				
6		3						
	2		1					
4	8						5	
				5	4		9	
						9	8	3
				9	8			
					6	7		

उपलब्धि

डॉ. एपीजी अब्दुल कलाम द्वीप से आधुनिक 'अग्नि' मिसाइल ने धुआं उगलते हुए आसमान का चीरा सीना

अग्नि-5 : एक ही मिसाइल से लगेंगे कई निशाने

भुवनेश्वर/नयी दिल्ली

भारत ने रक्षा के क्षेत्र में एक और ऊंची छलांग लगाते हुए दुनिया को अपनी ताकत का लोहा मनवा दिया है। शनिवार को रक्षा मंत्रालय ने उस गौरवशाली पल की तस्वीर साझा की, जब डॉ. एपीजी अब्दुल कलाम द्वीप से आधुनिक 'अग्नि -5' मिसाइल ने धुआं उगलते हुए आसमान का सीना चीर दिया।

इस मिसाइल की सबसे बड़ी खूबी इसका MIRV (मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेड री-एंट्री व्हीकल) सिस्टम है। आसान भाषा में कहें तो यह एक ऐसी 'स्मार्ट' मिसाइल है जो अंतरिक्ष में जाने के बाद एक साथ कई अलग-अलग ठिकानों पर सटीक निशाना साध सकती है। यानी एक तीर, और कई निशाने!शुक्रवार, 8 मई को हुआ यह परीक्षण न केवल भारत की तकनीकी महारत को दर्शाता है, बल्कि हिंद महासागर से लेकर पूरे क्षेत्र में देश की सुरक्षा दीवार को अभेद्य बनाता है। यह 'अग्नि' का नया अवतार दुश्मनों के लिए एक साफ संदेश है कि भारत की सरहदें अब पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित और ताकतवर हाथों में हैं।

अग्नि -5 : क्यों है खास

अग्नि मिसाइल की यह नई तकनीक भारत को दुनिया के उन चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा करती है जिनके पास MIRV (बहु-लक्ष्यीय स्वतंत्र रूप से लक्षित) क्षमता है।

एक साथ कई शिकार: इस तकनीक की सबसे बड़ी ताकत यह है कि एक ही मिसाइल के ऊपर कई 'वॉरहेड' (बम) लगाए जा सकते हैं। हवा में एक निश्चित ऊंचाई पर पहुँचने के बाद, यह मिसाइल अलग-अलग दिशाओं में अपने वॉरहेड्स को छोड़ सकती है, जो अलग-अलग शहरों या ठिकानों को एक साथ निशाना बना सकते हैं।

मिसाइल डिफेंस को चकमा: दुश्मन के रडार और मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए एक मिसाइल को रोकना आसान होता है, लेकिन जब एक ही मिसाइल से अचानक 3-4 वॉरहेड अलग-अलग दिशाओं में बढ़ते हैं, तो उन्हें ट्रैक करना और नष्ट करना लगभग नामुमकिन हो जाता है।

स्वदेशी तकनीक का दम: अग्नि-5 और इसके उन्नत संस्करणों को DRDO ने भारत में तैयार किया है। मारक क्षमता 5,000 से 7,000 किमी तक है, जिसका मतलब है लगभग पूरा एशिया और यूरोप का एक बड़ा हिस्सा।

डॉ. कलाम को श्रद्धांजलि: यह परीक्षण उसी द्वीप (व्हीलर आइलैंड) से किया गया जिसका नाम भारत के 'मिसाइल मैन' डॉ. कलाम के नाम पर रखा गया है।

आईपीएल से पहले टीम के अंदर हुए एक अभ्यास मैच के दौरान श्रेयस भाई ने मुझसे कहा था कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं और मुझे ज्यादा सोचना नहीं चाहिए। अगर मैं उन चीजों के बारे में सोचता जो मेरे नियंत्रण में नहीं थीं तो मैं उस स्थिति में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता।।
–सूर्यांश शेडगे

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 10 मई 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

चेन्नई सुपर किंग्स

बनाम

लखनऊ सुपर जायंट्स

समय - शाम 3:30 बजे

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

बनाम

मुंबई इंडियंस

समय - शाम 7:30 बजे

हाईलाइट

लंदन में वर्ल्ड टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप के दौरान महिला सेमीफाइनल में जर्मनी की यिंग हान के खिलाफ सर्विस करतीं जापान की मिवा हरिमोटो। एजेंसी

फुटबॉल विश्व कप ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म करेंगी नोरा

टोरंटो। बॉलीवुड में अपने आइटम नंबर से तहलका मचा चुकी नोरा फतेही फुटबॉल विश्व कप की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म करेंगी। ओपनिंग सेरेमनी शुक्रवार, 12 जून को, किक-ऑफ से 90 मिनट पहले होगी। 12 जून को, स्थानीय समय 13 :30 बजे, कनाडा फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी की मेजबानी करते हुए केंद्र-मंच पर होगा। यह अपने समुदायों, समृद्ध विविधता और फुटबॉल की जोड़ने वाली शक्ति से प्रेरित एक जीवंत उत्सव के साथ दुनिया का स्वागत करेगा। अलानीस मोरिसेते, अलेसिया सारा, एलयाना, जेस्सी रयेज़, माइकल बबल, नोरा फतेही, संजोय, वेजेड्रीम, विलियम प्रिंस और अन्य ग्लोबल संगीत सितारे इस कहानी को जीवंत करने में मदद करेंगे।

मेसी ने वर्ल्ड कप में नेमार की वापसी का किया समर्थन

ब्यूनस आयर्स। लियोनेल मेसी का मानना है कि नेमार अभी भी फुटबॉल के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्होंने उम्मीद जताई कि ब्राजील का यह फॉरवर्ड अगले महीने होने वाले फीफा वर्ल्ड कप के लिए समय पर वापसी कर लेगा। ब्राजील के अब तक के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी नेमार ने अक्टूबर 2023 के बाद से अपने देश के लिए कोई मैच नहीं खेला है। उस समय उरुग्वे के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफायर मैच के दौरान उनके घुटने का लिगामेंट टूट गया था। अपने बचपन के क्लब सैंटोस में लौटने के बाद से उनकी चोटों की समस्याएं जारी रही हैं। इस वजह से इस साल सभी प्रतियोगिताओं में वह सिर्फ 12 मैच ही खेल पाए हैं, जबकि 2025 में 28 मैच खेले थे।

राजस्थान को रौंदकर गुजरात ने बढ़ाया प्लेऑफ की तरफ कदम

आईपीएल-2026 : गिल की विस्फोटक पारी के बाद राशिद ने झटके चार विकेट

जयपुर, एजेंसी

कप्तान शुभमन गिल की 84 रन की विस्फोटक पारी और साई सुदर्शन के शानदार अर्धशतक के बाद राशिद खान (33 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के कमाल से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 के अहम मुकाबले में शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को 77 रन से शिकस्त देकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी संभावनाओं को मजबूत किया।

टाइटंस ने मौजूदा सत्र का अपना सबसे बड़ा स्कोर चार विकेट पर 229 रन बनाने के बाद रॉयल्स की पारी को 16.3 ओवर में 152 रन पर समेटकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। इस बड़ी जीत से टाइटंस की टीम अपना नेट रन रेट सुधारने में सफल रही। टीम की यह 11 मैचों में सातवीं जीत है और वह 14 अंक के साथ तालिका में पांचवें से दूसरे स्थान पर पहुंच गई। रॉयल्स इतने ही मैचों में पांचवीं हार के बाद 12 अंक के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गई है।

राशिद को गेंदबाजी में जेसन होल्डर (12 रन पर तीन विकेट) और कागिसो रबाडा (33 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। मोहम्मद सिराज ने चार ओवर में 55 रन लुटाए, लेकिन वैभव सूर्यवंशी का अहम विकेट चटकाया। रॉयल्स के लिए रविंद्र जडेजा ने 25 गेंदों में 38, वैभव सूर्यवंशी ने 16 गेंदों में 36 और ध्रुव जुरेल ने 10 गेंदों में 24 रन का योगदान दिया।

जीत का जश्न मनाते गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल (दाएं) व राशिद खान।

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर गिल ने बाएं पैर में परेशानी के बावजूद 44 गेंदों में नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से तेजतर्रार 84 रन बनाए।

सुदर्शन ने 36 गेंदों में छह चौके और दो छक्कों की सहायता से 55 रन की उपयोगी पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 118 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। पारी के अंतिम ओवरों में वॉशिंगटन सुंदर ने भी आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 20 गेंदों में नाबाद 37 रन बनाए, जबकि राहुल तेवतिया ने चार गेंदों में नाबाद 14 रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। तेवतिया ने आखिरी ओवर में दो छक्के जड़े, जिससे टीम ने 21 रन बटोरे और मौजूदा सत्र का अपना सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया। राजस्थान रॉयल्स की ओर से दाएं हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज बृजेश शर्मा सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 47 रन देकर दो विकेट झटके। इसके अलावा यश राज पुंजा और रविंद्र जडेजा ने एक-एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्यवंशी ने शुरुआती दो ओवरों में सिराज और रबाडा के खिलाफ छक्के जड़कर रॉयल्स को तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने सिराज के खिलाफ तीसरे ओवर में भी तीन चौके जड़े, लेकिन इस अनुभवी गेंदबाज की बाउंसर पर हवा में शॉट खेल बैठे और अरशद खान ने आसान कैच पूरा किया।

गुजरात टाइटंस

229/4 (20 ओवर)

साई सुदर्शन का आर्चर बो यश राज	55
शुभमन गिल का देशपांडे बो बृजेश	84
जोस बटलर का फरेरा बो जडेजा	13
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	37
जेसन होल्डर का जायसवाल बो बृजेश	07
राहुल तेवतिया नाबाद	14

अतिरिक्त : 19, विकेट पतन : 1-118, 2-150, 3-185, 4-205, गेंदबाजी : आर्चर 3-0-46-0, देशपांडे 4-0-52-0, बृजेश 4-0-47-2, यश राज 4-0-37-1, जडेजा 4-0-34-1, फरेरा 1-0-11-0

राजस्थान रॉयल्स

152/10 (16.3 ओवर)

यशस्वी जायसवाल का सिंधू बो रबाडा	03
वैभव सूर्यवंशी का अरशद बो सिराज	36
ध्रुव जुरेल बो राशिद	24
शिमरोन हेटमायर का होल्डर बो रबाडा	06
रविंद्र जडेजा पगबाधा राशिद	38
डोनोवन फरेरा बो राशिद	04
शुभमन दुबे बो राशिद	15
दासून शनाका का गिल बो होल्डर	16
जोफ्रा आर्चर का बटलर बो होल्डर	05
तुषार देशपांडे का वाशिंगटन बो होल्डर	01
बृजेश शर्मा नाबाद	01

अतिरिक्त : 03, विकेट पतन : 1-38, 2-40, 3-68, 4-87, 5-91, 6-115, 7-136, 8-141, 9-151, **गेंदबाजी :** सिराज 4-0-55-1, रबाडा 3-0-33-2, साई किशोर 1-0-8-0, राशिद 4-0-33-4, वाशिंगटन 2-0-10-0, होल्डर 2.3-0-12-3

77 रनों के विशाल अंतर से हराकर तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंचा गुजरात टाइटंस

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	सनराइजर्स हैदराबाद	11	7	4	0	14	0.737
2.	गुजरात टाइटंस	11	7	4	0	14	0.228
3.	पंजाब किंग्स	10	6	3	1	13	0.571
4.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	10	6	4	0	12	1.234
5.	राजस्थान रॉयल्स	11	6	5	0	12	0.082
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	10	5	5	0	10	0.151
7.	कोलकाता नाइट राइडर्स	10	4	5	1	9	-0.169
8.	दिल्ली कैपिटल्स	11	4	7	0	8	-1.154
9.	मुंबई इंडियंस	10	3	7	0	6	-0.649
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	10	3	7	0	6	-0.934

ऑरेंज कैप

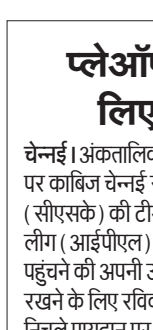

- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-494 रन
- अभिषेक शर्मा हैदराबाद -475 रन
- केएल राहुल दिल्ली-468 रन

पर्पल कैप

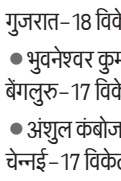

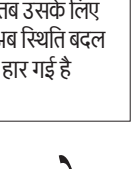

- कागिसो रबाडा गुजरात-18 विकेट
- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु-17 विकेट
- अंशुल कंबोज चेन्नई-17 विकेट

प्लेऑफ की उम्मीद जीवंत रखने के लिए लखनऊ से भिड़ेगा चेन्नई

चेन्नई। अंकतालिका में छठे स्थान पर काबिज चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए रविवार को यहां सबसे निचले पायदान पर मौजूद लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है तब सीएसके शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में शामिल है। उसके अभी तक के अभियान में निरंतरता का अभाव रहा है। उसने अपने घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान दोनों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। पांच बार का चैंपियन सीएसके अब चेपॉक में वापसी करेगा। उसके पास एलएसजी के खिलाफ लय हासिल करने का बेहतरीन मौका है। लखनऊ की टीम के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा और वह प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है। सीएसके का पूरा अभियान काफी हद तक संजू सैमसन के इर्द-गिर्द घूमता रहा है।

मुंबई के खिलाफ आरसीबी को करना होगा दमदार प्रदर्शन

रायपुर। पिछले दो मैच में हार से वापसी के लिए बेताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में उसके बल्लेबाजों को दमदार प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी और अपने पहले चार मैच जीते थे। तब उसके लिए प्लेऑफ में प्रवेश महज एक औपचारिकता लग रहा था। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। मौजूदा चैंपियन टीम अपने पिछले पांच मैचों में से तीन मैच हार गई है जिससे उसके समीकरण बिगड़ गए हैं।

तीरंदाजी विश्व कप में जाधव ने लगाया कांस्य पदक पर निशाना

शंघाई, एजेंसी

विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के मौजूदा चैंपियन साहिल जाधव ने शनिवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में पुरुष कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। यह विश्व कप में उनका पहला पदक भी है। महाराष्ट्र के 25 वर्षीय तीरंदाज जाधव ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मुकाबले में डेनमार्क के मार्टिन डैम्सबो को 147-144 से हराकर मौजूदा टूर्नामेंट में भारत का पहला पदक हासिल किया।

भारत ने इस पदक के साथ कंपाउंड वर्ग में अपने अभियान का भी समापन किया। इस वर्ग में भारत के अन्य खिलाड़ी पदक जीतने में नाकाम रहे थे। भारत को कंपाउंड टीम स्पर्धाओं में मजबूत टीम माना जाता है लेकिन उसकी सभी टीम शुरुआती दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। भारत अब रविवार को प्रतियोगिता के समापन दिवस पर रिकर्व स्पर्धा में दो और पदक जीतने की कोशिश करेगा। भारतीय महिला टीम स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेगी। इसके अलावा सिमरनजीत कौर सेमीफाइनल से अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। विश्व कप में अपना पहला पदक जीतने के लिए उन्हें एक जीत की जरूरत होगी।

जाधव पहले सेट के बाद एक अंक से पीछे चल रहे थे क्योंकि 40 वर्षीय डैम्सबो ने तीन परफेक्ट 10 के साथ शुरुआत की थी। लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे सेट में परफेक्ट 30 का स्कोर बनाया जबकि डैम्सबो 27 का स्कोर ही बना पाए। इससे जाधव को कुल 59-57 की बढ़त हासिल करने में मदद मिली। इसके बाद जाधव ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और अपने अंतिम नौ तीरों में से केवल दो अंक गंवाकर तीन अंक की यादगार जीत हासिल की।

जाधव ने पहले दौर में हमवतन अभिषेक वर्मा को, प्री-क्वार्टर फाइनल में जर्मनी के रूवेन फ्लुस को और क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रिया के 2022 के विश्व चैंपियन निको विएनर को शूट-ऑफ में हराया था। सेमीफाइनल में हालांकि उन्हें फ्रांस के मौजूदा विश्व चैंपियन निकोलस गिरार्ड से एक अंक से हार का सामना करना पड़ा था।

विनेश के नेशनल ओपन रैंकिंग कुश्ती में शामिल होने पर रोक

संवाददाता गोंडा

- प्रतियोगिता से एक दिन पहले विनेश फोगाट को बड़ा झटका
- डब्लूएफआई ने कारण बताओ नोटिस देकर मांगा जवाब

अमृत विचार। जिले के नंदिनीनगर स्पोर्ट्स स्टेडियम में रविवार से शुरू हो रही तीन दिवसीय नेशनल ओपन रैंकिंग कुश्ती प्रतियोगिता से ठीक 24 घंटे पहले महिला पहलवान विनेश फोगाट को बड़ा झटका लगा है। भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) ने उन्हें प्रतियोगिता में शामिल होने से फिलहाल रोकते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

शनिवार दोपहर जारी किऑ गए इस नोटिस में विनेश फोगाट से कई गंभीर आरोपों पर स्पष्टीकरण मांगा गया है। डब्लूएफआई ने साफ किया है कि जवाब मिलने के बाद ही उनके प्रतियोगिता में भाग लेने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

विनेश को 14 दिनों के भीतर अपना जवाब देना होगा। भारतीय कुश्ती संघ की ओर से नोटिस उनके पंजीकृत पते, ईमेल आईडी और स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजा गया है, ताकि बाद में नोटिस न मिलने का विवाद न हो सके। भारतीय कुश्ती संघ की तरफ से जारी नोटिस में विनेश फोगाट पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इनमें संन्यास की घोषणा करने के बाद दोबारा वापसी, अनुशासनहीनता और भारतीय कुश्ती की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला आचरण शामिल है। संघ ने पेरिस ओलंपिक 2024 में निर्धारित वजन सीमा तक नहीं पहुंच पाने के मामले को भी नोटिस में शामिल किया है। डब्लूएफआई का कहना है कि इससे भारतीय कुश्ती को शर्मिंदगी उठानी पड़ी। इसके अलावा भारतीय कुश्ती संघ के संविधान और नियमों के बार-बार उल्लंघन का भी आरोप लगाया गया है। नोटिस में डोपिंग विरोधी नियमों के उल्लंघन का मामला भी शामिल है।

भारतीय कुश्ती संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय सिंह के हस्ताक्षर से जारी इस नोटिस में कहा गया है कि विनेश फोगाट ने 18 दिसंबर 2025 को एक अनिवार्य टेस्ट मिस किया गया था, जिसकी सूचना अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) ने 4 मई 2026 को भेजे गए पत्र के माध्यम से दी थी। इसके साथ ही आरोप लगाया गया है कि 11 मार्च 2024 को एनआईएस पटियाला में आयोजित चयन ट्रायल में उन्होंने 50 किलो और 53 किलो दोनों वर्गों में हिस्सा लेकर प्रतियोगिता नियमों का उल्लंघन किया।

गोंडा में आयोजित प्रतियोगिता को लेकर लगाया था आरोप

गोंडा। गोंडा में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता को लेकर विनेश फोगाट पहले भी भारतीय कुश्ती संघ पर सवाल उठा चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके पंजीकरण में बाधा डाली जा रही है। हालांकि डब्लूएफआई ने दावा किया था कि आरोप लगाने से पहले ही उनका पंजीकरण हो चुका था। इसके बाद विनेश ने एक वीडियो जारी कर कहा था कि "बृजभूषण के इलाके में कुश्ती हो रही है, वहां मैं खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करती। अगर मेरे साथ कुछ होता है तो सरकार जिम्मेदार होगी।" भारतीय कुश्ती संघ ने उस समय उनके आरोपों को खारिज कर दिया था। वहीं अब शो कॉज नोटिस जारी होने के बाद मामला और गरमा गया है।

आईपीएल | देर रात तफरीह करने के आ रहे थे वीडियो, बोर्ड की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई ने खिलाड़ियों समेत पूरे स्टाफ को किया आगाह

प्रतिबंधित जगहों पर रील बनाना बोर्ड के कड़े रुख की वजह

बेंगलुरु, एजेंसी

प्रतिबंधित जगहों पर रील्स बनाना, सुरक्षा मंजूरी के बिना तफरीह करना और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स से खिलाड़ियों की निकटता ऐसी वजहें रही जिनके कारण बीसीसीआई को कड़े परामर्श जारी करने पड़े और अब आईपीएल टीमें निजता से समझौता किए बिना इनका पालन करने की कोशिश में जुटी हैं।

बोर्ड की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई ने खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और टीम अधिकारियों के होटल के कमरों में अनधिकृत मेहमानों को लेकर चेताया और यह भी आगाह किया कि यह 'हनी ट्रैप' हो सकता है। नतीजतन बीसीसीआई ने परामर्श जारी किया जिसमें मेहमानों पर प्रतिबंध के साथ खिलाड़ियों को अपनी गतिविधियों के बारे में सुरक्षा अधिकारियों को सूचित करना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके उल्लंघन के प्रमुख मामलों में खिलाड़ियों की इंफ्लुएंसर्स से निकटता है जिनकी सेवायें प्रतिभागी टीमों के लिये सोशल मीडिया कंटेट तैयार करने के मकसद से अल्प अवधि के लिये ली जाती हैं। एक घटना में टीम के युवा खिलाड़ियों में से एक ने कंटेट टीम के नये सदस्य से रील्स बनाने, वीडियो और तस्वीरें लेने में उनकी मदद करने के लिए कहा जो उनके निजी सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करने के लिये था। किसी खिलाड़ी के लिए नियो-मीडिया कंटेंट बनाने के लिए बाहर से मदद लेना कोई नयी बात नहीं है लेकिन इस खास मामले में ब्लॉगर ने ''ट्रैक्शन'' पाने के लिए अपने प्राइवेट अकाउंट पर कुछ वीडियो और तस्वीरों का इस्तेमाल किया। यह शूट सीमारेखा के भीतर किया गया जिसमें टीम के अभ्यास और अन्य मैदानी गतिविधियों के दृश्य हैं। बाद में खिलाड़ी के होटल के कमरे के भी दृश्य इसमें हैं।

एक फ्रेंचाइजी के अधिकारी ने पीटीआई से कहा हमें बीसीसीआई से नये नियमों के निर्देश मिले हैं और उनका पालन कराने के उपाय किये जा रहे हैं। नये खिलाड़ी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं और यह आधुनिक ट्रेंड है जिसे स्वीकार करना होगा लेकिन बीसीसीआई द्वारा तय सीमा के भीतर ही किया जाना चाहिए। लोगों की हर गतिविधि पर नजर रखना संभव नहीं है। यह एक मसला है। हम खिलाड़ियों और कंटेंट टीमों को बीसीसीआई के नियमों और उन्हें तोड़ने के परिणामों से अवगत करा रहे हैं। उन्होंने कहा हम कंटेट टीम के सदस्यों की संख्या भी कम कर रहे हैं खासकर उनकी जिन्हें आईपीएल सत्र के दौरान दो तीन महीने के लिये नियुक्त किया जाता है। सीनियर खिलाड़ियों को नियमों के बारे में पता है और यह भी पता है कि उनका पालन कैसे करना है। पहली बार आईपीएल खेल रहे क्रिकेटरों को हालात की गंभीरता के बारे में पता नहीं है।

अनाधिकृत आगंतुकों को लेकर गहराई चिंता

खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के कमरों में अनधिकृत आगंतुकों को लेकर बोर्ड की चिंता गहरा गई जब हाल ही में एक और खिलाड़ी अक्सर देर रात तक अपने कमरे में कुछ लोगों की मेजबानी करता पाया गया। बीसीसीआई के एसीयू अधिकारी ने टीम मैनेजर को समन किया लेकिन जवाब संतोषजनक नहीं था। मैनेजर ने टीम में खिलाड़ी की वरिष्ठता का हवाला देकर उसका बचाव करने की कोशिश की। आईपीएल में बतौर टीम मैनेजर लंबे समय तक काम कर चुके एक पूर्व अधिकारी ने कहा मैं हैरान नहीं हूं। कई बार खिलाड़ी अपने कद का फायदा उठाकर नियमों को ताक पर रख देते हैं।

इटालवी ओपन के दूसरे दौर में डिनो से हारकर नोवाक जोकोविच बाहर

रोम, एजेंसी

छह बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को शुक्रवार को इटालवी ओपन के दूसरे राउंड में क्रोएशियाई युवा खिलाड़ी डिनो प्रिज़मिक के हाथों हार का सामना करना पड़ा, जिससे उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। छठी वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर भी बाहर हो गए, जबकि पूर्व चैंपियन अलेक्जेंडर ज़्वेरेव, एलेना रायबाकिना और इगा स्वियाटेक तीसरे राउंड में पहुँच गए। 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद जोकोविच और प्रिजमिक के बीच यह पहली भिड़ंत थी।

जोकोविच ने शुरुआती सेट में ही बढ़त बना ली। छठे गेम में उन्होंने एक बेहतरीन ड्रॉप शॉट और वॉली के मेल से पॉइंट बनाया और फिर एक ज़ोरदार फोरहैंड विनर के साथ गेम जीत लिया, जिसके बाद उन्होंने सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में प्रिज़मिक ने जोरदार वापसी की, क्योंकि जोकोविच की पहली सर्विस की धार थोड़ी कम हो गई थी। क्रोएशियाई खिलाड़ी ने तेज़ी से 4-0 की बढ़त बना ली और 6-2 से सेट जीतकर मैच को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद तीसरे सेट के पाँचवें गेम में उन्होंने एक निर्णायक ब्रेक हासिल किया और 6-4 से जीत दर्ज करते हुए जोकोविच को अंतिम 32 में जगह बनाने से रोक दिया। मैच के बाद जोकोविच ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि उन्होंने कुल मिलाकर खराब खेला, हालाँकि उन्होंने यह माना कि वे आधा कदम पीछे रह गए।